हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, शुक्रवार 24 जुलाई 2026

2 अगस्त को होगा आयोजन, तैयारी शुरू स्थान देखा जा रहा

नए आपराधिक कानून पर बड़ी कार्यशाला- मुख्यमंत्री, न्यायिक अधिकारी सभी एसपी होंगे शामिल, प्रभावी क्रियान्वयन पर होगा गहन मंथन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

खास खबर

देश में 1 जुलाई 2024 से लागू हुए नए आपराधिक कानूनों के दो वर्ष पूरे होने के बाद उनके प्रभावी क्रियान्वयन, अब तक के अनुभवों और भविष्य की कार्ययोजना पर मंथन के लिए छत्तीसगढ़ में 2 अगस्त को राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के न्यायाधीश, पुलिस, अभियोजन एवं न्यायिक तंत्र के वरिष्ठ ▸▸| शेष पेज 7 पर

दो वर्षों के अनुभवों की होगी समीक्षा

कार्यशाला में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के दो वर्षों के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। विभिन्न जिलों में इन कानूनों के लागू होने के बाद सामने आए अनुभवों, चुनौतियों और बेहतर कार्यप्रणालियों पर चर्चा होगी। ▸▸| शेष पेज 7 पर

पुलिस अधिकारियों को मिलेगा व्यावहारिक प्रशिक्षण

कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को नए आपराधिक कानूनों के व्यावहारिक क्रियान्वयन का प्रशिक्षण देना भी है। इसमें अपराध दर्ज करने की नई प्रक्रिया, विवेचना की समय-सीमा, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल साक्ष्यों का संग्रह और संरक्षण, फोरेंसिक साक्ष्यों के अनिवार्य उपयोग, गिरफ्तारी और तलाशी की नई कानूनी प्रक्रिया, पीड़ितों ▸▸| शेष पेज 7 पर

एक समान क्रियान्वयन पर रहेगा जोर

प्रदेश के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों की मौजूदगी में यह सुनिश्चित करने पर भी चर्चा होगी कि नए कानूनों का पालन पूरे राज्य में एक समान तरीके से हो। कार्यशाला में केस स्टडी, न्यायालयों के महत्वपूर्ण निर्णय, विवेचना के दौरान होने वाली सामान्य त्रुटियां तथा उनके समाधान साझा किए जाएंगे, ताकि जांच की गुणवत्ता और दोषसिद्धि दर में सुधार लाया जा सके।

न्यायपालिका-पुलिस के बीच समन्वय की पहल

कार्यक्रम में हाईकोर्ट के न्यायाधीश नए कानूनों की न्यायिक व्याख्या और व्यावहारिक पहलुओं पर अपने विचार रखेंगे। वहीं पुलिस, अभियोजन और न्यायपालिका के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उपायों पर भी चर्चा होगी, जिससे मामलों का समयबद्ध और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री देंगे दिशा-निर्देश

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कार्यशाला को संबोधित करते हुए राज्य में कानून-व्यवस्था को और अधिक आधुनिक, तकनीक आधारित तथा नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित करेंगे। उनसे नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन और बेहतर पुलिसिंग के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाने की भी संभावना है।

स्थान देखा जा रहा

कार्यशाला 2 अगस्त को हो रही है। कार्यक्रम कहां होगा, इसकी जगह अभी तय नहीं है। इसके लिए स्थान देखा जा रहा है।

निहारिका बारिक, प्रमुख सचिव गृह

पीएम मोदी का देर रात छात्रों के नाम वीडियो संदेश, बोले- कैबिनेट आज लेगी सख्त फैसला

पेपर लीक पर केंद्र सरकार लाएगी नया कानून

नीट पेपर लीक मामले में कॉकरोच जनता पार्टी और विपक्ष का प्रदर्शन गुरुवार को भी जारी रहा। इस बीच, पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार देर रात छात्रों के नाम एक वीडियो संदेश जारी किया। पीएम मोदी ने कहा कि पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है। फास्ट-ट्रैक कोर्ट और कड़ी सजा का प्रस्ताव शुक्रवार की कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद अगले सप्ताह संसद में इससे जुड़ा बिल पास कराने की कोशिश की जाएगी।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार देर रात नीट पेपर लीक के मुद्दे पर एक बार फिर से आंदोलन कर रहे छात्रों के लिए संदेश जारी किया। पीएम मोदी ने वीडियो संदेश में कहा, मैं जानता हूं कि पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है। लाखों विद्यार्थी और उनके अभिवावकों के लिए बहुत ही पीड़ादायक है। इसलिए पेपर लीक घटना से अब तक पिछले ढाई महीनों में अनेक वैध कदम उठाए गए। गुनहगारों को पकड़ा गया है। वह जेल में पड़े हैं। ▸▸| शेष पेज 7 पर

- प्रधानमंत्री के ऐलान करते ही चार राज्यों में बनी फास्ट ट्रैक कोर्ट
- राहुल के आवास के बाहर हाईवोल्टेज ड्रामा, गांधी स्मृति जा रहे विपक्षी सांसदों की बस पुलिस ने रोकी
- जंतर-मंतर के 1.5 किलोमीटर के दायरे मेंमोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित

फास्ट ट्रैक कोर्ट का होगा गठन

इससे पहले, पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार की सुबह को पेपर लीक मामलों पर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने कहा था कि पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने, मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का गठन किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देश के युवाओं का कल्याण और हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कॉकरोच जनता पार्टी ने आज देशभर में प्रदर्शन का किया ऐलान

उच्च शिक्षा सचिव विनीत जोशी का तबादला पंचायती राज मंत्रालय में किया गया

24 घंटे में चार बार प्रस्ताव

नीट पेपर लीक मामले के खिलाफ छात्रों के प्रदर्शन को देखते हुए सरकार ने एक बार फिर बातचीत का प्रस्ताव दिया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को कहा है कि सरकार सभी मुद्दों पर किसी भी समय, किसी भी जगह बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार बुधवार दोपहर से अब तक सीजेपी के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के लिए चार बार औपचारिक प्रस्ताव भेज चुकी है।

वांगचुक ने खत्म किया अनशन

मेदांता अस्पताल में भर्ती जलवायु कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक ने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी। उन्होंने कहा कि आंदोलन का रास्ता केवल अहिंसा का है और किसी भी हाल में हिंसा का जवाब हिंसा से नहीं दिया जाना चाहिए।

अन्ना का मौन आंदोलन

सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों के समर्थन में महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में दो घंटे का 'मौन आंदोलन' किया। अन्ना ने अहिल्यानगर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास पूर्वाह्न 11 बजे अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया और अपराह्न एक बजे इसे समाप्त किया।

विपक्ष छात्रों के साथ : राहुल

नीट पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर चल रहे प्रदर्शन के बीच विपक्षी दलों की रणनीति तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हमारे छात्र सड़कों पर हैं, इसलिए विपक्ष के सभी सांसदों को लगा कि हमें भी सड़कों पर उतरना चाहिए। विपक्ष के सभी सांसद इंडिया गेट जाना चाहते थे। उन्होंने मना कर दिया और हमें रोक दिया। फिर हमने कहा कि हम तीस जनवरी (गांधी स्मृति) जाना चाहते हैं। उन्होंने बस यहीं खड़ी कर दी है हम आगे नहीं बढ़ पाए, लेकिन छात्रों तक मुख्य संदेश यही है कि हम आपके साथ है। इसससे पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आवास पर इंडिया गठबंधन के नेताओं की अहम बैठक हुई। बैठक में पेपर लीक और लाठीचार्ज के मुद्दे पर और संसद के भीतर और बाहर सरकार को ▸▸| शेष पेज 7 पर

कांग्रेसियों पर एफआईआर में पुलिस पर पथराव, कांच की बोतल, लाठी से हमले का जिक्र, इधर, कांग्रेसी पहुंचे थाने

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

दिल्ली में कांग्रेस नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री आवास को लेकर आमने-सामने आए भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भिड़त में घायल पुलिस वालों की ओर से केस दर्ज करा दिया गया है। खम्हारडीह पुलिस ने 12 कांग्रेस नेताओं सहित अज्ञात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 191, 121(1), 221 और 132 के तहत अपराध दर्ज किया है। इस पूरे घटनाक्रम में एक एसआई, महिला कांस्टेबल सहित 16 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इधर, इसे एकतरफा कार्रवाई बताते हुए कांग्रेसी खमतराई थाने पहुंच गए और उन्होंने जमकर नारेबाजी की। इस मुद्दे को लेकर मामला गरमाया हुआ है। गौरतलब है, बुधवार को भाजपा ने प्रधानमंत्री आवास घेराव ▸▸| शेष पेज 7 पर

टीआई की रिपोर्ट पर एफआईआर

जिन कांग्रेस नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उनके खिलाफ खम्हारडीह थाने के टीआई भावेश कुमार गौतम ने अपने ही थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शनकारियों की कार्रवाई से शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न हुई और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास किया गया।

अनिश्चितकालीन धरने पर कांग्रेसी

खम्हारडीह थाने के बाहर कांग्रेसियों ने गुरुवार रात अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। देर रात कांग्रेसियों ने टेंट का सामान मंगवा लिया। दरी और कालीन बिछाकर बैठ गए। इस प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कांग्रेसियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा के खिलाफ हमारी लड़ाई आर-पार की है। हमारे कार्यालय का घेराव करने आए, पत्थर भी हम खाए और एफआईआर भी हमारे ऊपर ही हुआ। जब तक भाजपा के खिलाफ भी एफआईआर नहीं होती है, तब तक हम यहां बैठे रहेंगे।

भ्रष्टाचार पर शिकंजा

एक लाख रुपए की घूस लेते प्रभारी सिविल सर्जन गिरफ्तार

अपने ही अधीनस्थ से पे डेटा ट्रांसफर करने के एवज में ली थी रिश्वत

हरिभूमि न्यूज़ ▸▸| जांजगीर चांपा

सक्ती के जिला अस्पताल में प्रभारी सिविल सर्जन को एक लाख रुपए घूस लेते एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम में रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। बताया जाता है

कि उसने अपने अधीनस्थ कार्यरत फार्मासिस्ट से रिश्वत मांगी थी। जिला अस्पताल सक्ती में फार्मासिस्ट ग्रेड-2 के पद पर अटैचमेंट पर कार्यरत गंगा प्रसाद रत्नाकर ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी ▸▸| शेष पेज 7 पर

10 हजार की घूस महिला हवलदार को रंगे हाथ पकड़ा

जगदलपुर। बस्तर जिले के कोड़ेनार थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक पीलेश्वरी साहू गुरूवार को रिश्वत लेते धरी गई।

एसीबी जगदलपुर की टीम ने 10 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए उसे रंगे हाथ गिरफ्तार किया। दोपहर लगभग 2 बजे डीएसपी रमेश मरकाम व चन्द्रशेखर ध्रुव के नेतृत्व में एसीबी की टीम ने कोड़ेनार थाना में पहुंचकर रिश्वत के रुपए ▸▸| शेष पेज 7 पर

ऐसे पकड़ा गया आरोपी

गुरुवार 23 जुलाई की रात करीब 9 बजे डभरा कॉलेज मोड़ के पास शिकायतकर्ता एसीबी टीम के साथ पहुंचा। आरोपी डॉ. संतोष कुमार पटेल वहां पहुंचकर शिकायतकर्ता की स्कार्पियो में बैठे और जैसे ही उन्होंने 1 लाख की रिश्वत अपने कब्जे में ली, पहले से घात लगाए एसीबी अधिकारियों ने उन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी ने आरोपी के कब्जे से रिश्वत की पूरी रकम बरामद कर ली है। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के तहत अपराध दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

RAIPUR | INDIA
KALINGA UNIVERSITY
LEARN ENGINEERING THE WAY INDUSTRY WANTS
FACULTY OF TECHNOLOGY
Events & Activities
Hackathons & Ideathons
Industry Visits
International Conferences
Technology Clubs
Spark (Electrical)
Avishkar (Civil)
Royal (Mechanical)
Standard (Supported by BIS)
Innovation & Research
100+ High-Tech Research Labs
8 Centres of Excellence
Central Instrumentation Facility
Business Lab
Central Library - 90,000+ Books, 1.5 Lakh+ E-Resources
562+ Patents | 7200+ Research Publications
Active IPR Cell for patent filing
nirf RANKING 2025 Ranked in Top 101-150 Universities
NAAC ACCREDITED
400+ Recruitment Partners
600+ International Students
130+ Programs
LEARN TODAY LEAD TOMORROW
8 CENTRES OF EXCELLENCE
TechnoViz AUTOMATION for Industrial Internet of Things (IIoT)
GODAWARI eblu for Research and Training on Electric Vehicles
IBM Innovation Centre for Education for B.Tech CS in AI & ML
JUST AUTO SOLUTIONS for Repair & Monitor of Maintenance of 2 & 3-Wheeler Vehicles
BDS EDUCATION for Robotics, Coding, and Drones
Proud to say IamSMEofIndia for Micro, Small, and Medium Enterprises (MSME)
BOSCH for Bridge Courses
UltraTech CEMENT The Engineers Choice for Civil Engineering
B.Tech 4 Years
(Civil, Computer Science, Electrical, Mechanical)
B.Tech CS in AI & ML 4 Years
In collaboration with IBM | Innovation Centre for Education
M.Tech 2 Years
(Civil, Computer Science, Electrical, Mechanical)
Diploma in Engineering 3 Years
(Mechanical, Civil, Electrical, Computer Science, Mining)
Your Career Options:
Artificial Intelligence & Software
AI Engineer | Machine Learning Engineer | Data Scientist | NLP Specialist | Computer Vision Engineer | Full Stack Developer
Core Engineering
Mechanical Engineer | Electrical Engineer | Civil Engineer | Mining Engineer | Automation Engineer | Project Engineer | HVAC Specialist
Emerging Industries
Electric Vehicles | Robotics | Renewable Energy | Smart Manufacturing | Semiconductor Industry | Drone Technology
Why Kalinga University?
AICTE Approved | NIRF Ranked | Widely Recognised and Trusted by Employers Across India
100+ Laboratories | 1200 Computers | Smart Technical Campus
Dedicated Engineering Placement Cell with Year-Round Recruitment
Highest Package INR 33 LPA & Counting...
REGISTER TODAY!
Limited Seats Left...
Book Your Seat Today!
CUET Scorecards Accepted!
+91-9907252100
Campus: Kalinga University, Kotni, Near Mantralaya, Naya Raipur - 492101, Chhattisgarh
City Office: 2nd Floor, Aditya Heights, Opp. Telibandha Talab, Raipur - 492001, Chhattisgarh
Bhilai Office: 111, Khichariya Complex, Opp. Domino's Pizza, Near Hotel Grand Dhillon, Bhilai
SCAN THE QR CODE
To Register for our Entrance Examinations
KALSEE/KAL-MAT
#Rajesh9926308899

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

भिलाई : केवल 165 बच्चों ने लिया दाखिला

दुर्ग जिले के 152 निजी विद्यालयों में आरटीई के तहत आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। यहां दोनों चरणों के आंकड़ों पर नजर डालें तो कुल 1507 सीटों के मुकाबले अब तक केवल 1044 बच्चों का ही प्रवेश हो पाया है। जिले में अभी भी 463 सीटें खाली हैं। पहले चरण में 1059 बच्चों को लॉटरी के माध्यम से स्कूल आवंटित किए गए। आवंटित विद्यार्थियों में से 946 बच्चों ने ही प्रवेश लिया। दूसरे चरण में 635 सीटों पर पुनः चयन प्रक्रिया शुरू की गई। दूसरी लॉटरी में 150 बच्चों को स्कूल आवंटित किए गए हैं। जिसमें केवल 98 बच्चों ने दाखिला लिया और 52 सीटें खाली रह गईं।

ऐसे हैं आंकड़े

- स्कूल- 6857
- आरटीई सीटें- 23119
- आरटीई आवेदन- 39182
- रिक्त सीटें - 9424

खाली सीटों को भरने शिक्षा विभाग ने 22 जुलाई से पुनः मंगाए हैं आवेदन

नए नियम ने 50% कम कर दी आरटीई सीटें, फिर भी 40% सीट खाली! अब तिमाही परीक्षा तक दाखिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

आरटीई दाखिले संबंधित नियमों में बदलाव के बाद प्रदेश में सीटों की संख्या 50 प्रतिशत से भी कम हो गई थी। इसके बाद विभाग को उम्मीद थी कि कम सीट होने के कारण ये पहले चरण में ही भर जाएंगी, लेकिन बड़ी संख्या में सीटें खाली रहने के कारण शिक्षा विभाग को तीसरे चरण की प्रक्रिया शुरू करनी पड़ रही है। शेष सीटों को भरने के लिए 22 जुलाई से पुनः आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, 5 अगस्त तक आरटीई सीटों के लिए आवेदन किए जा सकेंगे। दस्तावेजों के सत्यापन पश्चात 10 से 14 अगस्त तक लॉटरी निकाली जाएगी। जिन बच्चों के नाम सूची में होंगे, उन्हें 25 अगस्त तक प्रवेश लेना होगा। अगला शैक्षणिक सत्र अप्रैल माह से प्रारंभ होगा। ऐसे में तिमाही परीक्षाएं सितंबर माह में आयोजित करने की तैयारी है। इस तरह से आरटीई सीटों को भरने तिमाही परीक्षा तक प्रवेश होते रहेंगे। आरटीई में प्रवेश अब केवल पहली कक्षा में ही मिलता है। नर्सरी, पीपी-1 व पीपी-2 को इससे बाहर कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, नए नियम के कारण पालक अधिक दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। राजधानी रायपुर के स्कूल अपेक्षाकृत बड़े हैं, इसलिए यहां प्रवेश की स्थिति बेहतर है। जबकि अन्य जिलों में विभाग पर्याप्त प्रचार-प्रसार के बाद भी छात्र नहीं जुटा पा रहा है।

राजनांदगांव : मात्र 13 आवेदन

तीसरे चरण में दाखिले के लिए अविभावकों द्वारा आवेदन किए जा रहे हैं। पोर्टल में निजी स्कूलों की रिक्त सीटों की जानकारी अपेडट नहीं होने के कारण अभिभावकों को आवेदन में समस्या हो रही है। कई बड़े निजी स्कूलों द्वारा रिक्त सीटों की संख्या छिपाने की बात भी सामने आ रही है। आरटीई प्रवेश के द्वितीय चरण में 126 रिक्त सीटों के लिए 705 आवेदन प्राप्त हुए थे। जिसमें 37 बच्चों का चयन किया गया। वहीं तृतीय चरण के तहत 104 रिक्त सीटों के लिए अब तक 13 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

धमतरी : 450 सीटें भी नहीं भर पा रहा विभाग

पिछले वर्षों की तुलना में इस साल आरटीई में तीन गुना कम सीट मिली है। इसके बाद भी इन सीटों को भरने में शिक्षा विभाग के पसीने छूट रहे हैं। दो चरण में मात्र 351 छात्रों का एडमिशन हुआ है। अभी भी 119 सीट रिक्त है। इस वर्ष आरटीई के तहत पूरे जिले में केवल 450 सीटें ही आरक्षित की गई थी। 450 सीटों में दाखिले के लिए 1235 आवेदन मिले थे। पहले चरण में 328 ने एडमिशन लिया। दूसरे चरण के लिए 112 सीटें बची थी, जिसमें 23 बच्चों ने एडमिशन लिया। इन दोनों चरणों में 33 बच्चे ऐसे हैं, जिनके नाम पर लॉटरी तो निकली थी, लेकिन कई कारणों से उन्हें एडमिशन नहीं दिया गया। तीसरे चरण के लिए 119 सीटें रिक्त बची हुई है, जिसके लिए एडमिशन की प्रक्रिया चालू है।

46 प्रमुख बांधों में 68 फीसदी से ज्यादा जलभराव, पिछले साल से ज्यादा पानी

छग के बांधों में राहत की मूसलाधार, केलो-घुनघुट्टा सहित आधा दर्जन जलाशयों से छोड़ा जा रहा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

छत्तीसगढ़ में मानसूनी बारिश के बाद प्रदेश के बांध भी लबालब होने लगे हैं। कई छोटे बांधों में इतना पानी हो गया है कि उनके गेट खोल दिए गए हैं। ऐसे बांधों की संख्या आधा दर्जन बताई जा रही है। बारिश अभी थमी नहीं है। कैचमेंट एरिया में पानी के आवक को देखते हुए गेट खोलने का फैसला लिया गया है।

अच्छी बारिश की वजह से राज्य के प्रमुख, मध्यम और अन्य महत्वपूर्ण बांधों में जलभराव की स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर है। कुल 46 महत्वपूर्ण जलाशयों की कुल 6360.23 मिलियन घन मीटर क्षमता के मुकाबले 4334.49 मिलियन घन मीटर पानी उपलब्ध है। यह कुल क्षमता का 68.15 प्रतिशत है। पिछले वर्ष इसी अवधि में जलभराव 42.48 प्रतिशत था। बांधों के कैचमेंट एरिया से आ रहे पानी की मात्रा को देखते हुए केलो के चार गेट और घुनघुट्टा बांध सहित आधा दर्जन बांधों से से नहरों के माध्मम से पानी छोड़ा जा रहा है। जलसंसाधन ▶▶|शेष पेज 7 पर

रपटा, पुलिया व सड़कें बहीं, कई गांवों से संपर्क टूटा

अम्बिकापुर। पिछले तीन-चार दिनों से सरगुजा में हो रही भारी बारिश से कई गांवों की सड़कें टूटने व रपटा बहने की खबरें आ रही है। कई गांवों का मुख्यालयों से संपर्क टूट गया है। संभाग मुख्यालय अम्बिकापुर से रामानुजगंज बलरामपुर जिले का सफर काफी मुश्किल भरा हो गया है। निर्माणाधीन अधूरी एनएच सड़क ने लोगों के सफर को मुसीबत में डाल दिया है। लगातार हो रही बारिश से सरगुजा-सूरजपुर-बलरामपुर रामानुजगंज जिले की कई सड़के व उन पर रपटे तथा पुल-पुलियों के टूटने की खबरे सामने आईं। ▶▶|शेष पेज 7 पर

69 प्रतिशत बोनी हो चुकी पूरी

प्रदेश में मानसून के दस्तक के साथ ही खेती किसानी का कार्य जोरों पर हैं। राज्य के 33.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्रों में लक्ष्य का 69 प्रतिशत बोनी हो चुकी है। खरीफ सीजन में 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विभिन्न फसलों जैसे धान, मक्का, कोदो, कुटकी, अरहर, मूंग, मूंगफली, रामतिल आदि की बोनी हो चुकी है।

खारंग, मनियारी, घोंघा और खपरी हुए लबालब

बिलासपुर संभाग में इस बार सबसे अधिक बारिश का असर देखने को मिल रहा है। यहां की खारंग, मनियारी, घोंघा बांध लबालब हो चुके हैं। वहीं दुर्ग का खपरी बांध लबालब हो गया है। मिनिमाता बांगो में 77.32, छिरपानी 79.64, सुतियापाट 79.82, श्याम 96.94, सोंढूर 68.22, सिकासार (गरियाबंद) 74.06, दूधावा 74.07, कोडार में 63.79 प्रतिशत जल भराव है। सबसे कम जलभराव मयाना में 6.79 प्रतिशत और अरपा भैंसाझार में 34.01 प्रतिशत दर्ज किया गया है।

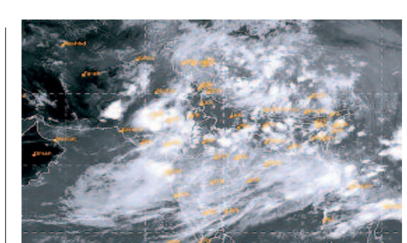

भारत से दक्षिण-कोरिया तक बादलों का डेरा

नई सैटेलाइट इमेज में भारत के हिमालय से दक्षिण कोरिया तक 7 से 10 हजार किलोमीटर लंबी बादलों की बेल्ट दिखाई दे रही है। इससे पूरे देश में भारी बारिश हो रही है। इसी वजह से देश में पिछले 2 दिनों में नॉर्मल से 170-180% बारिश हुई है। इसे मानसून कन्वर्जेंस जोन कहा जाता है। यह तब बनी जब हिंद महासागर से आई नमी भरी हवाएं एशिया की तरफ आईं। इस वजह से मध्य प्रदेश, राजस्थान, यूपी, पंजाब, बिहार, छत्तीसगढ़ और गुजरात में लगातार 60 घंटे से बारिश हो रही है।

मध्य-उत्तर छत्तीसगढ़ में भारी बारिश

छत्तीसगढ़ के मध्य और उत्तर हिस्से के कई जिलों में आज भी भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक पूरे प्रदेश में मानसून सक्रिय रहेगा। पिछले 24 घंटे के दौरान सरगुजा, बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग संभाग के कई इलाकों में भारी बारिश दर्ज लगातार बारिश से सूरजपुर के बिहारपुर क्षेत्र में बरगा नदी उफान पर है।

सेंट्रल एवेन्यू मार्ग पर हुआ भीषण हादसा, कार के उड़े परखच्चे

पेड़ से भिड़ी कार, दो युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

इस्पात नगरी भिलाई में गुरुवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। सेंट्रल एवेन्यू मार्ग पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार दुर्घटना सुबह लगभग 4 बजे गुंडिचा मंडप के सामने सेक्टर-9 से सेक्टर-6 की ओर जाने वाले मार्ग पर हुई। कार क्रमांक सीजी 07 एम 5986 तेज गति से जा रही थी। बताया जा रहा है कि चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया, जिसके बाद कार सीधे सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी। हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह ▶▶|शेष पेज 7 पर

बिजली खंभे से टकराई कार इंजीनियरिंग छात्रा की मौत

बालोद। चौथिया कार्यक्रम से लौट रहे परिवार की कार अनियंत्रित होकर बिजली खंभे से जा टकराई, जिसमें सवार छः लोगों में से एक युवती की मौके पर मौत हो गई व अन्य पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका इलाज अस्पताल में जारी है। डौंडी नगर के ▶▶|शेष पेज 7 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA sky चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पासपोर्ट पुस्तिका को मशीन पठनीय बनाया गया

नई दिल्ली। सरकार ने राज्यसभा में कहा कि पासपोर्ट पुस्तिका को क्रमिक रूप से 'आईसीएओ' के अनुरूप मशीन पठनीय बनाया गया है और मानकीकृत पाठ को अपनाया गया है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तवर्धन सिंह ने माकपा सदस्य जॉन ब्रिटास के एक सवाल के जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। ब्रिटास ने सवाल किया था, क्या पूर्व में जारी भारतीय पासपोर्टों पर स्पष्ट रूप से भारत का नागरिक लिखा होता था।

सोनम की जमानत रद्द करना होगा सरेंडर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2025 में हनीमून के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या करने की आरोपी सोनम रघुवंशी को दी गई जमानत बृहस्पतिवार को रद्द कर दी और तीन सप्ताह के भीतर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले की पीठ ने सोनम को जमानत दिए जाने के खिलाफ मेघालय सरकार की याचिका स्वीकार कर ली।

वैभव का विश्व कीर्तिमान

टी-20आई में सबसे कम उम्र में अर्द्धशतक जड़ने वाले बने दुनिया के पहले बल्लेबाज

हरारे। भारत के जिम्बाब्वे दौरे 2026 के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में हरारे स्पोर्ट्स क्लब एक ऐसे ही ऐतिहासिक पल का गवाह बना। महज 15 साल और 118 दिन की उम्र में भारतीय युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने केवल 19 गेंदों में तूफानी अर्द्धशतक जमाकर अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट इतिहास का सबसे कम उम्र में पचासा जड़ने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वैभव की पारी ने अंतरराष्ट्रीय टी20 में अब तक के सभी रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर दिया।

'जगन्नाथ धाम' नाम का नहीं हो सकेगा कमर्शियल इस्तेमाल

एजेंसी ▶▶| भुवनेश्वर

- पुरी के जगन्नाथ मंदिर को पांच और पवित्र शब्दों के लिए ट्रेडमार्क

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने पुरी मंदिर से जुड़े पांच और नामों के लिए ट्रेडमार्क सुरक्षा हासिल कर ली है, जिनमें 'जगन्नाथ धाम' भी शामिल है।पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर कार्यालय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि एसजेटीए ने 12वीं सदी के इस मंदिर की पहचान और विरासत को बचाने की कोशिशों में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। इसमें कहा गया है कि ट्रेड मार्क्स रजिस्ट्री द्वारा जांच के दूसरे दौर के बाद, आने वाले ट्रेड मार्क्स जर्नल में प्रकाशन के लिए पांच और ट्रेडमार्क आवेदन स्वीकार किए गए हैं। ये पंजीकरण महाप्रभु पवित्र परंपराओं से जुड़े नामों और पहचान की सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

ये शब्द

- जगन्नाथ धाम
- श्रीक्षेत्र
- महाप्रसाद
- नीलचक्र
- कोइली वैकुंठ

सीबीआई की सफाई, नहीं मिला था कोई सबूत

नीट पेपर लीक के 'मास्टरमाइंड' संजीव को क्लीन चिट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट - यूजी) 2024 के प्रश्नपत्र चोरी मामले में सीबीआई ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि विस्तृत और वैज्ञानिक जांच के दौरान संजीव कुमार उर्फ संजीव मुखिया की इस मामले में संलिप्तता का कोई प्रमाण नहीं मिला। जांच एजेंसी ने कहा कि इस संबंध में स्थिति वर्ष 2024 में ही स्पष्ट कर दी गई थी और अब उनके नाम को जानबूझकर छोड़े जाने का जो दावा किया जा रहा है, वह तथ्यात्मक रूप से गलत है। विदित हो छात्र आंदोलन के क्रम में सोशल मीडिया में गुरुवार को ये विषय जमकर वायरल हुआ कि मुखिया के खिलाफ सीबीआई द्वारा तीन महीने के अंदर आरोप पत्र दाखिल नहीं करने ▶▶|शेष पेज 7 पर

चार्जशीट में संजीव मुखिया का नाम नहीं

सीबीआई ने पटना की अदालत में 45 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। उसमें संजीव मुखिया का नाम नहीं था। एजेंसी के अनुसार, उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला, इसलिए उसे कोर्ट से जमानत मिल गई। हालांकि, सीबीआई केस से जमानत मिलने के बाद भी वह जेल में रहा, क्योंकि बिहार में वह अन्य पेपर लीक के मामलों में भी आरोपी है। सीबीआई के अनुसार नीट पेपर लीक 2024 के मामले की जांच लगभग पूरी हो चुकी है।

नीट पेपर लीक 2024 मामला

बता दें कि मई 2024 में मेडिकल एंट्रेंस टेस्ट नीट यूजी की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था। पटना के एक स्कूल हॉस्टल में कई अभ्यर्थियों के पास परीक्षा से पहले ही पेपर पहुंच गया था। बिहार पुलिस ने इस मामले में कई अभ्यर्थियों और पेपर लीक गिरोह के सदस्यों को पकड़ा था। उस समय संजीव मुखिया का नाम मास्टरमाइंड के तौर पर सामने आया था। जांच में पता चला कि इसके पीछे एक बड़े गिरोह का हाथ है। झारखंड के हजारीबाग में एक सेंटर से पेपर को लीक किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षा रद्द करने से किया था इनकार

पेपर लीक का मामला सामने आने के बाद देश भर में इस परीक्षा को रद्द कर पुनः आयोजित करने की मांग की गई। हालांकि, सरकार ने इससे इनकार कर दिया था। बाद में यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया कि पेपर लीक व्यापक पैमाने पर ना होकर केवल कुछ स्थानीय केंद्रों तक सीमित था, इसलिए पूरी परीक्षा को रद्द करना सही नहीं है।

बुजुर्ग व असाध्य रोगी कैदियों की समयपूर्व रिहाई के लिए 3 माह में नीति बनाएं राज्य

ऐसे मामलों के निस्तारण के लिए एक समान व्यवस्था लागू करने का भी निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे तीन महीने के भीतर बुजुर्ग और असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों की समयपूर्व या समय से पहले रिहाई के लिए स्पष्ट नीति तैयार कर उसे अधिसूचित करें। अदालत ने ऐसे मामलों के निस्तारण के लिए तकनीक आधारित एक समान व्यवस्था लागू करने का भी निर्देश दिया।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचिका में 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग, गंभीर रूप से बीमार, अशक्त और असाध्य रोगों से पीड़ित कैदियों की मानवीय आधार पर रिहाई के लिए पूरे देश में एक समान दिशा-निर्देश बनाने की मांग की गई। मामले की अगली सुनवाई 19 जनवरी 2027 को होगी, जब सुप्रीम कोर्ट अनुपालन रिपोर्टों पर विचार करेगा। याचिका में कहा गया कि जेलों में बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार कैदियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं के अभाव के बावजूद ऐसे कई कैदी जेल में बंद हैं, जिससे संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत प्राप्त समानता और जीवन के अधिकार का उल्लंघन होता है। यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के भी विपरीत है।

मेडिकल व व्यक्तिगत जानकारी गोपनीय रखी जाए : अदालत ने यह भी कहा कि पोर्टल में समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए स्वतः चेतावनी और समय-सीमा की निगरानी की व्यवस्था हो। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस दौरान कैदियों की मेडिकल और व्यक्तिगत जानकारी की गोपनीयता पूरी तरह सुरक्षित रखी जाए।

पूरी प्रक्रिया ई-प्रिजन्स पोर्टल में दर्ज की जाएगी सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि समयपूर्व रिहाई से संबंधित सभी आवेदन ई-प्रिजन्स पोर्टल के माध्यम से ही संसाधित किए जाएं। इस पोर्टल पर आवेदन दाखिल होने से लेकर मेडिकल जांच, जेल अधिकारियों की रिपोर्ट, मेडिकल बोर्ड और विचाराधीन कैदी समीक्षा समिति की सिफारिश, सक्षम प्राधिकारी के अंतिम निर्णय तथा उसके कारणों तक की पूरी प्रक्रिया दर्ज की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने संबंधितों को दिए निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को विधि एवं न्याय मंत्रालय, गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के माध्यम से राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तकनीकी सहायता, डिजिटल ढांचा, सॉफ्टवेयर सहयोग और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र को ई-प्रिजन्स पोर्टल को उन्नत और सुव्यवस्थित करने का भी आदेश दिया, ताकि पूरे देश में एक समान डिजिटल प्रणाली के जरिए ऐसे मामलों की निगरानी और निस्तारण हो सके।

6 माह के भीतर अनुपालन हलफनामा दाखिल करें

अदालत ने केंद्र सरकार तथा सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को छह महीने के भीतर अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। इसमें अदालत के आदेशों के पालन के लिए उठाए गए कदम, नई नीति की स्थिति, रिहाई के लिए चिन्हित कैदियों का विवरण तथा विचाराधीन मामलों की जानकारी देनी होगी।

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति मुर्मू राजकीय यात्रा पर रोमानिया पहुंचीं

बुखारेस्ट। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन यूरोपीय देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में रोमानिया पहुंचीं। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य व्यापार, पर्यटन और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में

दोनों देशों के बीच सहयोग का विस्तार करना है। यह पिछले तीन दशकों से भी अधिक समय में किसी भारतीय राष्ट्रपति की रोमानिया की पहली यात्रा है। हवाई अड्डे पर रोमानिया की विदेश मंत्री ओआना-सिल्विया ओयू ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।''अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन, कार्यवाहक प्रधानमंत्री इली बोलोजान और सीनेट के अध्यक्ष एम. अब्रुडेआन से मुलाकात करेंगी। वह रोमानिया में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों से भी बातचीत करेंगी।

बच्चे की हत्या के दोषी को फांसी की सजा

बहराइच। बहराइच की विशेष 'पॉक्सो' अदालत ने कुकर्म के बाद गला रेतकर सात वर्षीय बालक की हत्या करने के मामले में एक

आरोपी को दोषी ठहराते हुए उसे फांसी की सजा सुनायी। विशेष जिला शासकीय अधिवक्ता (पाक्सो एक्ट) संत प्रताप सिंह ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) अरबिंद कुमार गौतम ने दोषी मुकेश निषाद (21) को फांसी देने के साथ साथ उस पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

अमेरिका ने लगातार 12वीं रात भी ईरान पर जारी रखी सैन्य कार्रवाई

ईरान ने दी अमेरिका को गहरी चोट! कुवैत व जॉर्डन में सैन्य ढांचे को किया तहस-नहस

एजेंसी ▶▶| तेहरान

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स और ईरानी सेना ने गुरुवार को कुवैत और जॉर्डन में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले करने का दावा किया है। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई अमेरिका द्वारा उसके खिलाफ लगातार किए जा रहे हमलों के जवाब में की गई। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। ईरान की सरकारी मीडिया इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक, ईरानी सेना ने बयान जारी कर कहा कि जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर तेज हमले कर अमेरिकी थाड मिसाइल डिफेंस सिस्टम के रडार को नष्ट कर दिया गया है। बता दें कि ईरान ने लगातार कहा है कि वह अमेरिकी हमलों का जवाब देता रहेगा।

आईआरजीसी ने पैट्रियट, थाड रडार और एमक्यू-9 ड्रोन के हैंगर नष्ट करने की बात कही

लगातार बढ़ते हमलों से पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान तनाव और गहराया

अमेरिका की रक्षा प्रणाली को किया ध्वस्त

आईआरजीसी ने दावा किया कि हमलों में पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली, सी-रैम रडार भी नष्ट कर दिए गए। इसके अलावा अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मौजूद ईंधन टैंकों में आग लगा दी गई। ईरानी सेना का यह भी दावा है कि हेलीकॉप्टर उपकरणों का बड़ा गोदाम और हेलीकॉप्टरों की मरम्मत एवं रखरखाव केंद्र भी हमलों में क्षतिग्रस्त होकर नष्ट हो गए। हमले के बाद जॉर्डन की जनता को किया संबोधित जॉर्डन की जनता को संबोधित करते हुए आईआरजीसी ने कहा कि ईरान जॉर्डन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करता है, लेकिन उसके अनुसार अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मौजूदगी ही जॉर्डन की संप्रभुता का उल्लंघन है।

'कुवैत में 3 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया'

दूसरी ओर, ईरानी सेना ने 'ऑपरेशन लाइटनिंग' के 23वें फेज का ऐलान करते हुए दावा किया कि उसने ड्रोन हमलों के जरिए कुवैत में स्थित अमेरिका के 3 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरानी सेना के जनसंपर्क विभाग के मुताबिक, ड्रोन हमलों में दोहा बेस पर मौजूद गोला-बारूद और लॉजिस्टिक्स डिपो, अली अल सलेम बेस के ईंधन टैंक और अरिफजान कैंप के गोला-बारूद डिपो को निशाना बनाया गया।

एक पुल या पावर प्लांट उड़ा देंगे : ट्रंप ने दी धमकी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कड़ा रुख अपनाते हुए ईरान को खुली धमकी दी है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान ने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में किसी जहाज पर मिसाइल, रॉकेट, ड्रोन या किसी अन्य हथियार से हमला किया, तो अमेरिका ऐसी हर घटना के जवाब में अमेरिका ईरान के एक पुल या पावर प्लांट को बमबारी से तबाह करेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निशाने पर तेहरान के अंदर या उसके आसपास का इंफ्रास्ट्रक्चर भी हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में खुली धमकी दी है।

'हमने कुवैत की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं किया'

कुवैत के लोगों को संबोधित करते हुए आईआरजीसी ने कहा कि उसके हमले कुवैत की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं हैं, क्योंकि कार्रवाई केवल अमेरिकी सैन्य ठिकानों के खिलाफ की गई है। बयान में कहा गया आपकी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का उल्लंघन अमेरिका ने किया है, हमने नहीं। हम उन क्षेत्रों पर हमला कर रहे हैं जहां अमेरिकी सेना मौजूद है, जो अपराध के अलावा कुछ नहीं जानती।' बता दें कि यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी कि ने बुधवार को बताया कि उसने ईरान के खिलाफ लगातार 12वीं रात भी सैन्य कार्रवाई पूरी की है। सेंटकॉम ने अपने बयान में कहा इन हमलों में ईरान की समुद्री सैन्य क्षमता, मिसाइल और ड्रोन भंडारण केंद्र, तटीय निगरानी ठिकाने और वायु रक्षा प्रणालियों को निशाना बनाया गया।

सीजेआई सूर्यकांत बोले

सोशल मीडिया पर लोकप्रियता का मतलब विश्वसनीयता नहीं

सीजेआई ने नए एओआर को दी समझाइश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने नए बने 'एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड' से कहा कि वे सोशल मीडिया पर दिखने के बजाय अपने काम की गुणवत्ता के जरिए अपना करियर बनाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि लंबे समय तक बनी रहने वाली विश्वसनीयता कोर्ट रूम में तैयारी, नैतिकता और कड़ी मेहनत से ही हासिल होती है। सीजेआई ने 'एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड' के 2025 बैच के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए नए वकीलों को बधाई दी।

'काम की क्वालिटी से बनता है करियर'

उन्होंने कहा कि वे एक ऐसे समूह का हिस्सा बन रहे हैं जिसने दशकों से वकालत और न्याय व्यवस्था की सर्वोच्च परंपराओं को बनाए रखने में सुप्रीम कोर्ट की मदद की है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, टाइटल से भले ही कोई दरवाजा खुल जाए लेकिन उससे करियर नहीं बनता। करियर तो आपके काम की क्वालिटी से बनता है।/" उन्होंने आगे कहा कि वकीलों को ऐसी पहचान बनानी चाहिए कि जब भी किसी केस फाइल में उनका नाम आए तो यह माना जाए कि वे पूरी तैयारी के साथ आए हैं।

असली सम्मान की बताई गाइड लाइन

सीजेआई ने कहा कि असली सम्मान वही है जो आप कोर्टरूम में और अपने साथियों, क्लाइंट्स और बार (वकीलों के संगठन) के बीच कमाते हैं। दशकों तक चलने वाले कानूनी करियर को असल में वही चीज बनाए रखती है, जो गंभीर और बिना किसी दिखावे वाली कड़ी मेहनत होती है। ऐसी मेहनत जो चैंबर में की जाती है न कि सोशल मीडिया के कमेंट सेक्शन में।

'ऑनलाइन लोकप्रियता से न आंके अपनी सफलता'

सीजेआई ने युवा वकीलों को ऑनलाइन लोकप्रियता और पेशेवर सफलता को एक ही मानने की गलती न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, "आजकल मैं देखता हूं कि लोगों की नजर में आना और मशहूर होना बहुत आसान हो गया है। सोशल मीडिया के जरिए ऐसा आसानी से किया जा सकता है लेकिन याद रखें कि ऐसी लोकप्रियता का मतलब विश्वसनीयता नहीं होता। अपनी सफलता को ऑनलाइन लोकप्रियता से नापने की गलती न करें। आपको किसी टीवी चैनल की तरह काम नहीं करना है जिसे हमेशा अपनी टीआरपी की चिंता रहती है।"

बलूचिस्तान में हुए हमले में न्यायाधीश व सुरक्षाकर्मी की मौत

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग इलाके में बृहस्पतिवार को अज्ञात हमलावरों ने एक काफिले पर हमला कर दिया, जिसमें एक न्यायाधीश की मौत हो गई और एक अन्य न्यायाधीश घायल हो गए। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अब्दुल हकीम काकड़ और उनके सुरक्षाकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि न्यायाधीश काकड़ और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश तारिक लशारी, अदालती सुनवाई के लिए बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा से मस्तुंग जा रहे थे, तभी उनके वाहनों पर हमला किया गया।

कांस्टेबल आशिक हुसैन के हत्या के आरोपियों के घर ढहाए

आतंकियों की पहचान की गई

आतंकियों की पहचान बिजबेहारा के गुरी निवासी आदिल ठोकर और हसनपोरा निवासी हारून गनई के रूप में हुई है। आतंकियों ने अनंतनाग में पुलिसकर्मी आशिक हुसैन कुरैशी को बहुत करीब से निशाना बनाया।

एजेंसी ▶▶| जम्मू

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में प्रशासन ने बुधवार देर रात बड़ी कार्रवाई की। हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन की हत्या के आरोपी लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों के मकान ढहा दिए गए हैं। गुरुवार को अधिकारियों ने देर रात चले इस ऑपरेशन की जानकारी दी। स्थानीय प्रशासन ने पुलिसकर्मी की हत्या की सजा के तौर पर आरोपियों के मकान को ढहा दिया। आशिक हुसैन कुरैशी अपने पीछे पत्नी और तीन बच्चों को छोड़ गए हैं। मकान ढहाने की कार्रवाई का मकसद पूरे इलाके में आतंकी नेटवर्क को खत्म करना और उग्रवादियों के इस्तेमाल किए जाने वाले लॉजिस्टिकल सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को नष्ट करना है।

राजस्थान के बाड़मेर का मामला

डॉक्टर को फंसाकर 2 करोड़ की उगाही में नर्स गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| बाड़मेर

राजस्थान के बाड़मेर में एक नर्स कमला को गिरफ्तार किया गया है। उस पर 65 साल के एक डॉक्टर को

ब्लैकमेल करने और कई सालों में उनसे करीब 2 करोड़ रुपये वसूलने का आरोप लगा है। डॉक्टर ने बताया कि कमला ने उनके निजी कमरे में चुपके से उनकी तस्वीरें ले ली थीं। इसके बाद, वह उन्हें धमकाने लगी कि अगर उन्होंने पैसे नहीं दिए तो वह इन तस्वीरों को सार्वजनिक कर देगी, या उन पर बलात्कार का झूठा आरोप लगाएगी, या फिर उन्हें नुकसान भी पहुंचा सकती है। यह मामला 2016 का है, जब कमला रात की ड्यूटी वाली नर्स थी। इसी वजह से उसे डॉक्टर के निजी कमरे तक आसानी से पहुंच मिल गई थी।

17 हजार रुपए नगद मिले

इतना ही नहीं, पुलिस ने बताया कि कमला एक दूसरे फोन से डॉक्टर की हर हलचल पर नजर रखती थी और अस्पताल के सीसीटीवी कैमरों का भी इस्तेमाल करती थी। जब उसे गिरफ्तार किया गया, तो पुलिस ने उसके पास से 17,000 रुपये बरामद किए। हालांकि, कमला ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से साफ इनकार किया है। पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

सुबह 13 अतिथि शिक्षक पदाधिकारी हिरासत में, शाम को आंदोलन समाप्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

23 दिन से दुर्ग शिक्षा विभाग के सामने आंदोलनरत अतिथि शिक्षकों का आंदोलन नाटकीय घटनाक्रम के बाद और शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया है। दरअसल प्रशासन ने जेआरडी स्कूल की पढ़ाई प्रभावित होने की वजह से आंदोलनरत शिक्षकों को अल्टीमेटम दिया था कि वे गुरुवार को न बैठे। वहीं शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने दो दिन पहले ही आश्वासन दिया था कि उनकी मांगों को वे सरकार के समक्ष रखेंगे। संघ के पदाधिकारी रायपुर चले गए और बुधवार की देर रात लौटे। पुलिस ने तीन पदाधिकारी राज यादव, धर्मेंद्र वैष्णव और अविनाथ मिश्रा को भिलाई के होटल से हिरासत में ले लिया। वें यहां बाहर से आकर आंदोलन को रूप दे रहे थे। महिला पदाधिकारियों ने उनके निवास से पुलिस पकड़ कर ले आई और उन्हे सेंट्रल जेल में बिठा दिया। जब शिक्षकों को इसकी जानकारी हुई तो वे आंदोलन स्थल पहुंचे और हड़ताल पर बैठ गए। पुलिस ने यहां से पंडाल बुधवार की रात को ही हटा लिया था। शाम 5 बजे आंदोलन का नेतृत्व करने वाले 13 पदाधिकारियों को रिहा किया गया।

निलंबित करने डीपीआई ने जारी किया आदेश

अतिथि शिक्षकों को निलंबित करने के लिए डीपीआई ने आदेश भी जारी कर दिया। आदेश में शिक्षकों को अपने स्कूलों में पहले 22 जुलाई तक ज्वाइनिंग करने कहा गया था लेकिन आंदोलन जारी रहा। उसके बाद नए आदेश में 27 जुलाई तक ज्वाइनिंग नहीं करने पर निलंबित करने का आदेश जारी किया गया है।

प्रधानमंत्री ने निर्णय लिया है कि छात्रों का हित सर्वोपरि है व उनके नुकसान की भरपाई भी होगी

कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं की घुसपैठ कराकर छात्र आंदोलन का स्वरूप ही बदल दिया: किरण देव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने छात्रों के आंदोलन में अपने कार्यकर्ताओं की घुसपैठ करा कर छात्रों के आंदोलन का स्वरूप ही बदल दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विषय को पहले दिन से ही गंभीरता से लेकर यह निर्णय किया है कि छात्रों का हित सर्वोपरि है व उनके नुकसान की भरपाई भी होगी। श्री देव ने कहा, कांग्रेस के नेताओं का भाषण हमेशा प्रधानमंत्री श्री मोदी के विरोध में होता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के लिए कांग्रेसी नेताओं ने भाषणों में अभद्र शब्दों का प्रयोग किया है। यह लोकतांत्रिक पद्धति नहीं है। प्रजातंत्र में यह स्वीकार्य नहीं है। संवैधानिक पद पर बैठे प्रधानमंत्री के लिए गालियों का प्रयोग करना यह हमारे देश के संस्कार नहीं हैं। यह हमारी संस्कृति और सभ्यता नहीं है। श्री देव ने कहा, केन्द्र सरकार सदन में छात्रों के हितों को लेकर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन कांग्रेस पार्टी और उसके नेता सदन में चर्चा करने से भाग रहे हैं। सदन की कार्यवाही को बार-बार बाधित करने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी सदन में चर्चा नहीं करना चाहती और इन्हीं के घटक दल समाजवादी पार्टी के नेता कहते हैं कि उनकी वह जानें, हमको तो चर्चा करनी है। यह समझ से परे हैं।

श्री देव ने कहा, राहुल गांधी हाथ में संविधान की किताब लेकर घूमते हुए लोगों को दिग्भ्रमित कर रहे हैं। संविधान खतरे में है कहकर संविधान को खतरे में डालने का काम कांग्रेस पार्टी ने किया है। प्रधानमंत्री आवास के सामने बिना किसी पूर्व सूचना के अपनी आन्तरिक योजना के आधार पर अपने कांग्रेसी साथियों के साथ वहां पर धरने पर बैठ गए, जबकि वह पूरा क्षेत्र संवेदनशील क्षेत्र है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर एफआईआर, बैज का आरोप- पुलिस बनी भाजपा की अनुषांगिक संगठन

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, कल राज्य सरकार के मंत्रियों ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस के मुख्यालय राजीव भवन में हमला बोला। हमले के बाद पुलिस ने शाम को हमारे कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज की है। वाटर कैनन, आंसू गैस, पत्थर और डंडे से प्रहार भी हम पर और एफआईआर भी हम पर।

घटना के जितने भी वीडियों हैं, वह बता रहे कि सारे आक्रमण, पत्थर आदि भाजपा की तरफ से कांग्रेस की तरफ आ रहे थे। पुलिस ने एक तरफा कार्रवाई क्यों की? मंत्रियों और भाजपा कार्यकर्ता हमारे कार्यालय आये थे, हम पर हमला हुआ और हमारे खिलाफ एफआईआर दर्ज किया जाना बताता है कि पुलिस भाजपा की अनुषांगिक संगठन बन गयी है। उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन के घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा, भाजपा मंत्रिमंडल के सदस्य कांग्रेस कार्यालय का घेराव करने पहुंचे थे, जो घेराव नहीं बल्कि हमला था। पुलिस ने वाटर कैनन और आँसू गैस कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर छोड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने चप्पल, जूते, पानी के पाउच, बोतल, नारियल और पुलिस की लाठी छीनकर कांग्रेसियों पर फेंका, लेकिन पुलिस ने अपने भवन की रक्षा के लिए बैठे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर ही एफआईआर दर्ज कर दी। दीपक बैज ने सरकार से सीधा सवाल किया कि आखिर यह एकतरफा कार्रवाई क्यों की जा रही है? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पूरी तरह से गलत और द्वेषपूर्ण कार्रवाई कर रही है, जहां हमला करने वालों के बजाय अपने कार्यालय का बचाव कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ही निशाना बनाया जा रहा है।

बड़ा प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

दीपक बैज ने आरोप लगाया कि शासन और प्रशासन ने मिलकर कल का पूरा षड्यंत्र रचा था। उन्होंने कहा, गलत तरीके से बदले की भावना से दबाव डालकर हमारे कार्यकर्ताओं पर एफआईआर दर्ज की गई है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने मांग की कि इस मामले में दोषी मंत्रियों, भाजपा अध्यक्ष और उपद्रवी कार्यकर्ताओं पर भी तुरंत एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि पुलिस की इस एकतरफा और षड्यंत्रकारी कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस आने वाले दिनों में बड़ा प्रदर्शन करेगी।

पुलिस संरक्षण में भाजपा सरकार ने किया हमला, कुछ ही महीनों की मेहमान : भूपेश

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पुलिस और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर सुनियोजित हमला किया गया। उसके बाद एफआईआर भी उन्हीं के खिलाफ दर्ज कर दी गई। साथ ही उन्होंने पुलिस अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा, भाजपा सरकार कुछ ही महीनों की मेहमान है। भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा, भाजपा ने कांग्रेस कार्यालय के घेराव के नाम पर हमला किया। आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के मंत्री भी लोकतांत्रिक और संवैधानिक मर्यादाओं को दरकिनार कर प्रदर्शन में शामिल हुए। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस मुख्यालय और पार्टी कार्यकर्ताओं पर पत्थर फेंके, जबकि पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पानी की बौछारें छोड़ीं। श्री बघेल ने पुलिस अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा, भाजपा सरकार ज्यादा दिनों की मेहमान नहीं है। पुलिस अधिकारी अपने आचरण का ध्यान रखें।

चिंतन

पीएम की फास्ट ट्रैक कोर्ट की घोषणा सकारात्मक पहल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीट पेपर लीक के आरोपियों के खिलाफ त्वरित सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स बनाए जाने और दोषी पाए जाने पर सख्त सजा देने की घोषणा करके संदेश दिया है कि सरकार परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने और छात्रों हितों के प्रति गंभीर है। इसके अलावा केंद्र सरकार ने गतिरोध तोड़ने के लिए प्रदर्शनकारी छात्रों को चार बार वार्ता का न्योता भेजा है। हालांकि प्रदर्शनकारियों की मांग है कि वे केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के कार्यालय या आवास पर वार्ता के लिए नहीं जाएंगे। वे जंतर-मंतर पर ही मंत्री के साथ वार्ता करेंगे। मौके की नजाकत को देखते हुए छात्रों को भी नरम रुख अपनाते हुए वार्ता के प्रस्ताव को स्वीकार कर आगे बढ़ना चाहिए। यदि दोनों पक्ष सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे आएं तो सभी मुद्दों का समाधान निकल सकता है। सामान्य न्यायिक प्रक्रिया में ऐसे मामलों का वर्षों तक लंबित रहना न केवल न्याय में देरी का कारण बनता है, बल्कि अपराधियों के मनोबल को भी बढ़ाता है। यदि विशेष अदालतों के माध्यम से समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित होती है और दोषियों को कठोर दंड मिलता है तो यह भविष्य में ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाने में प्रभावी साबित हो सकता है। साथ ही परीक्षा माफिया और संगठित गिरोहों को स्पष्ट संदेश जाएगा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने की कोई भी कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हालांकि केवल सजा की व्यवस्था ही पर्याप्त नहीं होगी। परीक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित बनाना, प्रश्नपत्रों के वितरण की निगरानी मजबूत करना और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करना भी उतना ही आवश्यक है। दूसरी ओर, आंदोलन कर रहे छात्रों की चिंताओं को भी गंभीरता से समझना होगा। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। यदि छात्र अपनी मेहनत और भविष्य को लेकर सड़क पर उतरते हैं तो उनकी बात सुनी जानी चाहिए। सरकार द्वारा कई बार वार्ता का प्रस्ताव दिया जाना सकारात्मक संकेत है। अब छात्रों को भी संवाद का अवसर गंवाना नहीं चाहिए। बातचीत किसी भी विवाद का सबसे प्रभावी और लोकतांत्रिक माध्यम है। यदि वार्ता होती है तो केवल तत्काल मांगों पर ही नहीं, बल्कि भविष्य में परीक्षा सुधारों पर भी ठोस सहमति बन सकती है। इसके साथ ही आंदोलन को उसकी मूल भावना तक सीमित रखना भी आवश्यक है। किसी भी जन आंदोलन में समय के साथ विभिन्न राजनीतिक या अन्य हित समूह सक्रिय होने का प्रयास करते हैं। यदि आंदोलन का उद्देश्य छात्रों के अधिकार और परीक्षा सुधार हैं तो उसे उसी दिशा में केंद्रित रहना चाहिए। हिंसा, टकराव या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसी घटनाएं आंदोलन की नैतिक शक्ति को कमजोर करती हैं और वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। पुलिसकर्मियों पर हमले या कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाली घटनाएं किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन की भावना के अनुरूप नहीं कही जा सकतीं। यदि कहीं ऐसे तत्व सक्रिय हैं जो आंदोलन को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं, तो छात्रों को स्वयं उनसे दूरी बनानी चाहिए। वहीं, विपक्ष को भी इस मुद्दे पर केवल राजनीतिक लाभ-हानि के बजाय रचनात्मक सुझाव देने चाहिए। युवाओं का भविष्य किसी भी दलगत राजनीति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। कुल मिलाकर यह समय टकराव का नहीं, बल्कि विश्वास बहाली का है। फास्ट ट्रैक कोर्ट की घोषणा एक सकारात्मक पहल है, लेकिन इसकी सफलता प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी।

मुद्दा
राज कुमार सिन्हा

परीक्षा व्यवस्था और लोकतांत्रिक टकराव

बार-बार परीक्षाओं के निरस्त होने, नियुक्तियों में देरी और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर उठते सवालों ने लाखों युवाओं के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है। हर रद्द हुई परीक्षा और हर प्रश्नपत्र लीक के पीछे वर्षों की मेहनत, परिवारों का आर्थिक निवेश, मानसिक तनाव और टूटते सपने जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि यह आंदोलन केवल परीक्षा सुधार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि युवाओं के रोजगार, महंगाई और भविष्य की सुरक्षा जैसे व्यापक प्रश्नों से भी जुड़ गया है। परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर आमरण अनशन कर रहे पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा अस्पताल ले जाने के बाद आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जनसमर्थन मिला।

भारत में शिक्षा और सार्वजनिक भर्ती परीक्षा प्रणाली को लेकर उपजा असंतोष अब एक व्यापक सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन का रूप ले चुका है। पिछले लगभग एक महीने से हजारों छात्र-छात्राएं और युवा शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे हैं। उनकी प्रमुख मांग है कि शिक्षा व्यवस्था और सार्वजनिक भर्ती एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली में गहराते संकट के लिए जवाबदेही तय की जाए तथा परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बहाल की जाए। पिछले एक दशक में देशभर में केंद्रीय और राज्य स्तरीय परीक्षाओं के 90 से अधिक पेपर लीक होने के मामले सामने आए हैं, जिनसे लगभग 7.5 करोड़ अभ्यर्थी प्रभावित हुए हैं। इनमें नीट-यूजी, यूजीसी-नेट, एसएससी तथा विभिन्न राज्यों की पुलिस और शिक्षक भर्ती परीक्षाएं शामिल हैं। भारत की 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग की लगभग 34.5 से 37.1 करोड़ युवा आबादी, जो देश की कुल जनसंख्या का लगभग 27 प्रतिशत है, इस व्यवस्था से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ी हुई है।

बार-बार परीक्षाओं के निरस्त होने, नियुक्तियों में देरी और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर उठते सवालों ने लाखों युवाओं के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है। हर रद्द हुई परीक्षा और हर प्रश्नपत्र लीक के पीछे वर्षों की मेहनत, परिवारों का आर्थिक निवेश, मानसिक तनाव और टूटते सपने जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि यह आंदोलन केवल परीक्षा सुधार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि युवाओं के रोजगार, महंगाई और भविष्य की सुरक्षा जैसे व्यापक प्रश्नों से भी जुड़ गया है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर तीन सप्ताह से आमरण अनशन कर रहे पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक को पुलिस द्वारा अस्पताल ले जाने के बाद आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जनसमर्थन मिला। इसके बाद छात्रों ने संसद तक मार्च का आह्वान किया। दिल्ली, मुंबई, पटना, बेंगलुरु सहित अनेक शहरों में कैंडल मार्च, धरने और प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं। सिख समाज सहित अनेक सामाजिक संगठनों द्वारा प्रदर्शनकारियों के लिए भोजन की व्यवस्था की जा रही है। बड़ी संख्या में आम नागरिक भी भोजन और अन्य आवश्यक सामग्री भेजकर आंदोलन के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त कर रहे हैं। इस मानवीय सहयोग ने आंदोलन को सामाजिक संवेदना का भी स्वरूप प्रदान किया है। 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान दिल्ली पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव हुआ। पुलिस ने आंसू गैस, लाठीचार्ज तथा अन्य बल प्रयोग के माध्यम अपनाए। अनेक प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मी घायल हुए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि उनके विरुद्ध अत्यधिक बल प्रयोग किया गया, जबकि पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। आंदोलनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ सादे कपड़ों में मौजूद लोगों ने प्रदर्शनकारियों पर हिंसा की तथा बैरिकेडिंग में करंट और कीलों वाली लाठियों का प्रयोग किया गया। पुलिस पर पैलेट गन के इस्तेमाल के भी आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र जांच की मांग उठ रही है। सरकार ने जंतर-मंतर क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए, कई मेट्रो स्टेशनों को

अस्थायी रूप से बंद किया तथा पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में बदल दिया। केंद्र सरकार ने जंतर-मंतर पर जारी प्रदर्शनों को संभालने के लिए 3000 अतिरिक्त सशस्त्र पुलिसकर्मी भेजे हैं। यह कदम दिल्ली पुलिस के अनुरोध पर उठाया गया है।

राजधानी के संवेदनशील हिस्सों जंतर-मंतर से संसद भवन तक खासतौर से इसके आसपास के इलाकों को पूरी तरह से छावनी में बदल दिया गया है। जमीनी घेराबंदी के अलावा दिल्ली की सुरक्षा को आधुनिक तकनीक से पूरी तरह से लैस किया गया है। इसके बावजूद अगले दिन भी बड़ी संख्या में छात्र आंदोलन स्थल पर पहुंचे और संघर्ष जारी रखने की घोषणा की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित अनेक विपक्षी नेताओं ने प्रदर्शनकारियों के समर्थन में प्रदर्शन किया और गिरफ्तार हुए।

उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, शरद पवार, सुप्रिया सुले, अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह सहित कई नेताओं ने जंतर-मंतर पहुंचकर आंदोलन का समर्थन किया। संसद में भी विपक्ष ने पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए गृह मंत्री अमित शाह और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई। एमनेस्टी इंटरनेशनल सहित कई मानवाधिकार संगठनों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग पर चिंता व्यक्त की और लोकतांत्रिक अधिकारों के सम्मान की आवश्यकता पर बल दिया। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण और अहिंसक तरीके से अपनी बात रखने तथा धरना-प्रदर्शन करने का अधिकार देता है। आंदोलनकारी छात्रों का कहना है कि उनकी लड़ाई केवल किसी एक परीक्षा या भर्ती प्रक्रिया की नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा एवं भर्ती व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही स्थापित करने की है। उनकी प्रमुख मांगों में परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार, पेपर लीक मामलों में त्वरित एवं कठोर कार्रवाई, भर्ती प्रक्रियाओं की समयबद्धता, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी में जवाबदेही तय करना तथा शिक्षा व्यवस्था में जनता का विश्वास बहाल करना शामिल है। यह आंदोलन अब केवल परीक्षा सुधार का प्रश्न नहीं रह गया है, बल्कि युवाओं के भविष्य, रोजगार और शासन की जवाबदेही से जुड़ा राष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है। यदि सरकार आंदोलनकारी छात्रों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी मांगों पर ठोस और समयबद्ध निर्णय लेती है, तो स्थिति शांत हो सकती है और शिक्षा व्यवस्था में सुधार का रास्ता खुल सकता है। इसके विपरीत यदि केवल पुलिस बल और प्रशासनिक नियंत्रण के माध्यम से आंदोलन को दबाने का प्रयास जारी रहता है, तो युवाओं का असंतोष और व्यापक हो सकता है।

ऐसी स्थिति में यह आंदोलन देशव्यापी छात्र-युवा अभियान का रूप लेकर विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों को भी अपने साथ जोड़ सकता है। इससे संसद, न्यायपालिका और सरकार पर संस्थागत सुधारों का दबाव बढ़ने की संभावना है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी संकट का सबसे प्रभावी समाधान संवाद, पारदर्शिता और जवाबदेही है। इसलिए आने वाले समय में सरकार और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत, विश्वास बहाली और शिक्षा सुधारों पर ठोस पहल ही यह तय करेगी कि यह संघर्ष टकराव की दिशा में बढ़ता है या फिर भारतीय शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनता है। उधर, संसद के मॉनसून सत्र का तीसरा दिन भी हंगामे के नाम रहा। पेपर लीक और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर बना राजनीतिक गतिरोध है। सरकार और विपक्ष, दोनों को टकराव छोड़कर संवाद का रास्ता तलाशना होगा।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

मंथन
डॉ. मोनिका शर्मा

सांस्कृतिक जुड़ाव को बल दें भाषाएं

कोई भी भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम भर नहीं होती। देश, समाज या किसी समुदाय विशेष की परंपराओं और संस्कृति के अनगिनत रंग सहेजे होती है। भाषाएं समग्र रूप से देश की संस्कृति को अगली पीढ़ियों तक ले जाने का काम करती हैं। यही वजह है कि संस्कृति के इन रंगों को जीवन से जोड़े रखने और विरासत सहेजने के लिए भाषाओं को जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी है। असल में भाषायी विविधता सोच और समझ के नए द्वार भी खोलती है। मानवीय भावनाओं को साझेपन का परिवेश बनाती है। यही वजह है कि किसी एक भाषा के विलुप्त होना उसके शब्दों का खत्म होना भर नहीं, बल्कि एक समाज विशेष के सदियों पुराने इतिहास, लोकगीत, उत्सव, रीति-रिवाज, लोक-साहित्य और जीवनयापन से जुड़े व्यावहारिक ज्ञान के खत्म होने जैसा है। विशेषकर मातृभाषा से दूर होना होना तो इंसान की मौलिक अभिव्यक्ति की सहजता और गहराई ही छीन लेता है। हाल ही में कोलकाता में राष्ट्रीय पुस्तकालय परिसर में 'म्यूजियम ऑफ वर्ड' यानि 'शब्द संग्रहालय का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि किसी भी देश की भाषा उसकी विरासत को संभालती है और उसकी संस्कृति को समझने का जरिया बनती है। इसीलिए अपनी मातृभाषा सीखने के साथ-साथ हर विद्यार्थी को कम से कम एक और भारतीय भाषा अवश्य सीखनी चाहिए, ताकि वे देश की सांस्कृतिक विविधता को और बेहतर तरीके से समझ सकें। यह विचार सकारात्मक और सराहनीय तो है ही, सांस्कृतिक विविधता के लिए दुनियाभर में मान पाने वाले हमारे देश की नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने वाला भी है। ज्ञात हो कि केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय पुस्तकालय द्वारा विकसित 'शब्दलोक' संग्रहालय भी भारत की समृद्ध भाषाई विरासत को ही समर्पित है। संग्रहालय में अत्याधुनिक तकनीक और संवादात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से देश की मौखिक और लिखित भाषाई परंपराओं के विकास की यात्रा को दर्शाया गया है। वस्तुतः, भाषाएं किसी भी देश की विरासत को आगे बढ़ाने सबसे सशक्त माध्यम होती हैं। बावजूद इसके हालिया बरसों में बच्चे न केवल अपनी मातृभाषा से दूर हो रहे हैं बल्कि दूसरी भाषाओं को सीखने में भी कम ही रुचि लेते हैं। आधुनिक जीवनशैली और डिजिटल होती दुनिया में अंग्रेजी के बढ़ते चलन के कारण बच्चे अपनी मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाओं को भूलते जा रहे हैं। हमारी सांस्कृतिक जड़ों को कमजोर करने वाले इस व्यवहार से कई भाषाएं विलुप्त होने के कगार पर हैं। घरों में भी अपनी मातृभाषा बोलने का चलन कम हुआ है। बहुत से युवा रोजगार के अवसरों को देखते हुए दूसरे देशों की भाषा सीख रहे हैं पर अपने ही क्षेत्र की भाषा भूल गए हैं। यह स्थिति न केवल उनकी सांस्कृतिक जड़ों को कमजोर करती है, बल्कि हमारी समृद्ध भाषाई विविधता को भी विलुप्त होने के कगार पर ला रही है। समझना कठिन नहीं कि अपनी भाषाएं न सीखने से मानवीय जीवन से जुड़ी कई अनमोल मौखिक परम्पराएं हमेशा के लिए समाप्त हो रही हैं। चिंतनीय है कि भारत की भाषाई विविधता को संरक्षित करने की बात हो सभ्यतागत पहचान को सुरक्षित रखने की, देश के सभी हिस्सों की भाषाएं ही आपसी जुड़ाव का पुल बनाकर सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का मार्ग दिखाती हैं। इस गठजोड़ को मजबूती देने के लिए परिवार की भूमिका भी अहम है। गृहमंत्री अमित शाह ने भी परिवार की भाषा ही पहली पाठशाला बनने की बात कही है। उन्होंने कहा कि मां की भाषा में ही बच्चे की पढ़ाई हो, विद्यालय और विश्वविद्यालय मौलिक चिंतन का केंद्र बनें, तभी हम सृजन में अपना योगदान दे सकते हैं। यह सचमुच चिंतनीय है कि बड़े शहरों में आकर बसने, दूसरे राज्यों में जाकर रहने या विदेश में जा बसने के कारण बहुत से भारतीय परिवारों का अपनी मूल मातृभाषा से संपर्क टूट जाता है। इसके चलते बच्चे अपनी जड़ों, लोक-संस्कृति, त्योहारों और पारंपरिक मूल्यों से भी दूर हो रहे हैं। इस सभ्यतागत संकट के बावजूद देश में 117 भाषाएं खतरे में हैं। बीते 50 वर्षों में 220 से अधिक भाषाएं अपना अस्तित्व खो चुकी हैं। कई भाषाएं ऐसी हैं जिन्हें बोलने वाले 10 हजार से भी कम लोग बचे हैं। यूनेस्को की ओर से जारी एटलस ऑफ वर्ल्ड लैंग्वेज इन डैंजर की रिपोर्ट के मुताबिक साल 1950 से अब तक पूरी दुनिया में सैकड़ों भाषाएं खत्म हो चुकी हैं। असल में भाषाएं सीखना और उन्हें बोलचाल का हिस्सा बनाना ही संवाद के इस माध्यम को सहेजने का एकमात्र रास्ता है। अपनी मातृभाषा के अलावा एक ओर भाषा सीखने का आह्वान भी इस मोर्चे पर बहुत मायने रखता है। इससे देश की संस्कृति को समझने में भी नई पीढ़ी की रुचि बढ़ेगी।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

भगवान विष्णु रहेंगे चार माह तक योग निद्रा में

संकलित
दर्शन

हिंदू धर्म में देवशयनी एकादशी का विशेष महत्व होता है। हर वर्ष आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवशयनी एकादशी के नाम से जाना है। एकादशी पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष रूप से पूजा होती है। देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु चार महीनों के लिए योग निद्रा में क्षीर सागर में चले जाते हैं। इन चार महीनों के दौरान भगवान शिव सृष्टि का संचालन करते हैं। इसके अलावा चार महीने यानी चातुर्मास के दौरान कई तरह के कार्य वर्जित होते हैं। वहीं इस दौरान कई तरह के कार्य करना शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं क्या करें। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष देवशयनी एकादशी 25 जुलाई है और इस दिन के बाद भगवान विष्णु चार महीनों के लिए योग निद्रा में होते हैं, जो कार्तिक माह के देवउठनी एकादशी पर जागते हैं। ऐसे में इस दौरान चार महीनों तक भगवान विष्णु पूजा, जप, तप और दान करते हुए भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। देवशयनी एकादशी भगवान विष्णु की उपासना के लिए अत्यंत शुभ मानी जाती है। इस दिन श्रद्धापूर्वक व्रत रखने और विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा करने से जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और धन-धान्य की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति के पापों का क्षय होता है और उसे मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

देह दानी राजा शिवि महाराज

संकलित
प्रेरणा

एक दिन राजा अपने दरबार में बैठे थे तभी एक कबूतर उड़ता हुआ उनकी गोद में आ गिरा और अपनी रक्षा के लिए प्रार्थना करने लगा कबूतर ने कहा - महाराज आपकी उदारता और शरणागत पर दया की चर्चा पशु-पक्षियों तक में होती है मैं भी आपके राज्य में निवास करने के कारण आपकी प्रजा और अभी आपका शरणागत हूं। मेरी रक्षा करें। शिवि ने कबूतर को निश्चिंत रहने का वचन दिया और कहा कि वह उसकी रक्षा हर हाल में करेंगे। राजा ने जैसे ही वचन दिया तभी वहां एक बाज आ पहुंचा और शिवि से कबूतर को वापस करने की मांग करने लगा। बाज ने कहा - महाराज यह कबूतर मेरा आहार है मैं अपने आहार का पीछा कर रहा था मैंने इस पर प्रहार भी किए है, आप मुझे मेरा आहार वापस करें। आपकी बड़ी कृपा होगी। राजा शिवि ने कहा - बाज यह तुम्हारा आहार रहा होगा किंतु अभी यह मेरा शरणागत है और मैंने इसको प्राण रक्षा का वचन दिया है। इसलिए मैं अपना वचन भंग नही कर सकता। बाज ने कहा - महाराज मैं भी आपके राज्य का रहने वाला पक्षी हूं। विधाता ने मुझे शिकार करके अपना पेट भरने की व्यवस्था दी है अगर आप कबूतर वापस नहीं करेंगे तो आपको मुझे भूखा रखने का पाप लगेगा। जो राजा अपनी प्रजा को किसी कारण कष्ट देता है या उसके आहार का हरण करता है उस राजा पर से देवों की कृपा समाप्त हो जाती है उसकी प्रजा को इसका दंड भोगना पड़ता है आप यह पाप न करें। शिवि ने कहा - तुम्हारी बातें सत्य है किंतु मैं वचनबद्ध हूं। शरणागत का अतीत मुझे ज्ञात नहीं था इसलिए मैंने इसकी रक्षा का भार लिया है।

अंतर्मन

आज की पाती

यातायात नियमों के पालन नहीं करने से बढ़ रही सड़क दुर्घटनाएं

देश में हररोज सैकड़ों सड़क दुर्घटनाएं हो रहीं है। इन दुर्घटनाओं में अक्सर चालक की मौत हो जाती है। तेज गति से वाहन चलाने से अनियंत्रित होकर गाड़िया डिवाइडर या सामने वाली गाड़ियों से भिड़ जाती है। जिसमें चालक सहित गाड़ी में बैठने वालो की मौत हो जाती है। यातायात नियमों का पालन नही किया जा रहा है। नशे में वाहन चलाने वालों की संख्या में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह चोंकाने वाली बात है कि पढ़ा लिखा शिक्षित वर्ग भी इससे अछूता नही है। नेशनल हाइवे पर तेज गति वाहन चालक अनियंत्रित होकर गाड़िया सड़क के बाहर निकल जाती है या सामने वाले से भिड़ जाती है। उससे घटना स्थल पर मौत हो जाती है। यह दृश्य रोज देखने मिलता है। *- विजय कुमार, रायपुर*

ट्रेंड

फास्ट ट्रैक कोर्ट

देश के युवाओं का हित हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने के लिए, केस के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का गठन किया जाएगा।
- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

चर्चा से भाग रहा विपक्ष

एनडीए सरकार युवाओं के भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और चर्चा के लिए तैयार है लेकिन कांग्रेस, राहुल गांधी समेत पूरा विपक्ष चर्चा से भाग रहा है, क्योंकि वे जानते हैं कि जब वे बहस के लिए सदन में आएंगे, तो उनकी दोहरी नीति दुनिया के सामने उजागर हो जाएगी।
-**गजेंद्र सिंह शेखावत,** केंद्रीय संस्कृति मंत्री

जौहर विश्वविद्यालय

दिल्ली में परीक्षा को लेकर आंदोलन चल रहा है और रामपुर में शिक्षा को लेकर। जौहर विश्वविद्यालय को बचाकर ही यहां के छात्रों का भविष्य सुरक्षित हो सकता है; इसी सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण के साथ हमारा प्रतिनिधिमंडल आज वहां पहुंचा है।
- **अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

बेहतर शिक्षा व्यवस्था

यह आंदोलन बहुत शांतिपूर्ण था; बहुत दुख की बात है कि इसने हिंसक रूप ले लिया। जो छात्र और उनके परिवार घायल हुए, उनके प्रति मेरी पूरी संवेदना है। मुझे यह देखकर खुशी है कि हमारे देश के बच्चे बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए एकजुट हुए हैं।
- **सलमान खान,** फिल्म अभिनेता

करंट अफेयर

ईरान बातचीत के लिए सीरियस नहीं, रूबियो ने कही बड़ी बात

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान पर आरोप लगाया है कि उसने अमेरिका के साथ पिछले महीने हुई बातचीत में किए गए वादों को पूरा नहीं किया। मार्को रूबियो ने कहा कि ईरान बातचीत को लेकर सीरियस नहीं है और साथ ही वॉर्निंग दी कि अगर ईरान को मार्को रूबियो ने आगे कहा कि ईरान ने बातचीत के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष दोनों तरह के माध्यमों से अमेरिका से संपर्क किया था, लेकिन ईरान अपने वादों को पूरा करने में नाकाम रहा है। दूसरी तरफ, ईरान के युद्ध होर्मुज से निकलकर मेनडेब स्ट्रेट तक पहुंचता नजर आ रहा है। हूती विद्रोहियों ने इसके जरिए होने वाले सऊदी अरब के व्यापार को रोकने का ऐलान किया है। अभी समस्या यह है कि ईरान बातचीत के लिए सीरियस नहीं हैं। अगर वे सीरियस हैं, तो हम भी सीरियस हैं। अगर वे गंभीर नहीं हैं, तो हम खुद की और अपने सहयोगियों के हितों की सुरक्षा के लिए जो भी जरूरी होगा, वह करेंगे। मार्को रूबियो ने होर्मुज से गुजरने वाले ट्रैफिक पर कंट्रोल करने की ईरान की डिमांड की भी आलोचना की और कहा कि यह जलमार्ग एक इंटरनेशनल समुद्री रास्ता है जिसको खुला रहना चाहिए। रूबियो ने कहा, असल बात बहुत सीधी है।

ऑफ बीट

दिल के मरीजों के लिए संगीत है अच्छी दवा

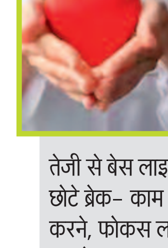

भारत में 20 करोड़ लोग मानसिक रोग से ग्रस्त हैं 5 करोड़ डिप्रेशन और इतने ही स्ट्रेस से परेशान हैं ये तनाव दिल की बीमारी का बड़ा कारण है। द लांसेट की रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय तक और लगातार तनाव के बने रहने से ब्लड कोलेस्ट्रोल, ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर बढ़ता है। इससे हार्ट की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। हार्ट की मसल्स में ऑक्सीजन की आपूर्ति भी प्रभावित होती है। हार्ट की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। जब भी आप तनाव में हों मनपसंद संगीत सुनिए। संगीत मस्तिष्क में रासायनिक संतुलन को बदलता है। धमनियों को आराम देकर ब्लड वेसल्स की काम करने की क्षमता सुधारता है। परिश्रम के बाद हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर को तेजी से बेस लाइन पर लौटाता है। चिंता को कम करता है। काम के दौरान लें छोटे ब्रेक- काम के दौरान स्ट्रेस होना बहुत आम है। विचारों को संतुलित करने, फोकस लाने के लिए काम के बीच हर एक घंटे में पांच मिनट का ब्रेक लें इससे तनाव कम होगा, प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी हार्ट की कार्यक्षमता भी सुधरेगी। द अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रीशन के अनुसार, प्रोसेस्ड और अल्ट्रा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में फैट नमक और चीनी ज्यादा होती है। इसे अधिक खाने की इच्छा भी होती है।

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

3 घंटे में जननायकन ने छू लिया देश का हर मुद्दा

नई दिल्ली। थलापति विजय की तीन घंटे तीन मिनट की फिल्म जननायकन रिलीज हो गई है। फिल्म ने देश का मुद्दा छू लिया है। ये पूरी तरह से एक मासी फिल्म है जिस तरह की फिल्मों के लिए विजय को पहचाना जाता है। फिल्म में भ्रष्टाचार की मिसाल के तौर पर प्रमुखता से आते हैं प्रकाश राज. किस तरह से राजनीति के नाम पर जनता को ठगा जाता है और भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जाता है, उसके वो प्रतीक हैं। अक्सर नकली शराब से लोगों की मौत की खबरें आती है। फिल्म में जब थलापति विजय इंस्पेक्टर होते हैं तो वो जहरीली शराब पर लगाम कसने की कोशिश करते हैं और कामयाब भी होते हैं।

लाइफ Style

तेजस्विनी

आईवीएफ से बदल गया शरीर का शेप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मॉडल और एक्ट्रेस तेजस्विनी कोल्हापुरे ने पहली बार आईवीएफ के दौरान झेली गई मुश्किलों के बारे में खुलकर बात की है। पद्मिनी कोल्हापुरे की छोटी बहन और श्रद्धा कपूर व सिद्धांत कपूर की मौसी तेजस्विनी ने बताया कि मां बनने का उनका सफर बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने कहा, 'इसका मुझ पर शारीरिक और मानसिक रूप से बहुत बुरा असर पड़ा।

मैं तब जैसी थी और अब जैसी हूं, उसमें काफी फर्क आ गया है। मानसिक रूप से मैं पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हूं। शारीरिक रूप से, इतने सारे इंजेक्शन की वजह से मेरे शरीर का आकार ही बदल गया है। मैंने 1000 से ज्यादा इंजेक्शन लगवाए। अगर आपकी प्रेग्नेंसी पॉजिटिव आती है तो इंजेक्शन बंद कर दिए जाते हैं। लेकिन, मेरा नहीं हुआ। इसलिए, मैंने इसे पांच बार किया। पांचवीं बार मैं लकी रही। इस बीच मेरे दो मिसकैरेज हुए। आप मानसिक रूप से टूट जाते हैं। यह एक मुश्किल वक्त था।' उन्होंने कहा कि आईवीएफ के दौरान उन्हें शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा और यह उनके जीवन का सबसे कठिन समय था। तेजस्विनी ने बताया कि उन्होंने एक-दो नहीं बल्कि पांच बार आईवीएफ कराया। उनके मुताबिक यह प्रक्रिया बेहद दर्दभरी होती है और हर बार क्लिनिक जाकर इंजेक्शन लगवाना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि इसके लिए इंसान को मानसिक रूप से बहुत मजबूत बनना पड़ता है। साथ ही उन्होंने महिलाओं को सलाह दी कि अगर संभव हो तो 35 साल की उम्र से पहले परिवार बढ़ाने की योजना बना लेनी चाहिए।

इस वीकएंड ओटीटी पर देख पाएंगे दिलचस्प फिल्में और सीरीज...

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमाघरों में हॉलीवुड फिल्म द ओडिसी धमाका कर रही है। विजय की फिल्म जन नायकन भी दस्तक दे चुकी है। मनोरंजन के शौकीनों के पास बारिश के इस सुहाने मौसम में थिएटर जाने के पर्याप्त विकल्प हैं। लेकिन, वीकएंड पर अगर आप घर बैठे ओटीटी पर ही कुछ शानदार सिनेमा देखना चाहते हैं तो इस बार ओटीटी पर भी खूब बहार रहेगी।

आदर्श बाल विद्यालय

हिमांक गौर के निर्देशन में बनी कॉमेडी-ड्रामा सीरीज आदर्श बाल विद्यालय आप इस वीकएंड देख सकते हैं। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर 24 जुलाई से स्ट्रीम होगी। सीरीज में केके मेनन, अर्चना पूरन सिंह, नवीन कस्तूरिया, प्रसन्ना बिष्ट, देवेन भोजानी, अजितेश गुप्ता, अन्नपूर्णा सोनी, प्राची शाह और अभिमन्यु सिंह नजर आएंगे।

मुसाफिर कैफे

विक्रांत मैसी, वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना की 'मुसाफिर कैफे' इस वीक की बहुप्रतीक्षित सीरीज है। यह इस फ्राइडे रिलीज हो रही है। इसकी कहानी चंदर (विक्रांत मैसी) सुधा (वेदिका पिंटो) और प्रीति (महिमा मकवाना) के इर्द-गिर्द है। यह रोमांटिक सीरीज 24 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

पल्लीचट्टंबी

टोविनो थॉमस और कायाडू लोहार की मलयालम भाषा की पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'पल्लीचट्टंबी' भी इस शुक्रवार को ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह 15 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब 24 जुलाई से यह सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी।

स्टुअर्ट फेल्स टू सेव द यूनिवर्स'

'स्टुअर्ट फेल्स टू सेव द यूनिवर्स' भी 24 जुलाई से ओटीटी पर आ रही है। यह 'द बिग बैंग थ्योरी' के स्पिन-ऑफ के रूप में बनी साइंस-फिक्शन कॉमेडी सीरीज है, जिसके 10 एपिसोड्स हैं। इसमें स्टुअर्ट ब्लूम (केविन सुसमन) को एक बहु-ब्रह्मांडीय संकट से दुनिया को बचाना है। यह जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

ब्लीच-थाउजेंड-ईयर ब्लड वॉर

इसका लुत्फ भी आप इस वीकएंड उठा सकते हैं। यह सीरीज 25 जुलाई, 2026 से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इस शो की पूरी कहानी सोल रीपर्स और क्विंसी साम्राज्य की आपसी दुश्मनी के इर्द-गिर्द घूमती है।

72 आवर्स

यह एक अमेरिकी कॉमेडी फिल्म है। इसका निर्देशन टिम स्टोरी ने किया है। इसमें केविन हार्ट लीड रोल में हैं। उनके अलावा मार्सेलो हर्नांडिज, मेसन गुडिंग, कैम पैटरसन, बेन मार्शल सहित कई और सितारे भी हैं। यह फिल्म 24 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

द डिंक

यह एक स्पोर्ट्स कॉमेडी फिल्म है, जो पिकलबॉल खेल पर बेस्ड है। इसमें एक असफल टेनिस खिलाड़ी (जेक जॉनसन) अपने पिता के कंट्री क्लब को बचाने और उनका सम्मान पाने के लिए इच्छा न होने पर भी पिकलबॉल खेलता है। यह फिल्म 24 जुलाई से ओटीटी प्लेटफॉर्म एप्पल टीवी पर स्ट्रीम होगी।

रैनसम कैन्यन सीजन 2 : यह रोमांटिक वेस्टर्न ड्रामा सीरीज है। सीरीज का यह दूसरा सीजन है, जिसमें आठ एपिसोड होंगे। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर गुरुवार 23 जुलाई को रिलीज हुई है।

कहां चले गए... गाने में प्रीति की आंखें नम

मुंबई। 'बंटवारा 1947' का पहला गाना 'कहां चले गए हो राम' रिलीज हो गया है। यह एक दिल को छू लेने वाला म्यूजिकल ट्रिब्यूट है जो फिल्म की इमोशनल कहानी को दिखाता है। यह गाना फिल्म की इमोशनल भावना को बहुत अच्छे से दिखाता है और एक मां के प्यार, तड़प और अटूट विश्वास को दिल को छू लेने वाले अंदाज में पेश करता है। वीडियो की शुरुआत सनी देओल और प्रीति जिंटा के शबाना आजमी के पीछे खड़े होने से होती है, जो भगवान राम से पूरे दिल और शालीनता के साथ प्रार्थना कर रही हैं। इसके बाद एक शानदार पार्टी के सीन दिखाए जाते हैं। इसे

ए.आर. रहमान ने कंपोज किया है और इसके बोल मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने लिखे हैं। इस दिल को छू लेने वाले गाने को अनुराधा पौडवाल और शान की सदाबहार आवाजों ने जीवंत किया है। भावनाओं और तड़प से भरपूर, 'कहां चले गए हो राम' में नुकसान, उम्मीद और इंसानियत जैसे भाव हैं, जो 'बंटवारा 1947' की कहानी का मेन पार्ट हैं। 1947 में भारत के बंटवारे के बैकग्राउंड पर आधारित यह गाना फिल्म के लिए एक जबरदस्त इमोशनल साथी की तरह है। यह बिछड़ने के दर्द को तो दिखाता ही है, साथ ही इतिहास के सबसे अहम अध्यायों में से एक के दौरान बनी रही हिम्मत और दयालुता का भी जश्न मनाता है।

रोमांचकम का पहला गाना रिलीज...

नई दिल्ली। साउथ सिनेमा के मशहूर निर्देशक वेणु गोपाल रेड्डी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'रोमांचकम' का पहला गाना 'राधा रमना' गुरुवार को रिलीज कर दिया गया। गाने को वासुकी वैभव ने अपनी आवाज देने के साथ-साथ संगीतबद्ध भी किया है और बोल चंद्रबोस ने लिखे हैं। कुछ हफ्ते पहले निर्माताओं द्वारा फिल्म की एक झलक जारी किए जाने के बाद फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। इसकी शुरुआत में सुमंत प्रभास और अनंतिका सनिल कुमार के किरदारों को एक-दूसरे के प्यार में पूरी तरह डूबा हुआ दिखाया गया है। शुरुआत देखकर लगता है कि यह जोड़ी एक-दूसरे

के लिए ही बनी है, लेकिन वीडियो के दूसरे हिस्से में दोनों किरदार एक-दूसरे से नफरत करने लगते हैं। फिल्म में अभिनेता उपेंद्र लिमये का किरदार भी दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाता है। झलक से ऐसा संकेत मिलता है कि फिल्म में वह एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। उपेंद्र लिमये, सुमंत प्रभास, अनंतिका सनिलकुमार के अलावा इस फिल्म में वेंकटेश काकुमानु, नरेंद्र रवि, मणि एगुर्ला और साई सोहन सहित कई अन्य कलाकार भी नजर आएंगे. फिल्म की सिनेमैटोग्राफी (छायांकन) पवन पप्पुला ने संभाली है, जबकि संगीत वासुकी वैभव ने दिया है। यह फिल्म 3 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

इन बॉलीवुड फिल्मों में दिखा विरोध प्रदर्शन का नया रूप

नई दिल्ली। *सोशल मीडिया पर इन दिनों रंग दे बसंती से लेकर द लीजेंड ऑफ भगत सिंह जैसी फिल्मों के कई सीन वायरल हैं। वजह है दिल्ली के जंतर-मंतर पर हो रहा विरोध प्रदर्शन। प्रदर्शन के अलावा सोशल मीडिया पर विरोध जताने के लिए यूजर्स कई फिल्मों के अहम सीन भी शेयर करके अपने मन की बात बयां कर रहे हैं। भारतीय सिनेमा में भी कई ऐसी फिल्में बनी हैं जिनमें युवाओं को विरोध प्रदर्शन करते दिखाया गया है। आमिर खान की फिल्म रंग दे बसंती से लेकर मैं आजाद हूं तक कई फिल्मों में इसकी झलक देखने के मिली है।*

रंग दे बसंती : फिल्म रंग दे बसंती 2006 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में युवाओं के प्रदर्शन की ताकत को दिखाया था। फिल्म की कहानी कॉलेज लाइफ का लुफ्त उठाने वाला एक ग्रुप के बारे में थी, जो हमेशा राजनीति से दूर रहता है। एक डॉक्यूमेंट्री की शूटिंग करते वक्त वह स्वतंत्रता के लिए वह देश की आजादी के लिए लड़ने वाले चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरु, अशफाकुल्लाह खान और बिस्मिल के किरदार के बारे में पढ़ते और जानते हैं। आगे जब उनका एक दोस्त विमान हादसे में मारा जाता है उसके उन्हें लोकतंत्र का महत्व समझ आता है। युवा पीढ़ी पर बनी यह फिल्म दर्शकों को काफी पसंद आई थी। फिल्म का निर्देशन राकेश ओमप्रकाश मेहरा ने किया था। इसमें आमिर खान, सोहा अली खान, आर माधवन और शरमन जोशी जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में थे।

हासिल : फिल्म 'हासिल' 2003 में रिलीज हुई थी। फिल्म के निर्देशन तिग्मांशु धूलिया ने किया था। कहानी प्रयागराज स्थित यूनिवर्सिटी में होने वाली स्टूडेंट पॉलिटिक्स के उतार-चढ़ाव के बारे थी। इसमें लव स्टोरी भी दिखाई गई जो इन सबके बीच फंसी हुई है। फिल्म स्टूडेंट पॉलिटिक्स के मुद्दे, एक्टिविज्म और जागरुकता को एक सधे हुए तरीके से पेश करती है। इसके साथ ही लोकतंत्र में युवाओं के भविष्य का महत्व भी समझाती है। फिल्म में जिमी शेरगिल, इरफान खान और आशुतोष राणा जैसे कलाकार मुख्य किरदारों में थे।

नो वन किल्ड जेसिका : मशहूर जेसिका लाल हत्याकांड पर बनी फिल्म 'नो वन किल्ड जेसिका' में एकता की शक्ति को दिखाया गया है। फिल्म की कहानी जेसिका को न्याय दिलाने पर आधारित थी। जेसिका एक बार टेंडर थीं, जिनकी एक नेता के बेटे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। फिल्म में जेसिका के निधन के बाद उसकी बहन सबरीना को न्याय पाने के लिए संघर्ष करते दिखाया गया है। इस फिल्म में दिखाया कि शांतिपूर्ण ढंग से भी प्रदर्शन किया जा सकता है। जेसिका के हत्यारों को सजा दिलाने के लिए युवाओं और लोगों द्वारा किए गए कैंडल मार्च से लेकर पोस्टर मार्च तक, फिल्म में सच्चाई की जंग को दिखाया गया। इस फिल्म में विद्या बालन और रानी मुखर्जी मुख्य किरदार में थीं, निर्देशक राज कुमार गुप्ता थे।

युवा : *फिल्म 'युवा' 2004 में रिलीज हुई थी। इसकी कहानी समाज में होने वाली गुंडागर्दी और उसका कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों पर होने वाले प्रभाव को भी दिखाया गया। अजय देवगन ने फिल्म में कॉलेज में पढ़ने वाले लड़के माइकल का किरदार निभाया। माइकल, जो कॉलेज का स्टूडेंट लीडर भी है और समाज में बदलाव भी लाना चाहता है पर राजनैतिक भष्ट नेताओं के कारण वह कई मुश्किलों से घिरा रहता है। माइकल पर कई हमले होते हैं। मगर वो उसका मनोबल नहीं तोड़ पाते। फिल्म का निर्देशन मणि रत्नम ने किया था। इसमें अजय के अलावा अभिषेक बच्चन, विवेक ओबेरॉय, रानी मुखर्जी, करीना कपूर और एशा देओल जैसे कलाकार थे।*

मैं आजाद हूं : *फिल्म मैं आजाद हूं 1989 में रिलीज हुई थी। फिल्म का गाना 'इतने बाजू इतने सर' काफी मशहूर हुआ था। इस गाने को अमिताभ बच्चन ने खुद गाया था। फिल्म में एक महिला पत्रकार की करप्शन के खिलाफ जंग और और उसमें एक साधारण इंसान के भागदौड़ को दिखाया गया। फिल्म की पटकथा समाजिक एकता और संघर्ष के खिलाफ होने वाली लड़ाई से प्रभावित है। इस फिल्म में शबाना आजमी और अमिताभ बच्चन ने मुख्य किरदार निभाया था।*

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 18000 फील्ड अधिकारी 16000 कंप्यूटर ऑपरेटर 15000 वेतन योग्यतानुसार मेस सुविधा ,आवास भोजन फ्री **संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर** 7746000016, 7747000016, 7747000019, 7746000019.(आरो-891)

टीचर

शीघ्र आवश्यकता है * शिक्षक/शिक्षिका (अंग्रेजी माध्यम) - स्नातक/डी एड, बी एड * कार्यालय सहायक - डी सी ए/12वी * गेट कीपर (गार्ड)-0 2 पद * चपरासी (भृत्य)- 04 पद * स्वीपर - 01 पद इच्छुक **संपर्क करें - उदय पब्लिक स्कूल, जामुल - भिलाई** Resum send - 7470984997.(आरो न.-4158)

Wanted- Kent International School Jheet, Patan Road Walk in interview Time: 10:00am-2:00PM.Require teachers for PGT (Economics, English, History, Political Science, Biology,) Accountant, Guard. Send your resume on 7880111062, 8085123639. (आरो-098)

क्लासीफाईड

पंपकर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में नाइट ड्यूटी के लिए लड़कों की आवश्यकता है। रूम उपलब्ध। **संपर्क-** 9009167878, 9826111220.(आरो-417)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- घरेलू महिला सहायक चाहिए, उम्र 18-40। (24 घंटे को प्राथमिकता,) अन्यथा 11–12 घंटे। कपड़े व घरेलू काम, कभी बच्चे की देखभाल; काम वाली न आए तो झाड़- पोछा- बर्तन। अनुभवी जरूरी। 24 घंटे हेतु रहना- खाना। 2 छुट्टी /माह। न्यू **चंगोराभाठा, रायपुर।** 7039749769. (आरो-047)

सेल्समैन/हेल्पर

आवश्यकता है- थोक कपड़े की दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन व हेल्पर तथा कम्प्युटर में बिल बनाने हेतु कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। 10-15 लड़के चाहिए। मिलने का समयः दोपहर 3 से 6 बजे तक चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर डी 29- 30, **प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी, रायपुर, संपर्क:** 9425506658, 9424200658, 9977252503.(RO-7271)

पैकिंग/ऑपरेटर कार्य

आवश्यकता है- ऑटोपाट्र्स की दुकान में पैकिंग एवं कंप्यूटर अप्रेटर कार्य हेतु लड़को और लड़कियों की आवश्कता हैं। वेतन योग्यतानुसार। **संपर्क - तृप्ति सेल्स कार्पोरेशन, एम. जी.रोड,रायपुर। मोबाइल** 9340273375. (आरो-201)

छोटा विज्ञापन

आवश्यकता

आवश्यकता है- रायपुर में सड्डू बंजरपारा में स्थित दाल मिल में कार्य हेतु 2 कर्मचारी अनाज लाईन दाल मिल अनुभवी को प्राथमिकता वेतन 15000/- से आरंभ, 1 मिल इंचार्ज जो Account/ मिल का भी काम कर सके वेतन 18000 से 20000 **संपर्क -** 9826141178.(आरो-805)

गोडाऊन कीपर

आवश्यकता है- सी एंड एफ में कार्य करने हेतु अनुभवी गोडाउन कीपर की आवश्यकता है। सोना ट्रेडिंग कंपनी, सांता स्वीट्स के पास,भनपुरी, रायपुर। **संपर्क** - 6260655803. (मिलने का समय - 10 से 6) (आरो-974)

ड्रायवर

आवश्यकता है- टाटा एस चलने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। ड्राइविंग लाइसेंस के साथ **संपर्क करे - जी एम एस कोरियर,पंडरी , पुराना बस स्टैंड , रायपुर। मोबाइल** 9893101226. (आरो-203)

सुपरवाइजर

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित रियल स्टेट कंपनी में भिलाई कैलाशनगर लोकेशन हेतु, साइट सुपरवाइजर की आवश्यकता है, 10 वी पास एवं अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन योग्यतानुसार। **संपर्क-** 8898306907, 9617391190, 9713399992.(आरो न.-319)

हरिभूमि क्लासीफाईड

घरेलु कार्य/कुक

आवश्यकता है- घरेलू कार्य एवं स्वादिष्ट खाना बनाने के लिए महिला की आवश्यकता हैं। समयः 24 घंटे (रहकर कार्य करने हेतु) आयु : 35 से 60 वर्ष तक स्थानः गुरुद्वारे के पास, नेहरू नगर, भिलाई वेतनः 12,000 प्रतिमाह, **संपर्क करें:** 9826708233.(आरो नं.-SPD/0064)

गोदाम कार्य

आवश्यकता है- दुकान और गोदाम में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है **प्रिंस स्टेशनरी मार्ट गोल बाजार** 8999993899, **प्रिंस स्टेशनरी मार्ट अवंती विहार** 7697781788, 9826178251. (आरो-804)

सुपरवाइजर/गार्ड

आवश्यकता है- तेलीबांधा वी.आई.पी चौक, उरकुरा, टाटीबंध,एम.जी. रोड हेतु, सुरक्षा सुपरवाइजर, सुरक्षागार्ड की अतिशीघ्र आवश्यकता है। आयु सीमा- 25-45 वर्ष, कृपया जरूरतमंद ही संपर्क करें। **संपर्क नम्बर:-** 9981144486. (आरो-896)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा विभिन्न प्रकार के लोन उपलब्ध। बिजनेस, कृषि, होम एवं प्रॉपर्टी लोन। 1% वार्षिक ब्याज एवं 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करें। डाउन सिबिल स्कोर वालों के लिए भी सुविधा। **संपर्क:-** 7988465321, 7988465321. (आरो-048)

क्लासीफाईड

Property प्रापर्टी

जमीन

जमीन बेचना है- रायपुर (छत्तीसगढ़) के शंकर नगर, खम्हारडीह में स्थित आवासीय मकान सहित लगभग 30 डिसमिल (लगभग 13,025 वर्गफुट) की प्राइम संपत्ति बिक्री हेतु उपलब्ध। मूल्यः 15 करोड़ (बातचीत योग्य)। इच्छुक खरीदार सीधे **संपर्क करें:-** 7869021501, 9098528670, 9130091385. (आरो-984)

For Rent किराया

किराए पर देना है- प्राइम लोकेशन में कोचिंग हेतु ग्राउंड फ्लोर 600 वर्गफिट प्रथम तल 600 वर्गफिट कुल 1200 वर्गफिट जोनल मार्केट में दुकान किराए पर देनी है **संपर्क** 9893482503.(आरो न.-320)

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः-B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, LLB M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLY-TECHNIC, B.tech M.tech (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करें) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा **संपर्क** Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515. (आरो-4157)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जानकारी / शिखर चंद जैन

आकाश के सुपरहीरो भरते हैं लंबी-ऊंची उड़ान

दुनिया में कुछ ऐसे कमाल के पक्षी हैं, जो हजारों किलोमीटर तक लगातार उड़ सकते हैं। कोई पक्षी लंबे समय तक बिना कुछ खाए भी उड़ सकता है तो कोई हवा में सो भी सकता है, तो कोई बिना रुके समुद्र पार कर जाता है। आओ, आकाश के इन सुपरहीरो पक्षियों की हैरतअंगेज उड़ानों के बारे में जानें।

अल्बाट्रॉस बादलों का ग्लाइडर

बादलों का ग्लाइडर कहलाने वाला अल्बाट्रॉस अपने विशाल पंखों की मदद से बिना पंख फड़फड़ाए हजारों किलोमीटर की यात्रा कर सकता है। कुछ अल्बाट्रॉस एक ही यात्रा में 15,000 किलोमीटर तक उड़ सकते हैं। इसके पंख लगभग 11 फीट तक के होते हैं, जो अन्य पक्षियों की तुलना में काफी बड़े होते हैं। *

बार-टेल्ड गॉडविट वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर

लंबी उड़ान भरने के मामले में बार-टेल्ड गॉडविट प्रजाति के एक पक्षी बी6 ने अमेरिका के अलास्का से ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया तक 13,560 किलोमीटर की दूरी केवल 11 दिनों में बिना खाए-पिए, बिना रुके तय की थी, जो एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। उड़ान भरने से पहले यह पक्षी इतना ज्यादा खाता है कि एक 'फूला हुआ गुब्बारा' जैसा दिखता है। फिर यह पक्षी भोजन से प्राप्त चर्बी (फैट) को ईंधन की तरह इस्तेमाल करता है। अपनी उड़ान के समय यह लंबे समय तक भूखा-प्यासा रह सकता है। अपने आंतरिक अंगों को सिकोड़ लेता है ताकि हल्का महसूस कर सके। *

रेड नॉट टेनिस बॉल जैसा नन्हा पक्षी

रेड नॉट आकार में एक छोटे-से टेनिस बॉल जैसा होता है। लेकिन यह बहुत साहसी पक्षी होता है। यह पक्षी प्रवास के दौरान लंबी दूरी की नॉन-स्टॉप उड़ान भरने में सक्षम है। इसकी साइज को देखकर बच्चो तुम इमेजिन भी नहीं कर सकते कि यह हर साल आर्कटिक से दक्षिण अमेरिका तक 15,000 किलोमीटर का सफर तय करता है। खास बात यह है कि प्रवास के दौरान इसका वजन दोगुना हो जाता है, फिर यात्रा खत्म होते-होते यह दोबारा बिल्कुल दुबला हो जाता है। *

आर्कटिक टर्न उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव का वार्षिक सफर

अपनी प्रवास यात्रा के दौरान यह अद्भुत पक्षी लगभग 70,000 से 90,000 किलोमीटर तक की दूरी तय कर लेता है। यह दूरी दुनिया में किसी भी अन्य प्रजाति के पक्षी द्वारा प्रवास के दौरान तय की जाने वाली दूरी से काफी अधिक है। बीच-बीच में यह पक्षी आराम करने और भोजन करने के लिए रुकता भी है। बच्चो, अगर दुनिया घूमने का कोई इनाम होता, तो वह इस पक्षी को ही मिलता। हर साल यह पक्षी उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तक जाता है। अपने जीवनकाल में यह इतना ज्यादा उड़ता है कि पृथ्वी से चांद के तीन चक्कर लगाने के बराबर है। *

कॉमन स्विफ्ट उड़ते हुए सो लेता है

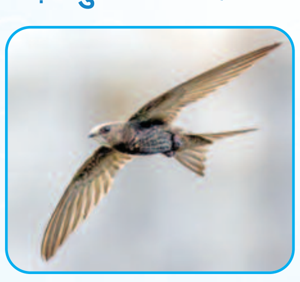

यह पक्षी अपने जीवन का अधिकांश समय हवा में ही बिताता है। यह बिना जमीन को छुए लगातार 10 महीने तक उड़ सकता है। यह पक्षी जमीन पर बहुत कम आता है। यह अपना खाना, पीना और यहां तक कि सोना भी उड़ते हुए ही करता है। कमाल की बात यह है कि कॉमन स्विफ्ट अपना आधा दिमाग सुलाकर उड़ते-उड़ते झपकी ले लेता है। *

ग्रेट फ्रिगेटबर्ड कई हफ्तों उड़ता है समुद्र के ऊपर

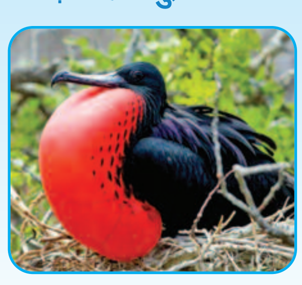

'समुद्री डाकू' के नाम से मशहूर यह पक्षी कई हफ्तों तक समुद्र के ऊपर उड़ता रहता है, लेकिन मजेदार बात यह है कि यह तैर नहीं सकता, क्योंकि इसके पंख पानी में भीगने पर भारी हो जाते हैं। यह बादलों के बहुत ऊपर करीब 4,000 मीटर तक उड़ सकता है। यह दूसरे पक्षियों को डराकर उनका खाना छीन लेता है। यह पक्षी हफ्तों तक समुद्र के ऊपर उड़ सकता है और हवा में सो भी सकता है। *

ग्रेट स्नाइप रॉकेट बर्ड

जहां दूसरे पक्षी धीरे-धीरे उड़ते हैं, वहीं ग्रेट स्नाइप नामक यह पक्षी अपनी रफ्तार के लिए मशहूर है। यह 97 किमी. प्रति घंटा की तेज रफ्तार से उड़ सकता है। इसीलिए इसे 'रॉकेट बर्ड' के नाम से भी जाना जाता है। यह पक्षी अपनी पूरी यात्रा बिना रुके और बिना रास्ता भटके पूरी करता है। *

और खाओ रसगुल्ले!

छोटी कहानी
शिव मोहन यादव

मोहन अकसर ही किसी हलवाई की दुकान पर जाता, वहां मिठाई खरीदने के बहाने दूसरी किसी मिठाई को चुपके से चट कर जाता।

एक दिन मोहन अपने एक मित्र माधव से बोला, 'मुझे हलवाई की दुकान से आधा किलो लड्डू लेने हैं। देखना मैं किस तरह कितने मजे से किसी दूसरी मिठाई पर हाथ मारूंगा।'

माधव ने रोका, 'नहीं यार, यह बात ठीक नहीं है। यह तो चोरी है।'

मोहन बोला, 'देख यार, खाने वाली चीजों की चोरी को चोरी नहीं कहा जाता।'

माधव ने साफ-साफ कहा, 'देखो मोहन, कल तुमने लड्डू उठाकर जेब में डाल लिया था। एक दिन का हो गया। रोज-रोज ऐसा करना शोभा नहीं देता। अगर तुमको किसी मिठाई पर हाथ साफ करना है तो मैं तुम्हारे साथ नहीं जाऊंगा, दूर खड़ा रहूंगा।'

'ठीक है, तुम दूर खड़े रहना।' कहकर मोहन धनश्याम हलवाई की दुकान के भीतर चला गया। 'काका, जरा आधा किलो लड्डू तौल दीजिए।' मोहन ने कहा तो धनश्याम हलवाई चेहरे पर मुस्कान लिए लड्डू तौलने के लिए डिब्बा उठाने लगा। दुकान तरह-तरह की मिठाइयों से सजी थी। ताजी जलेबी, रसगुल्ले-गुलाबजामुन की महक से आस-पास के वातावरण में खुशबू बिखरी हुई थी। सफेद कलाकंद, काजू कतली, रसमलाई जैसी मिठाइयां भी सभी को अपनी ओर आकर्षित कर रही थीं। कुछ मिठाइयों पर मधुमक्खियां भी भिनभिना रही थीं। जैसे ही हलवाई काका ने डिब्बे में लड्डू रखकर तौलने के लिए अपनी नजरें दूसरी ओर घुमाईं, इतने में मोहन ने सामने बर्तन में रखे रसगुल्लों में से एक रसगुल्ला अपने मुंह के हवाले कर लिया।

लेकिन यह क्या! जैसे ही रसगुल्ला मुंह में गया, उसके साथ एक मधुमक्खी भी मुंह में चली गई। उसने मोहन की जीभ पर काट लिया। वह बिलबिला गया। अब मोहन न तो रसगुल्ले को निगल पा रहा था, न ही उगल पा रहा था। बर्दाश्त करने की भी एक हद होती है, इतनी देर में मधुमक्खी ने जीभ में दूसरी जगह भी काट लिया। अचानक चिल्लाते हुए मोहन ने रसगुल्ले को उगल दिया।

माधव दूर खड़ा यह सब देख रहा था। उसके मुंह से अचानक हंसी छूट गई। इधर हलवाई काका जब तक कुछ समझते, तब तक सामने पड़ा रसगुल्ला उन्हें दिखाई दे गया। सामने मोहन का चेहरा देखकर उन्हें सब कुछ समझते देर न लगी। वह भी मुस्कुरा दिए। दूसरे लोगों ने पूछा, 'बेटा क्या हो गया?'

मोहन ने रुआंसा होकर बताया, 'मधुमक्खी ने काट लिया।'

इतने में माधव आ गया, हंसते हुए बोला, 'और खाओ रसगुल्ले!'

आस-पास के लोगों ने सारी बात समझी तो मोहन के भोलेपन पर हंस पड़े। तभी हलवाई काका मोहन को आधा किलो लड्डू देते हुए बोले, 'बेटा, रसगुल्ला ही खाना था तो मुझसे बोल देते। मैं तुम्हें सावधानी से रसगुल्ला निकालकर दे देता। ऐसे चोरी से...।'

'काका, गलती हो गई, आगे से ऐसा कभी नहीं करूंगा, सॉरी।' मोहन झेंपते हुए बोला। उधर पास खड़ा माधव हंसते हुए बोला, 'मना किया था, लेकिन तुम माने नहीं, नतीजा सामने है!' *

तुम्हारे लिए नई किताब / अखिलेश श्रीवास्तव चमन

प्यारी कविताओं का संग्रह

बच्चो, बाल साहित्य की लोकप्रिय विधाओं में से एक है बाल कविता। तुमको कविताएं पढ़ने में खूब मजा आता है न! बाल कविता अगर लय, तुक, ताल, छंद से सजी हो तो फिर बात सोने पे सुहागा वाली हो जाती है। 'चंदा थाली में' हाल में छपकर आई बाल कविताओं की एक ऐसी ही किताब है। इसके रचनाकार हैं प्रसिद्ध गीतकार, गजलकार नरेंद्र भूषण। इस किताब में कुल अट्ठाइस कविताएं संग्रहित हैं। सभी कविताओं के विषय बच्चों के परिवेश और रुचियों के अनुसार लिए गए हैं, जैसे- चंदा मामा, बादल, टॉफी, चींटी रानी, घड़ी, मोबाइल, पेड़, नदी, सूरज, इंद्रधनुष, नील गगन आदि।

संग्रह की सभी कविताएं गेय (गाने योग्य) और आसानी से याद किए जाने योग्य हैं। जैसे- 'चंदा नभ में आया देखो, तारों को संग लाया देखो।' या 'नदी बह रही कल-कल, कल-कल, हम सब तक पहुंचाती है जल।' या फिर 'मेरे छत पर आती चिड़िया, चूं-चूं गीत सुनाती चिड़िया।' ये पंक्तियां तुम्हें पढ़ते-पढ़ते ही याद हो जाएंगी। कविताओं की भाषा सहज, सरल और प्रवाहमय है। यह पूरी पुस्तक बहुरंगी है। हर कविता के साथ उसके विषय वस्तु के अनुरूप आकर्षक रंगीन चित्र बने हैं, जो पुस्तक की सुंदरता में चार चांद लगा देते हैं। *

किताब : चंदा थाली में (बाल कविता संग्रह), **लेखक :** नरेंद्र भूषण, **मूल्य :** 250 रुपए, **प्रकाशक :** अभिराम प्रकाशन, लखनऊ

हंसगुल्ले

चिंटू: जो कार को ड्राइव करता है, उसे क्या कहते हैं?
मिंटू: कार ड्राइवर।
चिंटू: जो कार रिपेयर करता है, उसे क्या कहते हैं?
मिंटू: कार मैकेनिक।
चिंटू: और जो कार को पेंट करता है, उसे?
मिंटू (कुछ देर सोचने के बाद): कारपेंटर!

-रजनी, दिल्ली

सोनू: बताओ, समांतर रेखाएं एक-दूसरे को क्यों नहीं काटती हैं?
मोनू: क्योंकि उनके दांत नहीं होते।

-कुशल, रोहतक

जीके क्विज-215

1. फीफा (फुटबॉल) वर्ल्ड कप-2026 का फाइनल मुकाबला किस देश ने जीता?
2. हाल में ही विंबलडन 2026 पुरुष एकल का खिताब किसने जीता?
3. हाल में ही लॉन्च किए गए भारत के पहले प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट का नाम क्या है?
4. असम की राजधानी कहां है?
5. देश के वर्तमान उपराष्ट्रपति का क्या नाम है?
6. चाणक्य को अन्य किस नाम से जाना जाता था?
7. 31 जुलाई को किस प्रसिद्ध हिंदी लेखक की जयंती मनाते हैं?
8. भारत में सोयाबीन का उत्पादन सबसे अधिक किस राज्य में होता है?
9. 'स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है' का नारा किस स्वतंत्रता सेनानी ने दिया था?
10. कारगिल विजय दिवस कब मनाते हैं?

बच्चो, जीके क्विज-215 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-214 का उत्तर : 1. अश्वथ एस , 2. 23.5 डिग्री, 3.ऑस्ट्रेलिया, 4.नितिन गडकरी, 5.H_2O, 6.लुंबिनी (नेपाल), 7.फीमर, 8.गंगा डॉल्फिन, 9.आईएनएस महेंद्रगिरि, 10.मुंडकोपनिषद

जीके क्विज-214 का सही उत्तर देने वाले : मन्नत-कैथल, जिया शिया-रायगढ़, नीटू-बैकुंठपुर, मान्या-दिल्ली, ज्योति-रायगढ़, ऊर्जस्वी-सारंगढ़-बिलाईगढ़, कबीर-हिसार, तुषार-रायपुर, तेजस्वी-दुर्ग, कशिश-रोहतक, सचिन-बिलासपुर

कहानी
अलका जैन 'आराधना'

राजू अपनी रंग- बिरंगी छतरी सब्जी वाले के यहां भूल आया था। लेकिन रास्ते में जब उसे एक लड़की के पास वैसी ही रंग- बिरंगी छतरी दिखी तो उसने उससे छीन ली। राजू घर पहुंचा तो पता चला बच्ची से छीनी छतरी उसकी नहीं, बच्ची की ही थी। तो फिर राजू की छतरी कहां गई, क्या उसे अपनी प्यारी रंग-बिरंगी छतरी मिल पाई?

रंग-बिरंगी छतरी

राजू को बारिश में भीगने का बड़ा शौक था। लेकिन मम्मी उसे बारिश में भीगने ही नहीं देती थीं। उस दिन राजू ने मम्मी से कहा,'प्लीज मम्मी, आज तो भीगने दो। देखो ना कितनी प्यारी बारिश हो रही है।'

'नहीं बेटा, तुम्हारी तबीयत खराब हो जाएगी। फिर स्कूल नहीं जा पाओगे और ढेर सारा होमवर्क इकट्ठा हो जाएगा। फिर टीचर की डांट भी सुननी पड़ेगी।' मम्मी ने राजू की बात नहीं मानी।

'पर मम्मी, मैं सारा होमवर्क कर लूंगा और तबीयत क्यों खराब होगी। मैं तो सुपरबॉय हूं।' राजू ने मम्मी को मनाने की कोशिश की, फिर भी मम्मी ने हां नहीं की।

एक दिन मम्मी ने कहा, 'राजू बेटा, बाजार से एक किलो आलू ले आओ।'

राजू ने पैसे जेब में रखे और बाहर निकलने लगा, तभी मम्मी ने रोका, बोलीं, 'ये लो थैला और साथ में छतरी भी लेते जाओ, क्या पता कब बारिश आ जाए? लेकिन ध्यान रखना, कहीं छतरी सब्जी वाले के पास भूल मत आना।'

राजू एक हाथ में थैला और एक हाथ में अपनी प्यारी रंग-बिरंगी छतरी लेकर आलू लेने चल पड़ा। रास्ते में उसे एक छोटी बच्ची दिखी। वो इधर-उधर कुछ ढूंढ रही थी। राजू ने उसे देखा और आगे बढ़ गया। उसने जल्दी से आलू लिए और वापस घर की ओर चल दिया। कुछ दूर आया ही था कि उसे याद आया कि अपनी छतरी तो सब्जी वाले के पास ही छोड़ आया है। राजू भागा-भागा वापस सब्जी वाले के पास गया, लेकिन वहां छतरी नहीं थी।

राजू को समझ में नहीं आ रहा था कि अब क्या करे? उसे मम्मी की डांट का डर सता रहा था। वह धीरे-धीरे घर की तरफ बढ़ने लगा। तभी उसकी नजर उसी बच्ची पर पड़ी, जिसके हाथ में ठीक वैसी ही रंग-बिरंगी छतरी थी, जैसी उसकी थी। राजू भागकर उसके पास गया, बोला, 'अरे! यह तो मेरी छतरी है। मुझे वापस दो।'

बच्ची चौंकी, 'यह छतरी तुम्हारी कैसे है, यह तो मेरी है।'

'पर जब मैंने तुम्हें पहले देखा था तब तुम्हारे हाथ में कोई छतरी नहीं थी। और अब जो छतरी तुम्हारे पास है, वह मेरी है।' राजू ने कहा। बच्ची दृढ़ता से बोली, 'मैं सच कह रही हूं। यह मेरी छतरी है।'

राजू ने बिना कुछ सुने उसके हाथ से छतरी छीन ली और घर की ओर भाग गया। घर पहुंच कर उसने मम्मी को सब्जी वाले के पास छतरी छूटने की बात बताई, यह भी बताया,'मम्मी, एक बच्ची मेरी छतरी लेकर भाग रही थी। मैंने उससे अपनी छतरी छीन ली।' मम्मी ने डांटा, 'मैंने कहा था न कि छतरी संभाल कर रखना।'

राजू चुपचाप अपने कमरे में चला गया। अपनी फेवरेट छतरी को एक कोने में रखकर वह अपना स्कूल होमवर्क करने लगा। तभी बाहर दरवाजे की घंटी बजी। राजू ने देखा, मम्मी किसी आंटी से हंस-हंस कर बात कर रही थीं। उसे आंटी की आवाज सुनाई दी, 'अजीब बात है। मेरी बच्ची बाहर अपना खोया कंगन ढूंढ रही थी। उसी वक्त कोई लड़का आया और उसकी छतरी छीन कर भाग गया।'

मम्मी ने पूछा, 'क्या वो रंग-बिरंगी छतरी थी?' 'हां बिल्कुल वो रंग-बिरंगी छतरी थी, उसकी सबसे पसंदीदा थी।' उन आंटी ने बताया।

मम्मी तेजी से राजू के कमरे में गईं। उन्होंने राजू की रखी छतरी उठानी चाही। राजू ने मम्मी को रोका, 'मम्मी, यह मेरी ही छतरी है।'

मम्मी ने छतरी लेकर आंटी को दिखाई, 'क्या यह वही छतरी है?'

'हां- हां यही है पर यह आपके पास कैसे आई?' आंटी ने आश्चर्य से पूछा।

मम्मी ने सारी बात बताई और बोलीं, 'शायद मेरे बेटे को कोई गलतफहमी हो गई थी। उसने सोचा यह उसकी छतरी है।'

आंटी मुस्कुराते हुए बोलीं, 'कोई बात नहीं। बच्चों से ऐसी गलतियां हो ही जाती हैं।'

उसी वक्त फिर घंटी बजी। दरवाजा खोला तो राजू का दोस्त बबलू खड़ा था। उसके हाथ में भी एक रंग-बिरंगी छतरी थी। बबलू बोला, 'आंटी, यह राजू की छतरी है। मैंने उसे सब्जी वाले के पास छतरी छोड़कर आते देखा था। आवाज दी पर उसने सुना नहीं। मैंने सब्जी वाले से छतरी ले ली। अब देने आया हूं।'

मम्मी हंस पड़ीं, 'तो इसका मतलब राजू को सच में गलत फहमी हो गई थी। चलो दोनों छतरियां मिल गईं।'

राजू शर्मिंदा-सा बाहर आया। आंटी से बोला, 'सॉरी आंटी। मैंने बिना सोचे-समझे आपकी बेटी से छतरी ले ली।'

आंटी उसके सिर पर हाथ फेरते हुए बोलीं, 'कोई बात नहीं बेटा। गलती मान लेना ही सबसे बड़ी बात है।'

राजू तुरंत अपने कमरे में जाकर एक चॉकलेट लेकर आया और बोला, 'आंटी, यह मेरी तरफ से आपकी बेटी के लिए। सॉरी बोल दीजिएगा।'

आंटी बोलीं, 'शाम को वो पार्क में खेलने आएगी। तुम वहीं मिलकर उसे अपने हाथों से चॉकलेट देकर सॉरी बोलकर दोस्ती कर लेना।'

राजू मन ही मन खुश हुआ। उसकी प्यारी छतरी मिल गई थी। साथ ही एक नई दोस्ती का रास्ता भी बन गया था। *

कविता
राजा चौरसिया

वर्षा आई रे

रिमझिम-रिमझिम, झड़ी, झमाझम
वर्षा आई रे!
सबकी खुशी इकाई से
हो गई दहाई रे!
गर्मी भागी पूंछ दबाए
सूरज लुकाछिपी करते हैं।
सब दिन नहीं एक से रहते
बात ध्यान में सब धरते हैं।
कारे-कजरारे बादल
दे रहे दिखाई रे।
सबकी खुशी इकाई से
हो गई दहाई रे!
सभी ओर नदियों, नालों में
भरा हुआ पानी ही पानी।
अपनी सौंधी गंध बिखेरे
धरती आज हो गई धानी।
मोर नाचकर जंगल को
दे रहे बधाई रे!
सबकी खुशी इकाई से
हो गई दहाई रे!

अंतर बताओ

बच्चो, यहां दिए गए दोनों चित्रों में एक मेंढक, कीट-पतंगों का शिकार कर रहा है। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम जल्दी से इन दोनों चित्रों में पांच अंतर ढूंढ कर बताओ।

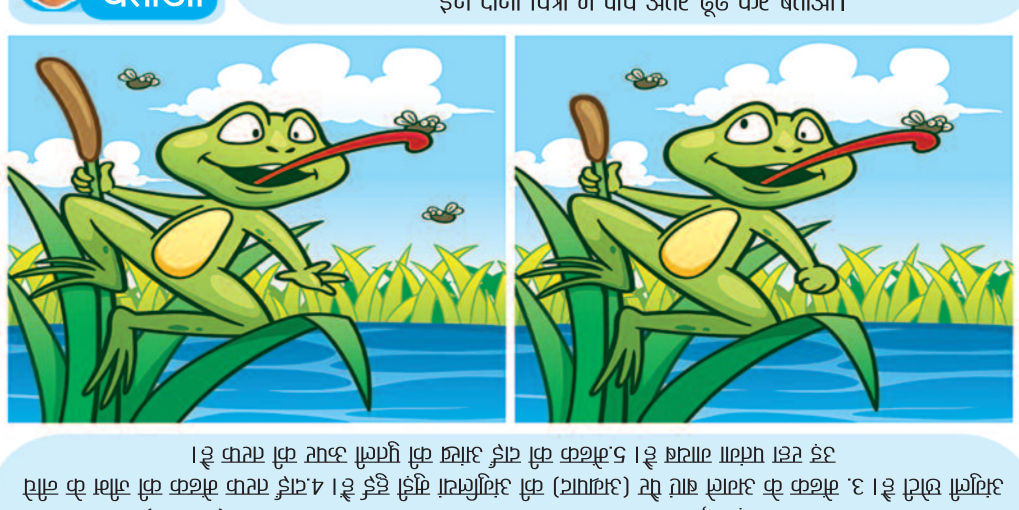

उत्तर: 1.मेंढक ने जो डाल पकड़ी है, उस पर लगा फल छोटा है। 2. मेंढक के निचले बाएं पैर (पश्चपाद) की बीच वाली अंगुली छोटी है। 3. मेंढक के अगले बाए पैर (अग्रपाद) की अंगुलियां मुड़ी हुई हैं। 4.दाईं तरफ मेंढक की जीभ के नीचे उड़ रहा पतंगा गायब है। 5.मेंढक की दाईं आंख की पुतली ऊपर की तरफ है।

रास्ता बताओ

बच्चो, यहां दिए गए चित्र में एक मधुमक्खी को फूलों तक पहुंचना है। लेकिन फूलों तक पहुंचने का रास्ता जरा टेढ़ा-मेढ़ा है। मधुमक्खी को फूलों तक पहुंचने का सही रास्ता बताओ तो जरा।

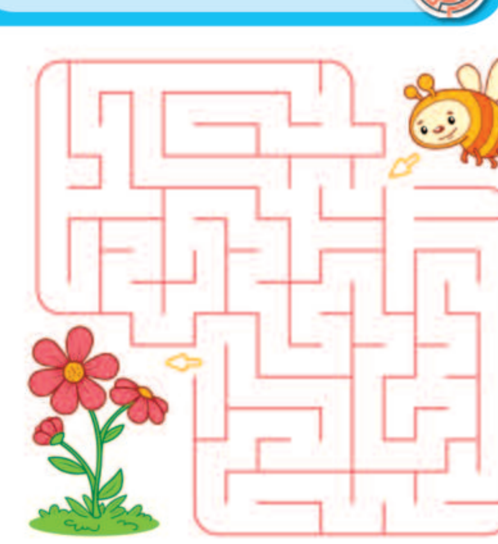

गुजरात के हनीफ खान केस में बड़ा फैसला

अपराधी और उसके बेटे की मौत, सात पुलिसकर्मियों पर चलेगा हत्या का केस

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

गुजरात के सुरेंद्रनगर की एक अदालत ने वांछित अपराधी हनीफ खान मलिक और उसके नाबालिग बेटे की पुलिस कार्रवाई में हुई मौत के मामले में एसआईटी की क्लोजर रिपोर्ट खारिज कर दी। अदालत ने सात पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या व आपराधिक साजिश का मामला दर्ज करने का आदेश दिया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी केपी शर्मा की अदालत ने 18 जुलाई को यह आदेश दिया। साथ ही सभी पुलिसकर्मियों को समन जारी कर 8 अगस्त को अदालत में उपस्थित होने को कहा गया है।

अदालत ने एसआईटी की क्लोजर रिपोर्ट की अस्वीकार

क्या है पूरा मामला?

पुलिस टीम ने 6 नवंबर 2021 को दसादा तालुका के गेडिया गांव में हनीफ खान और उसके नाबालिग बेटे को गोली मार दी थी। पुलिस ने किया दावा था कि गिरफ्तारी के दौरान भीड़ ने हमला किया था और आत्मरक्षा में उसे गोली चलानी पड़ी। हनीफ खान की पत्नी सोहनाबेन ने आरोप लगाया कि पुलिस ने बिना किसी उकसावे के अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें उनके पति और नाबालिग बेटे की मौत हो गई।

एसआईटी ने दाखिल की थी सी-समरी रिपोर्ट

मई 2025 में अदालत के आदेश पर सात पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई और मामले की जांच के लिए एसआईटी बनाई गई। एसआईटी ने दो महीने बाद अदालत में सी-समरी रिपोर्ट दाखिल की। ऐसी रिपोर्ट तब दी जाती है, जब जांच एजेंसी यह निष्कर्ष निकाले कि मामला न पूरी तरह सही है और न ही पूरी तरह गलत। सोहनाबेन ने इस रिपोर्ट को चुनौती देते हुए कहा कि यह आरोपी पुलिसकर्मियों को बचाने की कोशिश है।

फोरेंसिक रिपोर्ट में पुलिस के दावों की खुली पोल

याचिकाकर्ता के वकील पुनीत दवे ने बताया कि अदालत के सामने प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और फोरेंसिक (एफएसएल) रिपोर्ट पेश की गई। अदालत ने इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर तत्कालीन पुलिस सब-इंस्पेक्टर वीएन जडेजा समेत सात पुलिसकर्मियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और धारा 114 (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज करने का आदेश दिया। वकील ने कहा कि गवाहों के बयान और एफएसएल रिपोर्ट से पुलिस के आत्मरक्षा में गोली चलाने के दावे का कोई स्पष्ट समर्थन नहीं मिलता।

छात्रों के व्हाट्सएप ग्रुप में भेजा था प्रश्नपत्र

यूटीयू सेमेस्टर परीक्षा का पेपर लीक करने वाला प्रोफेसर अरेस्ट

एजेंसी ▶▶| देहरादून

उत्तराखंड टेक्निकल यूनिवर्सिटी की सेमेस्टर परीक्षा से पहले छात्रों को परीक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न साझा करने के मामले में दून पुलिस ने एक सहायक प्रोफेसर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आशीष कुमार गुप्ता के रूप में हुई है, जो शिवालिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, झाझरा में सहायक प्रोफेसर के पद पर तैनात है। पुलिस आरोपी से बरामद उपकरणों की जांच कर रही है। साथ ही इस मामले में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि साक्ष्य मिलने पर अन्य आरोपियों के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ई-मेल के माध्यम से मिली थी शिकायत

पुलिस के मुताबिक, 8 जुलाई 2026 को आयोजित यूटीयू की सेमेस्टर परीक्षा को लेकर विश्वविद्यालय को एक ई-मेल के माध्यम से शिकायत मिली थी। इसमें बताया गया कि परीक्षा से पहले 3 जुलाई को सहायक प्रोफेसर ने व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न छात्रों के साथ साझा किए थे।

गठित की गई थी आंतरिक जांच समिति

परीक्षा के बाद जब इन प्रश्नों का मिलान प्रश्नपत्र से किया गया तो उनमें काफी समानता पाई गई। इसके बाद विश्वविद्यालय ने मामले की जांच के लिए आंतरिक जांच समिति गठित की। जांच में सामने आया कि आरोपी सहायक प्रोफेसर ने परीक्षा से पहले छात्रों के आंतरिक पोर्टल और व्हाट्सएप के माध्यम से परीक्षा से संबंधित समान प्रश्न साझा किए थे।

विवि परीक्षा प्रणाली की गोपनीयता की भंग

आरोप है कि आशीष कुमार गुप्ता ने छात्रों को अनुचित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली की गोपनीयता भंग की। परीक्षा नियंत्रक डॉक्टर विनय कुमार पटेल की तहरीर पर कोतवाली प्रेमनगर में मुकदमा संख्या 144/26 दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

आरोपी सहायक प्रोफेसर हुआ गिरफ्तार

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी देहरादून ने पुलिस अधिकारियों को तेजी से साक्ष्य जुटाकर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। जांच के दौरान गवाहों के बयान, दस्तावेजी साक्ष्य और अन्य प्रमाणों के आधार पर पुलिस ने नामजद आरोपी आशीष कुमार गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया।

जैकेट के शेष

नए आपराधिक कानून ....

अधिकारी तथा प्रदेश के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक (एसपी) शामिल होंगे। इस दौरान नए कानूनों के क्रियान्वयन की समीक्षा के साथ पुलिस अधिकारियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

दो वर्षों के अनुभवों ....

साथ ही यह भी देखा जाएगा त्वरित, पारदर्शी और तकनीक आधारित आपराधिक न्याय प्रणाली को लागू करने में राज्य कितना सफल रहा है।

पुलिस अधिकारियों ....

के अधिकार, चार्जशीट की समयबद्ध तैयारी तथा अभियोजन के साथ समन्वय जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा।

पेपर लीक पर ....

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, हमारा सबसे महत्वपूर्ण जिम्मा था कि विद्यार्थियों का एक वर्ष बर्बाद न हो। तत्काल परीक्षाएं लेना बहुत जरूरी था। सरकार ने अपनी पूरी शक्ति का उपयोग करके कम से कम समय में 22 लाख विद्यार्थियों की परीक्षा हो जाए। इसका प्रबंध किया जाए। और अभी पांच-छह दिन पहले रिजल्ट भी आ गया और देश भर में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों की खुशियों की खबरें भी आ रही है। उन्होंने आगे कहा, लेकिन, हम वहां संतोष मानने वालों में से नहीं हैं। इसलिए मैंने आज फास्ट ट्रैक कोर्ट के लिए विभागों को निर्देश दिए। आज विभागों ने लगातार मेहनत करके देर रात मुझे मसौदा भी दे दिया। फास्ट ट्रैक कोर्ट और कठोर सजा के प्रावधान के मसौदा पर आज कैबिनेट में चर्चा होगी। कैबिनेट के साथियों के सुझाव के बाद उसको अंतिम रूप दिया जाएगा। और सोमवार से संसद का दूसरा सप्ताह शुरु हो रहा है तब जल्द से जल्द उस बिल को सदन में पारित कराने का प्रयास किया जाएगा।

विपक्ष छात्रों के साथ : राहुल....

घेरने की रणनीति पर चर्चा हो हुई। बैठक में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सांसद संजय यादव और सुधाकर सिंह, मीसा भारती, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल होने पहुंचे। इस बीच, राहुल गांधी के आवास के बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। आने-जाने वालों पर नजर रखी जा रही है।

कांग्रेसियों पर एफआईआर ....

कार्यक्रम के विरोध में राजीव भवन के सामने प्रदर्शन करने की घोषणा की थी। इसे देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने खम्हारडीह थाना, पुलिस लाइन तथा अन्य थानों के पुलिस बल की तैनाती की गई थी। इसी दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से नारेबाजी करते हुए बैरिकेडिंग की ओर बढ़े। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी नहीं रुके और पुलिस से उलझ गए। एफआईआर के मुताबिक समझाइश के बावजूद प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और पुलिस अधिकारियों व जवानों के साथ धक्का मुक्की करते हुए अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने एकजुट होकर कांच की बोतलें, पत्थर, लकड़ियां और जूते पुलिस बल पर फेंके। इस दौरान पीएसआई देवराज सिंह के सिर पर चोट लगी, जबकि महिला आरक्षक सीमा बंजारे के हाथ में गंभीर चोट आई। इसके अलावा ड्यूटी में तैनात पुलिस जवान चोटिल हुए।

एक लाख रुपए ....

मूल पदस्थापना सीएमएचओ कार्यालय पोरथा, जिला सक्ती में है। फरवरी 2026 से वह जिला अस्पताल सक्ती में कार्यरत है, लेकिन मई और जून 2026 का पे-डेटा सीएमएचओ कार्यालय नहीं भेजा जा रहा था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. संतोष कुमार पटेल ने फरवरी से जून 2026 तक के पांच माह के हिसाब से 20-20 हजार प्रति माह, यानी कुल 1 लाख की रिश्वत मांगी। रिश्वत मिलने के बाद ही पे-डेटा सीएमएचओ कार्यालय भेजे जाने की बात कही गई थी। एसीबी बिलासपुर ने शिकायत का सत्यापन कराया, जिसमें आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए। इसके बाद ट्रैप की योजना तैयार की गई। आरोपी ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की रकम लेकर अपने अस्थायी निवास डभरा बुलाया।

10 हजार की घूस ....

लेते हुए महिला प्रधान आरक्षक के कब्जे से 5-5 सौ के 20 नोट बरामद किया जिसे उसने बतौर रिश्वत ट्रैक्टर मालिक से लिया था। जानकारी के मुताबिक सड़क दुर्घटना के मामले में कोड़ेनार पुलिस ने ट्रैक्टर जब्त किया था। बाद में न्यायालय ने ट्रैक्टर मालिक बंगालु यादव के पक्ष में सुपुर्दनामा जारी करते हुए वाहन सौंपने का आदेश दिया था।

तेलंगाना : सरकारी इंजीनियर से मिला 4 करोड़ का सोना 52 लाख नगद और कई फ्लैट

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

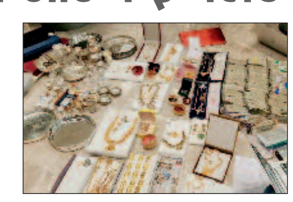

तेलंगाना में एक सरकारी इंजीनियर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो ने छापेमार कार्रवाई की। इस दौरान इंजीनियर के पास अकूत संपत्ति होने का खुलासा हुआ है। तलाशी के दौरान कथित तौर पर 100-150 करोड़ रुपये के अनुमानित बाजार मूल्य की संपत्ति बरामद की गई है। इनमें सोना-चांदी, नगदी और कई फ्लैट और जमीनों के दस्तावेज शामिल हैं। इंजीनियर को गिरफ्तार कर लिया गया है। रमना के नाम पर सेरिलिंगमपल्ली और कुकटपल्ली में 4 फ्लैट हैं, जिनकी कीमत 1.23 करोड़ रुपये है। इसके अलावा कुकटपल्ली के अंजनेया नगर में 160 स्क्वायर यार्ड में फैली 4 मंजिला वाणिज्यिक इमारत भी है, जिसकी कीमत 1.82 करोड़ रुपये और सेरिलिंगमपल्ली के गुट्टाला बेगमपेट में 2.90 करोड़ कीमत की 5 मंजिला इमारत है। रमना ने पत्नी के नाम पर रियल एस्टेट में निवेश किया है। 10 बन रहे अपार्टमेंट में लगभग 20 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा असम पुलिस के सामने पेश हुए

गुवाहाटी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा बृहस्पतिवार को असम पुलिस की अपराध शाखा के सामने पेश हुए। यह मामला मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी की ओर से दर्ज कराया गया था। खेड़ा ने प्रेसवार्ता में आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री शर्मा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और देश के बाहर संपत्ति है। इसके बाद खेड़ा के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। राज्यसभा सदस्य खेड़ा तीसरी बार पुलिस के सामने पूछताछ के लिए पहुंचे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद महासमुन्द, जिला-महासमुन्द छ.ग.

क्रमांक/1311/ लो.नि.वि./न.पं./2026-27 महासमुन्द, दिनांक- 23/07/2026

// संशोधित मैन्यूअल निविदा आमंत्रण सूचना //

नगरपालिका परिषद् महासमुन्द के अधीन निम्न निर्माण कार्य हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से मैन्यूअल निविदा प्रपत्र "A" एवं "ABC" में छ.ग. लोक निर्माण विभाग मे प्रचलित भवन एस.ओ.आर. 01.01.2015, सड़क एस.ओ.आर. 01.01.2025 प्रचलित दर अनुसूची के आधार पर प्रतिशत दर पर आमंत्रित की जाती है :-

01. निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय - 13.08.2026 समय 5.30 बजे
01. निविदा खोलने की तिथि एवं समय - 14.08.2026 समय 4.00 बजे

नोट :- कार्यों की सूची एवं विस्तृत जानकारी कार्यालय के नोटिस बोर्ड एवं शासन के वेबसाइड www.uad.cg.gov.in में अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद महासमुन्द

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर
जिला- जाजंगीर-चाम्पा (छ.ग.)

शुद्धि पत्र क्र. 1

निविदा सूचना क्र. 07/व.ले.लि. / 2026.27 जांजगीर, दिनांक 13.07.2026 निविदा सिस्टम नं. 195256 (द्वितीय आमंत्रण), निविदा सूचना क्र. 08/ व.ले.लि. / 2026.27 जांजगीर, दिनांक 13.07.2026 निविदा सिस्टम नं. 195259 (द्वितीय आमंत्रण) एवं निविदा सूचना क्र. 09/व.ले.लि. /2026-27 जांजगीर, दिनांक 13.07.2026 निविदा सिस्टम नं. 195260 (द्वितीय आमंत्रण) जिसका जी. क्र. 262702107 दिनांक 15.07.2026 में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है-

स.क्र.	विवरण	पूर्व प्रसारित दिनांक	संशोधित दिनांक
1	Bid Start Date & time	20.07.2026, 17:31 Hours	24.07.2026, 17:31 Hours
2	Bid Due Date & time	30.07.2026, 17:30 Hours	07.08.2026, 17:30 Hours
3	Bid Open, Start Date & time	31.07.2026, 11:30 Hours	08.07.2026, 11:30 Hours

नोटः- निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

कार्यपालन अभियंता
हसदेव नहर जल प्रबंध संभाग, जांजगीर
जिला-जांजगीर- चाम्पा (छ.ग.)

G-262702329/6

कार्यालय, नगरपालिका परिषद महासमुन्द जिला-महासमुन्द (छ.ग.)
Tele Phone No- 07723-224985, Email ID- nppmahasamund@gmail.com

क्र. / 1309 / न.पा. / लो.नि.शा. / 2026-27 महासमुन्द दिनांक 23.07.2026

// निविदा निरस्त सूचना //

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि कार्यालयीन पत्र क्र. / 1246 / न.पा / लो.नि.वि. / 2026-27 महासमुन्द दिनांक 17.07.2026 द्वारा नगर पालिका परिषद महासमुन्द में मैन्युअल निविदा आमंत्रित की गई है, जिसे तकनीकी कारणों से निरस्त किया जाता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद महासमुन्द

कार्यालय नगर पालिक निगम रायगढ़
जिला-रायगढ़ (छ.ग.)
E-mail :corporationraigarh@gmail.com
Phone No:- 07762-222911

क्रमांक 1827 / जल वि./न.पा.नि./ 2026 रायगढ़, दिनांक 22/07/2026

-: द्वितीय ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना :-

नगर पालिक निगम रायगढ़ के बोरवेल एवं हेण्ड पंप के पास रेन वाटर हार्वेस्टिंग हेतु रिचार्ज पिट निर्माण कार्य, कार्य की लागत राशि 20.00/- लाख रु., अमानत राशि 15,000.00/- रु., निविदा प्रपत्र शुल्क 750.00/- रू. हेतु प्रचलित SOR (CG PHE SOR 2020, Amendment No. 07/2022) से कम/अधिक अथवा समान दर पर सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों (डी वर्ग या उससे ऊपर) से निविदा प्रपत्र "अ" में देय होगा। उपरोक्त कार्य की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी System Tender No. 195985 ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.govt.in/WWW.nagarnigamraigarh.com /uad.cg.gov.in से देखी जा सकती है, निविदा प्रपत्र के साथ निर्धारित प्रपत्र शुल्क डी.डी. के माध्यम से एवं अन्य दस्तावेज दिनांक 10.08.26 अपरान्ह 04.30 बजे तक स्पीडपोस्ट / पंजीकृत डाक से मुहर बंद पद्धति से आमंत्रित की जाती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम रायगढ़ (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड कांकेर
जिला उत्तर बस्तर कांकेर छ.ग.

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत सक्षम ठेकेदारों से निम्नांकित कार्य हेतु प्रपत्र "ए" में निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम :- कांकेर जिले के निम्नांकित ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत सिंगल विलेज एवं सोलर से जल प्रदाय योजना निर्माण कार्य ।

क्र.	निविदा क्रमांक / सिस्टम टेण्डर क्रमांक	योजना का नाम	विकासखण्ड	अनुमानित लागत
1	2	3	4	5
1	932/195956	टेकामेटा	कोयलीबेड़ा	12.49 लाख
2	933/195962	आमागुहान	दुर्गूकोंदल	51.66 लाख
3	934/195972	ओटेकसा	दुर्गूकोंदल	71.65 लाख
4	935/195975	ओंगेरा	कोयलीबेड़ा	10.92 लाख
5	936/195977	गोर्वधन	कांकेर	34.67 लाख

निविदा की समान्य शर्ते एवं एवं विस्तृत विवरण तथा अन्य जानकारी वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.inपर दर्शित है। उपरोक्त सम्पूर्ण निविदाओं की निविदा तिथि 22.07.2026 है तथा उक्त निविदाओं को दिनांक 23.07.2026 से 13.08.2026 तक भरी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड कांकेर
जिला - उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

G-262702311/5

Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya,
Krishak Nagar, Raipur - 492 012 (CG)
DIRECTORATE OF INSTRUCTIONS

No./ V.V. Store/16 /2026 / 1509 **Raipur, Dated: 23.07.2026**

PG Admission Notice 2026-27

Online applications are invited for admission to Post Graduate programmes of this Vishwavidyalaya in the Faculty of Agriculture/ Horticulture/Agricultural Engineering on the basis of merit list of PG-CET-2026. The application form along with all other details will be available on the web link https://igkv.ac.in from 24/07/2026. The last date of filling online application is 05/08/2026. All interested candidates who are in merit list are advised to visit the web link and fill the online application form within the stipulated time.

S-48534/1 **REGISTRAR**

पेज एक के शेष

छग के बांधों में राहत की मूसलाधार...

विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 12 प्रमुख जलाशयों की कुल लाइव क्षमता 5355.709 क्यूमेक है, जिसमें 3777.550 क्यूमेक पानी मौजूद है। प्रमुख जलाशयों में जलभराव 70.53 प्रतिशत है, जबकि 2025 में यह 42.40 प्रतिशत और 2024 में 53.12 प्रतिशत था। वहीं 34 मध्यम जलाशयों की कुल लाइव क्षमता 1004.519 क्यूमेक के मुकाबले 556.940 क्यूमेक पानी उपलब्ध है। इन जलाशयों में 55.44 प्रतिशत जलभराव दर्ज किया गया है। पिछले वर्ष यह 42.88 प्रतिशत था।

आधा दर्जन बांधों से छोड़ा जा रहा पानी : केलो बांध (रायगढ़): लगातार बारिश के कारण जलस्तर बढ़ने से इसके 4 गेट खोलकर पानी छोड़ा गया है। घुनघुट्टा बांध (सरगुजा): भारी बारिश से बांध के लबालब भरने के बाद इसके गेट खोले गए। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में लगातार बारिश के बीच कर्रा नाला बांध का गेट टूटने से लीलागर नदी उफान पर आ गई। वहीं मोगरा बैराज, मुरुमसिल्ली, पारलकोट, मयाना से छोड़ा जा रहा है। स्पिलवे के जरिए सुखा नाला बैराज, राजनांदगांव से से पानी छोड़ा जा रहा है।

रपटा, पुलिया व ...

बलरामपुर जिले के राजपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत दलिया के आश्रित ग्राम माकड़ के कोदो कुमनी नाले पर बना रपटा कम पुलिया पानी के तेज बहाव में बह गया। जिससे क्षेत्र के करीब सोलह-सत्रह गांवों का संपर्क पिछले तीन दिनों से मुख्यालय से कटा हुआ है। स्कूली बच्चे व ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर स्कूल व अन्य गंतव्य तक जा रहे है। वही दूसरी ओर भारी बारिश से बलरामपुर जिले के ही चांदो-सामरी मार्ग के बह जाने से आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। भारी बारिश के कारण कंठी घाट पर चल रहे निर्माण कार्य एवं लगातार हो रहे कटाव की वजह से यह मार्ग बेहद खतरनाक हो गया है। नतीजन जिला प्रशासन ने स्वतः ही संज्ञान लेते हुए इस मार्ग पर आवाजाही को पूरी तरह से रोक दिया है। इधर एनएच 343 के निर्माणाधीन होने की वजह से यह मार्ग पूरी तरह से कीचड़, जाम की वजह से लगभग चार दिनों से बंद है। लोगों को लगभग 150 किलोमीटर की दूरी तय कर दूसरे रास्ते का सहारा लेना पड़ रहा है। कुल मिलाकर तेज बारिश से जिले के कई हिस्से मुख्यालय के संपर्क से कट गए है। आज दूसरे पहर से बारिश के रूकने से लोगों को राहत की उम्मीद नजर आ रही है।

पेड़ से भिड़ी कार...

क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और भिलाई नगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और 112 की टीम ने दोनों युवकों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बाद में दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला स्थित मर्चुरी भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान दीपक गुप्ता (23 वर्ष) पिता राजबली गुप्ता, निवासी सड़क-50, क्वार्टर 8/एफ, सेक्टर-6 भिलाई तथा कौशिक दास (15 वर्ष) पिता स्वर्गीय चंदन दास, निवासी सड़क-33, मकान नंबर 3/ए, सेक्टर-6 भिलाई के रूप में हुई है।

सीसीटीवी देख रही पुलिस : दुर्घटना का वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। भिलाई नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही अन्य तकनीकी साक्ष्य भी जुटा रही है, ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके। इस हादसे के बाद सेक्टर-6 क्षेत्र में शोक का माहौल है। एक ही क्षेत्र के दो युवकों की असमय मौत से परिजनों और स्थानीय लोगों में गहरा दुख व्याप्त है।

बिजली खंभे से टकराई ...

बन्धियापारा निवासी रंजीत सिंह पाटिल अपने परिवार के सदस्यों के साथ चिपरा गांव में चौथिया कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम के बाद सभी लोग स्विफ्ट कार क्रमांक सीजी 07 बीएम 1040 से वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान दल्लीराजहरा के मेन रोड कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे में शारदा पाटिल 23 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया है कि युवती बिलासपुर में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थी। जबकि परिवार के पांच अन्य सदस्य घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद डायल 112 की सहायता से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। मृतका शारदा पाटिल, पुरुषोत्तम पाटिल की बेटी थी। परिवार के साथ शादी समारोह में शामिल होने आई थी। मौके पर पहुंची दल्लीराजहरा पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

नीट पेपर लीक के ...

के कारण आरोपी छूट गए थे। सीबीआई ने इसे झूठ करार दिया है। सीबीआई के अनुसार, वर्ष 2024 में बिहार पुलिस ने नीट 2024 परीक्षा के प्रश्नपत्र की चोरी का खुलासा किया था और इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्रारंभिक जांच के दौरान संदेह के आधार पर संजीव कुमार उर्फ संजीव मुखिया का नाम सामने आया था, क्योंकि उनका नाम पहले भी कुछ अन्य परीक्षा प्रश्नपत्र चोरी और लीक के मामलों में सामने आ चुका था। इसी आधार पर बिहार पुलिस ने उन्हें एफआईआर में आरोपी बनाया था।

राशिफल

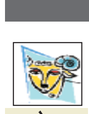
मेष कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी,स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी,संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

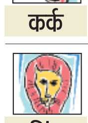
सिंह पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे,वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

शब्द पहेली - 6296

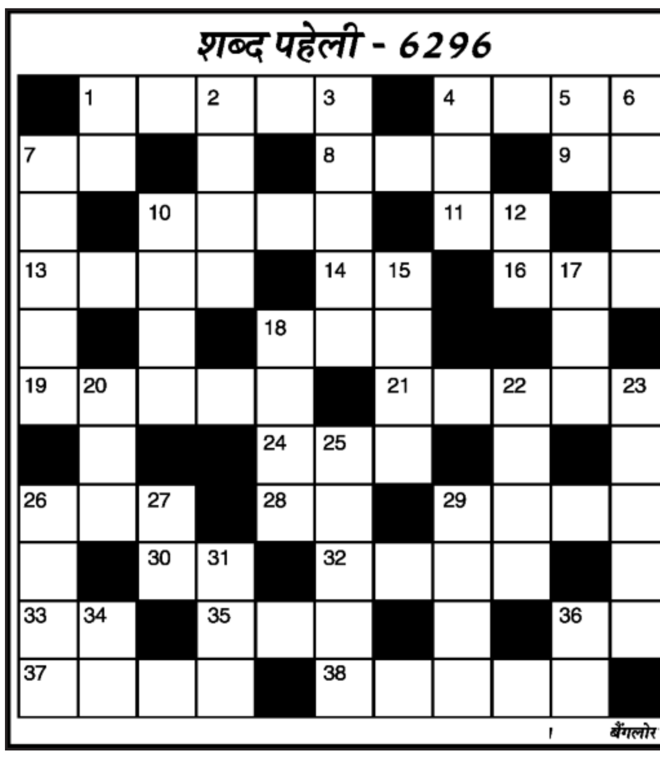

बैंगलोर

बाएँ से दाएँ
1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली- 6295 का हल

अ	र	ज	क	ता			म	वा	ली	
स	म		ल		चा	ला	न		ख	त
मा			प	ना	ह		न			म
न	ज	रा	ना			म		क	या	स
ता		व		ना	ला	य	क		प	
	प्रा	ण		म		खा		जा	न	
	रु		आ	ज	मा	ना		हि		म
स	प	ना		द			ब	ल	वा	न
र			स		ल	की	र			भा
ल	व		न	सी	ब		सा		दा	व
	ध	म	की			इ	त	मी	ना	न

सूडोकु नवताल - 6306

★★★☆☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6305 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

इन्फोसिस के लाभ में 12.2 प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सालाना आधार पर 12.2 प्रतिशत बढ़कर 7,769 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की आय 14 प्रतिशत बढ़कर 48,211 करोड़ रुपये रही। देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस ने अनुमान लगाया है कि चालू वित्त वर्ष में उसकी राजस्व वृद्धि 1.5 से तीन प्रतिशत रहेगी।

'एयरटेल मनी' होगी लंदन में सूचीबद्ध

नई दिल्ली। एयरटेल अफ्रीका ने अपने वित्तीय प्रौद्योगिकी मंच 'एयरटेल मनी' की 2026 में प्रस्तावित शेयर बाजार में सूचीबद्धता के लिए लंदन को पसंदीदा स्थान चुना है। कंपनी ने अप्रैल-जून तिमाही के वित्तीय परिणामों के साथ जारी बयान में कहा कि लंदन में सूचीबद्धता से कंपनी को अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के एक बड़े आधार तक पहुंच मिलेगी। साथ ही, यह अफ्रीका के अग्रणी वित्तीय प्रौद्योगिकी मंच में से एक 'एयरटेल मनी' के दीर्घकालिक मूल्य को बढ़ाने की उसकी रणनीति को बल मिलेगा। सीईओ सुनील तल्दार ने कहा, वृद्धि यात्रा के अगले चरण में प्रवेश करते हुए हम 2026 में एयरटेल मनी की सूचीबद्धता के लिए लंदन को पसंदीदा स्थान के रूप में रख रहे हैं।

अदाणी का 'आसमान का राजा' बनने की तैयारी! एयर इंडिया-इंडिगो को देंगे टक्कर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- अदाणी की मुंबई और दिल्ली एयरपोर्ट में 74 फीसदी हिस्सेदारी है

अदाणी ग्रुप ने सरकार से उस नियम में बदलाव की मांग की है जो देश के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट- नई दिल्ली और मुंबई-के ऑपरेटर्स को किसी शेड्यूल्ड एयरलाइन में 10 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी रखने से रोकता है। इससे एनर्जी से लेकर डिफेंस तक का कारोबार करने वाले इस ग्रुप को एयरलाइन शुरू करने और एविएशन सेक्टर में अपनी पहुंच बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस सेक्टर में ग्रुप पहले से ही आठ एयरपोर्ट चलाने के अलावा पायलट ट्रेनिंग, एयरक्राफ्ट की मरम्मत और ग्राउंड हैंडलिंग जैसे कामों में मजबूत मौजूदगी रखता है। अदाणी के पास अभी मुंबई एयरपोर्ट में 74 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि दिल्ली एयरपोर्ट में जीएमआर एयरपोर्ट्स की 74 फीसदी हिस्सेदारी है।

अदाणी ग्रुप के पास आठ एयरपोर्ट के अलावा पायलट ट्रेनिंग व एयरक्राफ्ट मरम्मत जैसे काम

करना पड़ सकता है विरोध का सामना

अदाणी ने कहा कि सरकार को यह सुझाव दिया गया था कि ऐसा नियम बनाया जाए जिससे कोई पाबंदी न हो। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अभी ग्रुप के अंदर किसी एयरलाइन को खरीदने के बारे में कोई ठोस बातचीत नहीं चल रही है। अदाणी ग्रुप ने सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। एयरलाइन अधिकारियों का कहना है कि इस ग्रुप के प्लान का घरेलू एयरलाइंस कड़ा विरोध कर सकती हैं और कॉम्पिटिशन रेगुलेटर इसकी बारीकी से जांच कर सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि इससे एयरपोर्ट तक पहुंच, खासकर स्लॉट अलॉटमेंट में, अनुचित फायदा मिल सकता है और कॉम्पिटिशन का माहौल बिगड़ सकता है।

अभी कोई पक्का फैसला नहीं : जीत अदाणी ने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग यूनिट तभी कमर्शियली कामयाब हो सकती है जब उसे प्लेन के लिए बड़ा ऑर्डर मिले। अदाणी के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि अभी कोई पक्का फैसला नहीं लिया गया है, लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि ग्रुप के लिए एयरलाइन शुरू करने में तालमेल (सिनर्जी) की संभावना है।

इंडिगो और एयर इंडिया को भी मिलेगा मौका

इंडस्ट्री के सीनियर अधिकारियों का कहना है कि अगर सरकार अदाणी के प्रस्ताव को मंजूरी देती है, तो इससे इंडिगो और एयर इंडिया जैसी एयरलाइंस को भी एयरपोर्ट में हिस्सेदारी खरीदने की इजाजत मिल जाएगी, जिससे वे अपने प्रतिद्वंद्वियों को रोक सकती हैं। एयरलाइन इंडस्ट्री के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि अदाणी ग्रुप के पास देश में आठ एयरपोर्ट हैं, जिनमें मुंबई का मुख्य एयरपोर्ट भी शामिल है। उन्होंने कहा कि अगर मकसद मोनोपॉली (एकाधिकार) को रोकना था, तो इसका उल्टा असर होगा-कोई भी एयरपोर्ट मालिक जो एयरलाइंस के साथ कॉम्पिटिशन कर रहा है, वह अपने प्रतिद्वंद्वियों को अच्छे स्लॉट पाने से रोक सकता है।

सरकार तोड़ना चाहती है एआई और इंडिगो का दबदबा

मंत्रालय सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से उस नियम में पिछली तारीख से बदलाव करने की कानूनी वैधता पर राय मांग रहा है। यह नियम 2006 में इन दोनों एयरपोर्ट्स के प्राइवेटाइजेशन के समय हुए समझौतों में शामिल किया गया था। ऐसे किसी भी बदलाव के लिए कैबिनेट की मंजूरी जरूरी होगी। सीनियर अधिकारियों ने कहा कि केंद्र सरकार शायद एक अच्छी-खासी फंडिंग वाली एयरलाइन ऑपरेटर चाहती है जो इंडिगो और एयर इंडिया की डुओपॉली (दो कंपनियों का दबदबा) को तोड़कर जरूरी कॉम्पिटिशन ला सके। ये दोनों कंपनियां मिलकर घरेलू मार्केट के लगभग 90 फीसदी हिस्से को कंट्रोल करती हैं।

कच्चे तेल के दाम में उछाल से सेंसेक्स 364 अंक टूटा

- कच्चा तेल बढ़कर 98 .32 डॉलर प्रति बैरल पर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला बृहस्पतिवार को चौथे दिन भी जारी रहा। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण कच्चे तेल के दाम में उछाल से मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 364 अंक टूटा जबकि एनएसई निफ्टी में 127 अंक की गिरावट आई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 363.66 अंक यानी 0.47 प्रतिशत टूटकर 76,391.39 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 603.07 अंक लुढ़ककर 76,151.98 अंक तक आ गया था। वहीं, पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 126.65 अंक यानी 0.53 प्रतिशत टूटकर 23,869.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और टाटा स्टील के शेयर प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इटर्नल और बजाज फिनसर्व के शेयर लाभ में रहे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 4.52 प्रतिशत बढ़कर 98.32 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई।

सरकार ने निर्यात के लिए भंडारण-आधारित ई-कॉमर्स मॉडल में एफडीआई की अनुमति दी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने केवल निर्यात उद्देश्यों के लिए भंडारण-आधारित ई-कॉमर्स मॉडल में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की बृहस्पतिवार को अनुमति दे दी। इस कदम से छोटे खुदरा कारोबारियों के कारोबार पर असर डाले बिना भारत के निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। भंडारण-आधारित ई-कॉमर्स मॉडल के तहत खुदरा कारोबार में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति नहीं है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने प्रेस नोट में कहा, भारतीय विक्रेताओं को वैश्विक बाजारों तक आसान और व्यापक पहुंच उपलब्ध कराकर निर्यात बढ़ाने के उद्देश्य से मौजूदा एफडीआई नीति की समीक्षा की गई है।

डीपीआईआईटी, एफडीआई से जुड़े मामलों को देखता है

इसके तहत यह निर्णय लिया गया है कि देश में विनिर्मित और/या उत्पादित वस्तुओं एवं उत्पादों के निर्यात के मामले में माल भंडार-आधारित ई-कॉमर्स मॉडल पर लागू प्रतिबंध लागू नहीं होंगे।' वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाला उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से जुड़े मामलों को देखता है।

भारत का ई-कॉमर्स निर्यात दो अरब डॉलर

यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार ई-कॉमर्स के जरिये निर्यात बढ़ाने के उपायों पर काम कर रही है। सरकार ई-कॉमर्स निर्यात केंद्र (ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट हब) स्थापित करने जैसे अन्य उपायों पर भी काम कर रही है। अनुमानों के अनुसार, वर्तमान में भारत का ई-कॉमर्स निर्यात लगभग दो अरब अमेरिकी डॉलर का है जबकि चीन का करीब 350 अरब अमेरिकी डॉलर है।

सैमसंग ने किए गैलेक्सी जेड सीरीज के तीन नए फोल्डेबल स्मार्टफोन पेश

एजेंसी ▶▶| लंदन

- फोन उपयोगकर्ताओं की जरुरतों को ध्यान में रखकर पेश किया गया
- कंपनी भारत में अपनी रणनीति में बदलाव लाएगी

दक्षिण कोरिया की दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने बुधवार को गैलेक्सी जेड8 सीरीज के तहत तीन फोल्डेबल स्मार्टफोन पेश किए।

इस सीरीज के तहत पेश स्मार्टफोन में गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी जेड फोल्ड8 और गैलेक्सी जेड फ्लिप8 शामिल हैं।

कंपनी ने नए मॉडल को अलग-अलग तरह के उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर पेश किया है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के अध्यक्ष एवं सीईओ टी एम रोह ने कहा, एआई के अधिक स्वायत्त होते जाने के साथ मोबाइल उपकरण ऐसे अनुभवों के सबसे व्यक्तिगत माध्यम बन जाएंगे, जो हर उपयोगकर्ता को समझते हैं और उसके हिसाब से खुद को ढाल लेते हैं। सैमसंग ने भारत में इन प्रीमियम फोल्डेबल उपकरणों की बिक्री बढ़ाने के लिए आक्रामक रणनीति का भी घोषणा की।

रुपया चार पैसे टूटकर 96.57 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे टूटकर 96.57 (अस्थायी) के स्तर पर रहा। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भारतीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप से रुपये को कुछ बल मिला।

कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बिलासपुर (छ.ग.)

// सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन //

क्रमांक 4185/ दो-11-3/2024 बिलासपुर, दिनांक 22 जुलाई 2026

आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि	दिनांक 23/07/2026 के प्रातः 10:30 बजे से
आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	दिनांक 12/08/2026 के शाम 05:00 बजे तक

कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बिलासपुर की स्थापना में शीघ्रलेखन ग्रेड-तीन (हिन्दी)/ सहायक ग्रेड-तीन संवर्ग /वाहन चालक के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती हेतु भारतीय नागरिकों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं:-

रिक्त पदों का विवरण

क्र.	पदनाम	रिक्त पदों की कुल संख्या	आरक्षित पद - अनुसूचित जाति				आरक्षित पद - अनुसूचित जनजाति				आरक्षित पद - अन्य पिछड़ा वर्ग				अनारक्षित			
			मुक्त	महिला	भूत पूर्व सैनिक	दिव्यांग	मुक्त	महिला	भूत पूर्व सैनिक	दिव्यांग	मुक्त	महिला	भूत पूर्व सैनिक	दिव्यांग	मुक्त	महिला	भूत पूर्व सैनिक	दिव्यांग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
1	शीघ्रलेखन ग्रेड-तीन (हिन्दी)	12	2	-	-	-	2	-	-	1	1	-	-	-	5	1	-	-
2	सहायक ग्रेड-तीन संवर्ग	24	3	1	-	-	4	1	-	-	3	1	-	-	6	3	1	1
3	वाहन चालक	01	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

टीपः- विज्ञापन का विस्तृत विवरण जिला न्यायालय बिलासपुर के वेबसाईट https://bilaspur.dcourts.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।

सही/-
(अध्यक्ष)
चयन समिति
कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश
बिलासपुर (छ.ग.)

G- 262702334/1

Government of Maharashtra / Public Works Department.

Executive Engineer, World Bank Project Divison, Ahilyanagar-414001 Phone No. 0241-2328043 / email-wbpahmednagar.ee@mahapwd.gov.in

E-Tender Notice No. 02 FOR-2026-2027 (EPC)

The Government of Maharashtra through Public works Department is engaged in the development of State Highways, Major Districts Road and bridges and as part of this endeavour, it has been decided to undertake **for the following works** through an Engineering, Procurement and Construction (EPC) Contract.

Public Works Department represented by its Executive Engineer, World Bank Project Division, Ahilyanagar now invites bids from eligible contractors for the following project:

State	Sr. No.	Name of work	Estimated cost of Project (Excluding GST)	Completion period	maintenance period
Maharashtra	1	Improvement of four Laning of Ahilyanagar Chhatrapati Sambhajinagar Road Section Ahilyanagar to Vadala MSH-05 (NH 753 F) Km 120/400 to 162/00 Dist Ahilyanagar	429.48 Crore	24 months	10 Years

The complete BID document can be viewed / downloaded from official portal of the website **https://mahatenders.gov.in** from 24/07/2026 to 13/08/2026 (upto 17.00 Hrs. IST). Bidder must be submit its Financial bid and Technical Bid at **https://mahatenders.gov.in** on or before **13/08/2026** (upto 17.00 hours IST).Bids received online shall be opened on **17/08/2026** (at 13.00 hours IST) (If Possible).

Pre Bid Meeting :- Dt. **03/08/2026** at 12.30 hours in the Office of the Chief Engineer P.W.Region, Bandhakam Bhawan, Trimbak road Nashik.

Bid through any other mode shall not be entertained. However, Bid Security, document fee, Power of Attorney etc. shall be submitted physically by the Bidder on or before **17/08/2026** (**at 11.00 hours IST**), Please note that the Public Works Department reserves the right to accept or reject all or any of the BIDs without assigning any reason whatsoever.

The details of works are provided in the websites as below:-

1. **www.mahapwd.gov.in** 2. **www.mahatenders.gov.in**

(Change if any in above Schedule can be seen on above websites)

3. On Notice Board in the office of Excutive Engineer World Bank Project Division, Ahilyanagar

(B.B. Nanaware)
Executive Engineer,World Bank Project Division, Ahilyanagar

आरओसी 2026-27/ क्र.-5/ C 1884

छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कबीरधाम

C/o कार्यालय प्राचार्य, शासकीय पॉलीटेक्निक, कबीरधाम
ग्राम एवं पोस्ट- महाराजपुर, राजनांदगांव रोड, तह.- बोडला, कवर्धा-491995 (छ.ग.)
ई-मेलः poly_kabirdham@rediffmail.com
वेब साइटः www.gpkabirdham.ac.in

क्र./ स्थापना/स्था./2026/........ कवर्धा, दिनांक

// Walk-in Interview for Part time lecturer //

छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कवर्धा में निम्न विषय में पूर्णतः अस्थायी रूप से अंशकालीन व्याख्याता के रूप में कार्य करने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने बायोडाटा, मूल दस्तावेज एवं 01 सेट छायाप्रति के साथ वॉक-इन इंटरव्यू के लिए संस्था में आमंत्रित किया जाता है -

स. क्र.	विषय	रिक्त	न्यूनतम शैक्षणिक अर्हताएं	साक्षात्कार की तिथि
01	Electrical & Electronics Engineering (Power System)	01	संबंधित संकाय में बी.ई./बी.टेक और एम.ई./एम.टेक में प्रथम श्रेणी अथवा समकक्ष, चाहे बी.ई./बी.टेक और एम.ई./एम.टेक में से कोई भी हो।	06/08/2026
02	Electronics and Communication Engineering (VLSI Design)	02	संबंधित संकाय में बी.ई./बी.टेक और एम.ई./एम.टेक में प्रथम श्रेणी अथवा समकक्ष, चाहे बी.ई./बी.टेक और एम.ई./एम.टेक में से कोई भी हो।	
03	Computer Science & Engineering (Data Science)	02	संबंधित संकाय में बी.ई./बी.टेक और एम.ई./एम.टेक में प्रथम श्रेणी अथवा समकक्ष, चाहे बी.ई./बी.टेक और एम.ई./एम.टेक में से कोई भी हो।	07/08/2026
04	Costume Design & Dress Making	01	किसी भी मान्यता प्राप्त वि.वि./संस्था से वस्त्र तथा परिधान निर्माण में प्रथम श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.एफ.एस.सी.) अथवा किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से किसी भी विषय में प्रथम श्रेणी स्नातक उपाधि तथा वेशभूषा अभिकल्पन एवं परिधान निर्माण में प्रथम श्रेणी में न्यूनतम दो वर्षीय पत्रोपाधि	

विज्ञापन की विस्तृत जानकारी संस्था के वेबसाइट www.gpkabirdham.ac.in में प्राप्त करेंगे ।आवश्यकतानुसार उक्त पदों की संख्या कम/ज्यादा अथवा निरस्त किया जा सकता है ।

प्राचार्य
शासकीय पॉलीटेक्निक, कबीरधाम

G-262702277/2

Public Works Department Office of The Superintending Engineer, Pwd,Raipur Circle No.-1 Raipur. (C.G.)

REQUEST FOR PROPOSAL (RFP)
(1st Call)

No. 10/Raipur /2026-27 Raipur, Dated. 21.07.2026

Public Works Department (PWD) invites proposal for Planning, Design, Estimation and related services for the work-

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर के 200 सीटर छात्रा-छात्रावास भवन निर्माण हेतु वास्तुविद नियुक्त करने बाबत।

Situated at Raipur
Probable cost of project Rs. 1700.00 Lakh .
Minimum eligibility for participants shall be as below :-

S. N.	Building project cost	The applicant firms, firms forming Joint venture/consortium shall be	Earnest money (In shape as per annexure I) Favor of Executive Engineer, PWD Division No.-02, Raipur
1	For project cost Between 10 to 25 Crore	Empanelled as architect in Class "C" & Above Class in C.G. PWD.	Rs. 5,000=00

General Condition:- All the documents & Information as per para 6.4, shall be submitted through speed post/Registered post. so as to reach the office of under signed on or before dated 10.08.2026 by 17.30 hour. Any documents received after the last date and time will not be entertained.The detailed RFP is available on the website www.cg.nic.in/pwdraipur & http://cgstate.gov.in/ from where it can be downloaded for submission. CG.PWD reserves the right to reject all or any of the application without assigning any reason. Right to modify the process of Pre-qualification is reserved with CG.PWD.

Superintending Engineer
Public Works Department
Raipur Circle No-1 Raipur

G-262702302/4

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग सुकमा वनमण्डल, सुकमा जिला- सुकमा (छ. ग.)

ईमारती काष्ठ का नीलाम विज्ञापन - सुकमा वनमण्डल सुकमा, जगदलपुर वृत्त जगदलपुर

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है जगदलपुर वृत्त के सुकमा वन मण्डल के अन्तर्गत सुकमा काष्ठागार में संग्रहित ईमारती काष्ठ एवं बांस का ई-नीलाम दिनांक 03/08/2026 समय दोपहर 02:00 बजे से ई-ऑक्सन द्वारा निवर्तन किया जावेगा ।

अतः इच्छुक व्यापारियों ई-ऑक्सन में अवश्य भाग लेवें । ई-ऑक्सन की शर्तें व अन्य जानकारियाँ कार्यालयीन दिवसों में काष्ठागार अधिकारी या वनमण्डल कार्यालय सुकमा से प्राप्त की जा सकती है ।

सुकमा काष्ठागार में ईमारती काष्ठ एवं बांस की मात्रा

प्रजाति	नया काष्ठ की मात्रा			पुराना काष्ठ की मात्रा			महायोग		
	घ. मी.	बल्ली	डेंगरी	घ. मी.	बल्ली	डेंगरी	घ. मी.	बल्ली	डेंगरी
सागौन	100.486	30	88	503.465	770	695	603.951	800	783
साजा	0	0	0	83.020	254	0	83.020	254	0
साल	0	0	0	81.059	12	0	81.059	12	0
बीजा	4.420	0	0	134.252	113	0	138.672	113	0
धावड़ा	0	0	0	48.760	48	0	48.760	48	0
शिवना	0	0	0	0.431	3	0	0.431	3	0
हल्दु.मु.	0	0	0	7.879	0	0	07.879	0	0
तिन्सा	0	0	0	0.430	0	0	0.430	0	0
अन्य	0	0	0	43.691	1073	0	43.691	1073	0
शीशम	0	0	0	0.310	1	0	0.310	1	0
योग	**104.906**	**30**	**88**	**903.297**	**2274**	**695**	**1008.203**	**2304**	**783**
मिश्रित जलाऊ चट्टा	0			104 चट्टा			104 चट्टा		
व्यापारिक बांस	-			3.613 नो. ट्रन			3.613 नो.टन		
1 मीटर ओद्योगिक बांस	-			3.440 नो.टन			3.440 नो. टन		

टीपः-(1) क्रेता को ई-ऑक्सन के पूर्व एम. एस. टी. सी. ई-कार्मस पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। (2)क्रेताओं को ई-ऑक्सन के पूर्व क्रय लाटो के अपसेट प्राईज के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है । सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है । (3) लॉट की थप्पी एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-कार्मस पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगईन करके देख सकते है ।

वनमण्डलाधिकारी
सुकमा वनमण्डल, सुकमा

G-262702300/3

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग, सामान्य वनमण्डल दुर्ग

:: पुलगांव डिपो का ई-ऑक्शन का संक्षिप्त विज्ञापन ::

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि दुर्ग वनमण्डल के अधीनस्थ शासकीय उपभोक्ता डिपो पुलगांव, अण्डा, सुपेला, पाटन, वन परिसर कुम्हारी, बेमेतरा, नवागढ़, साजा, एवं अन्य डिपो में संग्रहित इमारती काष्ठ, चिरान, जलाऊ एवं बल्ली, डैंगरी, का ई-ऑक्शन द्वारा निर्वतन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय/संबंधित परिक्षेत्र कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। ई-ऑक्शन में रखे जाने वाले अनुमानित मात्रा :-

नीलाम तिथि- 28/07/2026 समय - प्रातः 9:00 बजे

नया इमारती काष्ठ/जलाऊ चट्टा

परिक्षेत्र	डिपो	प्रजाति	लट्ठा घ.मी.	चिरान	बल्ली नग	डेंगरी	जलाऊ चट्टा
दुर्ग	पुलगांव	सागौन लट्ठा, बल्ली/डेंगरी/चिरान	75.706	0.154	6618	2392	0
दुर्ग	पुलगांव	मिश्रित लट्ठा, / मिश्रित चट्टा	134.765	0	0	0	0
दुर्ग	अण्डा	मिश्रित चट्टा	0	0	0	0	22
दुर्ग	पाटन	मिश्रित चट्टा	6.179	0	0	0	0
दुर्ग	सुपेला	मिश्रित लट्ठा, / मिश्रित चट्टा	140.083	0	0	0	352
बेमेतरा	बेमेतरा	सागौन लट्ठा, / मिश्रित चट्टा	2.316	0	0	0	524
बेमेतरा	बेमेतरा	मिश्रित चट्टा	16.226	0	0	0	0
बेमेतरा	नवागांव	मिश्रित चट्टा	0	0	0	0	360
		योग :-	**375.275**	**0.154**	**6618**	**2392**	**1258**

अविक्रित काष्ठ / जलाऊ चट्टा

परिक्षेत्र	डिपो	प्रजाति	लट्ठा घ.मी.	चिरान घ.मी.	बल्ली नग	डेंगरी नग	जलाऊ चट्टा
दुर्ग	पुलगांव	सागौन लट्ठा, बल्ली/ डेंगरी	462.286	0	25362	20722	6
दुर्ग	पुलगांव	आम लट्ठा	1.166	0	0	0	0
दुर्ग	पुलगांव	अन्य मिश्रित लट्ठा	3.397	0	0	0	0
दुर्ग	पाटन	सागौन लट्ठा, सागौन बल्ली/ डेंगरी,	3.516	2.185	203	745	38
दुर्ग	सुपेला	सागौन लट्ठा, निलगीरी, कहूआ लट्ठा/	1.277	0	0	0	9
धमधा	धमधा	सागौन लट्ठा/सागौन डेंगरी /अर्जुन एवं	3.582	0	0	0	3
धमधा	कुम्हारी	सोफा फ्रेम, बत्ता चिरान, मिश्रित जलाऊ	0.304	0	0	22	4
बेमेतरा	बेमेतरा	सागौन लट्ठा,	14.852	0	0	0	0
साजा	साजा	सागौन लट्ठा/सागौन बल्ली/सागौन	14.736	0	110	23	0
		योग :-	**505.116**	**2.185**	**25675**	**21512**	**60**

टीप :- (1) क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। (2) क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। (3) लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आईडी से लॉग-इन करके देख सकते है।(4) ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकंड का समय प्राप्त होगा उसी लॉट में अन्य क्रेताओ द्वारा 40 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा। (5) सफल क्रेताओं को अपना पूर्ण पता, मो. नं., पैन कार्ड एवं GST की छायाप्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

फोन नं. – **75870-13100**, ई-मेलः **dfodurg@gmail.com**

वनमण्डलाधिकारी
दुर्ग वनमण्डल, दुर्ग (छ.ग.)

G-262702326/2

मां के खेलने के तीन दशक बाद नीदरलैंड में भारत के लिए विश्व कप खेलेगा बेटा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रीतम रानी सिवाच ने नीदरलैंड में 1998 में विश्व कप खेला था तब यशदीप सिवाच का जन्म भी नहीं हुआ था। विधि का विधान है कि करीब तीन दशक बाद वह उसी देश में, उसी टूर्नामेंट में भारत के लिये पदार्पण करने जा रहे हैं । भारतीय हॉकी में यह श्रेय हासिल करने वाली मां-बेटे की यह पहली जोड़ी है।

नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप में यशदीप भारतीय टीम का हिस्सा हैं और उनके इस टूर्नामेंट से काफी जज्बात जुड़े हैं। मैनचेस्टर राष्ट्रमंडल खेल 2002 की स्वर्ण पदक विजेता टीम की सदस्य रही है।

टीम में चयन पर सबसे पहले मां को बताया

भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान प्रीतम रानी सिवाच के बेटे ने भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा ,''जब मुझे विश्व कप टीम में चयन का पता चला तो सबसे पहले मैने अपनी मां को बताया । वह काफी भावुक थी क्योंकि उन्होंने भी 1998 में नीदरलैंड के यूट्रेक्ट में विश्व कप खेला था ।''

विश्वकप में मां ने कोरिया के खिलाफ दो गोल दागे थे

26 वर्ष के इस डिफेंडर ने कहा , '' मेरे लिये विश्व कप में उसी देश में भारत के लिये खेलना जहां मेरी मां भी खेल चुकी है, बहुत खास है ।'' भारतीय महिला हॉकी टीम यूट्रेक्ट विश्व कप में बारहवें और आखिरी स्थान पर रही थी लेकिन प्रीतम ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच में दो गोल दागे थे।

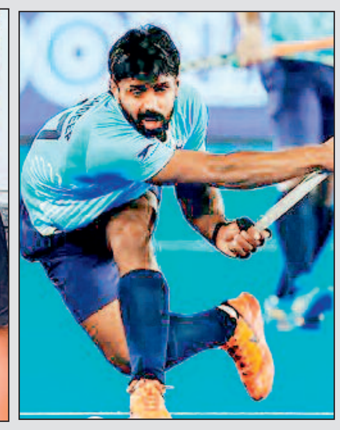

कभी तैराकी के शौकीन रहे यशदीप

कभी तैराकी के शौकीन रहे यशदीप बचपन से अपनी मां का वह एलबम देखते आये हैं जिसमें उनकी एक्शन पिक्चर, टूर्नामेंट के फोटो और टीम फोटो हैं और शायद वहीं से उनके भीतर भी हॉकी स्टिक थामने का शौक पैदा हुआ । माता पिता के साथ राष्ट्रीय चैम्पियनशिप और दिल्ली में 2010 विश्व कप उन्होंने देखा था ।

मम्मी ने मुझसे काफी अनुभव साझा किए

यशदीप ने कहा ,'' मम्मी ने मुझसे काफी अनुभव साझा किये हैं । उनके पास पूरी एलबम है जिसमें एक्शन पिक्चर, टूर्नामेंटों के फोटो , साथी खिलाड़ियों के फोटो हैं । मैं बचपन से देखता आ रहा हूं । उनकी टीम से बात होती रहती है और मुझे सबसे मार्गदर्शन मिलता है ।'' बचपन में मां को अक्सर राष्ट्रीय शिविरों और टूर्नामेंटों में देखने वाले यशदीप को उनकी कड़ी मेहनत और बलिदानों का महत्व राष्ट्रीय शिविर में आने के बाद अधिक समझ आने लगा ।

रिटायर होने के बाद भी कोचिंग से जुड़ी

इतने साल लगातार खेलने के लिये अपनी फिटनेस (मानसिक और शारीरिक) और खेल का ध्यान रखना पड़ता है ।' उन्होंने कहा ,''रिटायर होने के बाद भी वह कोचिंग के जरिये हॉकी से जुड़ी हैं और अभी भी नीदरलैंड में मास्टर्स विश्व कप खेल रही हैं । मैने बचपन से देखा है कि कैसे मेरी बहन के पैदा होने के बाद भी वजन कम करके वापसी की थी ।'

हॉकी यशदीप के खून में है

हॉकी यशदीप के खून में हैं चूंकि उनके पिता कुलदीप भी हॉकी खिलाड़ी रह चुके हैं और अब मशहूर कोच हैं जो हरियाणा में अपनी पत्नी के साथ प्रीतम सिवाच अकादमी चलाते हैं । चोट के कारण उनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का सपना हालांकि अधूरा रह गया। जूनियर राष्ट्रीय टीम में खेल चुकी बहन कनिका सीनियर टीम में पदार्पण की दहलीज पर है ।

पोडियम पर मां-पिता का सपना पूरा करना चाहते हैं

सिवाच परिवार के लिये यह विश्व कप काफी मायने रखता है और पोडियम पर रहकर अपनी मां और पिता का अधूरा सपना यशदीप पूरा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा ,'' सिवाच परिवार के लिये यह विश्व कप बहुत खास है । मैं अपने माता पिता का सपना पूरा करना चाहता हूं और अपनी बहन के लिये प्रेरणा बनना चाहता हूं ।''

मेरी ट्रेनिंग पापा ने कराई

प्रीतम दिग्गज मिडफील्डर रही हैं और कनिका फॉरवर्ड खेलती हैं लेकिन यशदीप को गोल करने से ज्यादा बचाने में मजा आता है। उन्होंने कहा ,'' मेरी मां और बहन के नाम ज्यादा गोल होंगे लेकिन मुझे फुटबॉल फैन होने के कारण गोल बचाने और गोल में सहायता करने में ज्यादा मजा आता है । इसके अलावा मेरी ट्रेनिंग बचपन में पापा ने कराई जो डिफेंडर थे ।''

आज का कार्यक्रम

commonwealth games

राष्ट्रमंडल खेलों के दूसरे दिन यहां शुक्रवार को भारतीय खिलाड़ियों का कार्यक्रम इस प्रकार है।

जिम्नास्टिक : पुरुष टीम फाइनल और व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन - तपन मोहंती, स्वातिश केपी, तापेश्वरनाथ दास, योगेश्वर सिंह - शाम पांच बजे

पैरा तैराकी: पुरुष एस13 100 मीटर फ्रीस्टाइल हीट: आरवीवीबीके बुडिग्ना और इमाम अली (शाम 3:40 बजे)

तैराकी: पुरुष 50 मीटर बैकस्ट्रोक हीट: श्रीहरि नटराज, शाम 3:56 बजे

पैरा पावरलिफ्टिंग: पुरुष लाइटवेट फाइनल: अशोक और परमजीत कुमार (शाम 5:40 बजे)
महिला लाइटवेट फाइनल: जसप्रीत कौर और सुमन देवी (शाम 7:24 बजे)
महिला हैवीवेट फाइनल: कस्तूरी राजामणि (रात 10:40 बजे)
पुरुष हैवीवेट फाइनल: सुधीर और झंडू कुमार (25 जुलाई को सुबह 00:29 बजे)

लॉन बॉल्स : महिला पेयर्स सेक्शन मैच: भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका (शाम 7:30 बजे)
पुरुष एकल सेक्शन मैच: पुतुल सोनोवाल बनाम सेसिल अलेक्जेंडर (फॉकलैंड आइलैंड) (रात 10:20 बजे)

मुक्केबाजी: पुरुष 55 किग्रा राउंड ऑफ 32: जादूमणि सिंह बनाम एरन कलन (स्कॉटलैंड) रात 11:00 बजे।

ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल : भारत की रूपा रानी और पिंकी ने पहला सेट अपने नाम किया

भारत ने महिला पेयर्स बॉल्स स्पर्धा में माल्टा को टाई-ब्रेक में हराया

दूसरा सेट माल्टा की लूसी और कोनी ने 3-4 से जीता

ग्लास्गो ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में बृहस्पतिवार को महिला पेयर्स बॉल्स स्पर्धा में माल्टा को रोमांचक टाई-ब्रेक में हराकर अपने अभियान की जीत से शुरुआत की। भारत की रूपा रानी टिर्की (लीड) और पिंकी (स्किप) ने पहला सेट 7-1 से अपने नाम किया। हालांकि दूसरे सेट में उन्हें माल्टा की रेबेका लूसी रिक्सन (लीड) और कोनी ले रिक्सन (स्किप) की जोड़ी से 3-4 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद ग्रुप बी के पहले दौर के मुकाबले का फैसला टाई-ब्रेक से हुआ। टाई-ब्रेक में भारतीय टीम अपने प्रतिद्वंद्वियों से पीछे चल रही थीं लेकिन अंत में पिंकी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी आखिरी बॉल के साथ निर्णायक बढ़त दिलाते हुए भारत को जीत दिला दी।

इस बार पुरुष और महिला फोर्स स्पर्धाओं को हटाया गया

भारतीय महिला पेयर्स टीम शुक्रवार को ग्रुप बी के अपने दूसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी। टिर्की और पिंकी दोनों ही 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला फोर्स टीम का हिस्सा थीं। हालांकि, ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में बॉल्स प्रतियोगिता से पुरुष और महिला फोर्स स्पर्धाओं को हटा दिया गया है।

इस बार दोनों वर्ग में एकल व युगल स्पर्धाएं ही

इस बार केवल पुरुष और महिला एकल तथा पुरुष और महिला युगल स्पर्धाएं ही शामिल की गई हैं। भारत ने 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुष फोर्स स्पर्धा में भी रजत पदक जीता था।

राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी में भारत की उम्मीदें लवलीना पर

रिंग में उतरे बिना अपना पहला राष्ट्रमंडल खेलों का पदक पक्का कर चुकी लवलीना बोरगोहेन की नजरें शुक्रवार से खेले जाने वाले मुक्केबाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर लगी होंगी। राष्ट्रमंडल खेलों में इस बार दस ही खेल स्पर्धायें आयोजित की जा रही है और भारत को मुक्केबाजों से पदकों की उम्मीद है। मुक्केबाजी में भारत को अभी तक राष्ट्रमंडल खेलों में 44 पदक मिले हैं। भारत के आठ मुक्केबाजों को पहले दौर में बाय मिला है । जैसमीन लंबोरिया (57 किलो), प्रिया घंघास (60 किलो), प्रीति पवार (54 किलो) पदक पक्का करने से एक जीत पीछे हैं । पूर्व विश्व चैम्पियन लवलीना (75 किलो) को सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश मिला है जिसमें पांच ही मुक्केबाज हैं ।

सोनोवाल ने किया उलटफेर

पुतुल सोनोवाल ने लॉन बॉल्स पुरुष एकल स्पर्धा में कनाडा के 2023 विश्व चैंपियन रयान बेस्टर को टाई-ब्रेक में हराकर बड़ा उलटफेर किया जिससे भारत ने बृहस्पतिवार को ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में अपने अभियान की शुरुआत शानदार अंदाज में की। राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण कर रहे पुतुल ने पहला सेट 5-4 से अपने नाम किया। इसके बाद कई बार के राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता बेस्टर ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा सेट 7-3 से जीतकर मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचा दिया।

डोपिंग नियम उल्लघंन के कारण भारोत्तोलन में भारत का कोटा घटा

दिलबाग सिंह टीम से बाहर

ग्लास्गो ▶▶| ग्लास्गो

क्वालीफिकेशन अवधि के दौरान कई डोपिंग रोधी नियम उल्लंघनों (एडीआरवी) के कारण भारत का कोटा कम किए जाने के बाद भारोत्तोलक दिलबाग सिंह को राष्ट्रमंडल खेलों के लिए दल से बाहर कर दिया गया। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारत का भारोत्तोलन कोटा 16 से घटाकर 11 कर दिया गया है।

भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) ने ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू की अगुवाई में 12 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी। महासंघ का कहना है कि उसे कोटा घटाए जाने की जानकारी बुधवार को ही मिली। एक विश्वसनीय सूत्र ने बातचीत में कहा, ''महासंघ को 12 से घटाकर 11 भारोत्तोलकों का कोटा किए जाने की जानकारी कल ही मिली।'' सूत्र ने बताया, ''चूंकि दिलबाग पीठ की चोट से जूझ रहे हैं और उन्होंने बर्मिंघम में आयोजित तैयारी शिविर के दौरान बिल्कुल भी ट्रेनिंग नहीं की इसलिए उन्हें टीम से बाहर करने का फैसला किया गया।'' राष्ट्रमंडल खेलों से पहले एन अजीत (71 किग्रा), साईराज परदेशी (88 किग्रा) और हरचरण सिंह (110 किग्रा) पर डोपिंग के कारण प्रतिबंध लगाया गया था।

महिला वर्ग में वंशिता भी प्रतिबंधित

महिला भारोत्तोलक वंशिता वर्मा (86 किग्रा) को भी क्वालीफिकेशन अवधि के दौरान डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का दोषी पाए जाने पर प्रतिबंधित किया गया था। कोटा में यह कटौती भारतीय भारोत्तोलन के लिए एक और बड़ा झटका है क्योंकि डोपिंग से जुड़े मामलों के कारण इस खेल को पहले भी कई बार प्रतिबंधों और दंडात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ा है।

सूर्यवंशी के तूफान में उड़ी जिम्बाब्वे

अय्यर की कप्तानी में भारत ने चखा पहली जीत का स्वाद

ग्लास्गो ▶▶| हरारे

तेज गेंदबाजों मयंक यादव और प्रिंस यादव की धारदार गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के तूफानी अर्धशतक से भारत ने बृहस्पतिवार को यहां पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे के सात विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली।

- **पहले टी20 में जिम्बाब्वे पर सात विकेट से जीत पाई**

जिम्बाब्वे के 126 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने सूर्यवंशी (50 रन, 19 गेंद, चार छक्के, चार चौके) और इशान किशन (35 रन, 24 गेंद, तीन चौके, दो छक्का) की पारियों से 13.2 ओवर में तीन विकेट पर 126 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी नाबाद 28 रन बनाए।

सूर्यवंशी ने रिचर्ड को लगातार दो छक्के व एक चौका मारा

लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत को सूर्यवंशी ने तूफानी शुरुआत दिलाई। सूर्यवंशी ने रिचर्ड एनगारवा की लगातार गेंदों पर दो छक्कों और एक चौके के साथ तेवर दिखाए। ब्लेसिंग मुजरबानी (26 रन पर दो विकेट) ने अभिषेक शर्मा (01) को ब्रेड इवान्स के हाथों कैच कराके जिम्बाब्वे को शुरुआती सफलता दिलाई।

पावर प्ले में भारत का स्कोर एक विकेट पर 66 रन था

सूर्यवंशी ने इवान्स की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा जबकि मुजरबानी पर दो चौके और एक छक्का जड़कर पांचवें ओवर में भारत के रनों का अर्धशतक पूरा किया। किशन ने न्यूमैन नयामहुरी पर तीन चौकों के साथ पावर प्ले में भारत का स्कोर एक विकेट पर 66 रन किया।

भारत की धारदार गेंदबाजी रही

भारत ने इससे पहले मयंक (18 रन पर दो विकेट) और प्रिंस (19 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी से जिम्बाब्वे को सात विकेट पर 125 रन पर रोक दिया। रवि बिश्नोई और शिवम दुबे ने एक-एक विकेट हासिल किया। जिम्बाब्वे ने 14वें ओवर में 64 रन तक पांच विकेट गंवा दिए थे जिसके बाद वेस्ली माधेवेरे (39 रन, 34 गेंद, तीन चौके, एक छक्का) और ताडिवनाशे मरुमानी (नाबाद 27, 20 गेंद, दो चौके, एक छक्का) ने छठे विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी करके टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

स्कोर बोर्ड

जिम्बाब्वे	रन	गेंद	4	6
ब्रायन बेनेट का किशन बो मयंक	00	01	0	0
बेन कुरेन का सूर्यवंशी बो प्रिंस	10	08	2	0
डियोन मायर्स का दुबे को मयंक	06	14	1	0
सिकंदर रजा का स्थानापन्न बो दुबे	04	07	1	0
रेयान बर्ल का तिलक बो बिश्नोई	26	35	1	1
वेस्ली माधेवेरे रन आउट	39	34	3	1
ताडिवनाशे मरुमानी नाबाद	27	20	2	1
ब्रेड इवान्स का अय्यर बो प्रिंस	00	01	0	0
न्यूमैन नयामहुरी नाबाद	01	01	0	0

अतिरिक्त: 12, कुल:20 ओवर में 125/7 रन
गेंदबाजी: मयंक 4-0-18-2, अशोक 4-0-29-0,प्रिंस 4-0-19-2 दुबे 4-0-32-1, बिश्नोई 4-0-24-1

भारत	रन	गेंद	4	6
अभिषेक का इवान्स बो मुजरबानी	01	08	0	0
वैभव सूर्यवंशी का कुरेन बो एनगारवा	50	19	4	4
इशान का मायर्स बो मुजरबानी	35	24	3	2
श्रेयस अय्यर नाबाद	28	24	3	0
तिलक वर्मा नाबाद	06	05	1	0

अतिरिक्त : 06, कुल : 13.2 ओवर में 126/3 रन
गेंदबाजी: मुजरबानी 4-0-26-2, एनगारवा 2.2-0-30-1, इवान्स 2-0-26-0, नयामहुरी 2-0-30-0, रजा 3-0-14-0

मांडविया ने साइकिलिंग रैली की अगुवाई की

ग्लास्गो। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने यहां भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ साइकिलिंग रैली की अगुवाई की और भारतवंशियों से राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान 'चीयर फोर इंडिया' मुहिम में शामिल होने का अनुरोध किया । मांडविया ने सभी भारतीयों से फिट इंडिया आंदोलन में सक्रिया भागीदारी का आग्रह भी किया । उन्होंने भारतीय मूल के लोगों से राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान भारतीय खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई के लिये भी कहा। उन्होंने आगे कहा कहा कि साइकिलिंग कई समस्याओं का समाधान है जिससे फिटनेस को बढावा मिलता है, प्रदूषण कम होता है और ट्राफिक जाम से निजात मिलती है। उन्होंने कहा ,'' साइकिलिंग मुहिम के तहत हम दुनिया को संदेश देना चाहते हैं कि साइकिलिंग से हमारा स्वास्थ्य, पर्यावरण और धरती की सुरक्षा में मदद मिलती है ।''

सिंधू चाइना ओपन के दूसरे दौर से बाहर

शुरुआती बढ़त का फायदा उठाने में नाकाम रही, चीन की खिलाड़ी चेन से हार गई

एजेंसी ▶▶| चांग्झू

भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू शुरुआती बढ़त का फायदा उठाने में नाकाम रही और बृहस्पतिवार को यहां दूसरे दौर के मैच में चीन की खिलाड़ी चेन युफेई से तीन गेम के कड़े मुकाबले में हारकर चाइना ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। आयुष शेट्टी और लक्ष्य सेन भी पुरुष एकल के दूसरे दौर के मैच हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

हैदराबाद की रहने वाली 30 वर्षीय सिंधू ने पिछले सप्ताह जापान ओपन जीतकर लंबे समय से चले आ रहे खिताबी सूखे को खत्म किया था और उन्हें इस टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी। पहले गेम से ही यह स्पष्ट हो गया था कि मुकाबला काफी कड़ा होने वाला है। भारतीय खिलाड़ी ने पहले गेम में 7-13 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्कोर 16-16 कर दिया था। इसके बाद उन्होंने लगातार पांच अंक हासिल करके पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में वापसी करने की बारी चेन की थी। सिंधू ने चार मैच प्वाइंट गंवाए।

चेन ने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीता था

टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली चेन ने 16-20 की स्थिति से वापसी करते हुए यह गेम 22-20 से जीत लिया। तीसरे और निर्णायक गेम में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। लेकिन अंत में चेन ने 17-17 के स्कोर से बढ़त बनाकर मैच अपने नाम कर दिया।

इंग्लैंड ने अगले तीन डब्ल्यूटीसी फाइनल की मेजबानी हासिल की थी

द ओवल में अगले साल नौ जून से खेला जाएगा डब्ल्यूटीसी फाइनल

एजेंसी ▶▶| लंदन

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि 2027 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल नौ से 13 जून तक 'द ओवल' में खेला जाएगा। इंग्लैंड ने पिछले साल 2027, 2029 और 2031 के अगले तीन डब्ल्यूटीसी फाइनल की मेजबानी के अधिकार हासिल किए थे। प्रत्येक चरण के लिए मैदान का चयन मेजबान बोर्ड इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) करेगा। अब तक खेले गए डब्ल्यूटीसी के तीनों फाइनल भी ब्रिटेन में ही आयोजित हुए हैं। यह दूसरा मौका होगा जब 'द ओवल' डब्ल्यूटीसी फाइनल की मेजबानी करेगा।

अब भी सभी नौ टीमें फाइनल की दौड़ में

इससे पहले 2023 में यहां फाइनल खेला गया था जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर टेस्ट चैंपियनशिप की गदा (मेस) अपने नाम की थी। मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र के समाप्त होने में अब एक साल से भी कम समय बचा है और फाइनल में जगह बनाने की दौड़ रोमांचक मोड़ पर पहुंच गई है। अब भी सभी नौ टीमें फाइनल की दौड़ में बनी हुई हैं।

मौजूदा चैंपियन दक्षिण अफ्रीका दूसरे स्थान पर

ऑस्ट्रेलिया ने अपने आठ में से सात टेस्ट जीतकर 87.50 प्रतिशत अंक के साथ तालिका में शीर्ष स्थान पर मजबूत पकड़ बना रखी है। उसके बाद मौजूदा चैंपियन दक्षिण अफ्रीका 75 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड 72.22 प्रतिशत अंक के साथ दक्षिण अफ्रीका के करीब बना हुआ है जबकि बांग्लादेश ने मई में पाकिस्तान को 2-0 से हराकर 58.33 प्रतिशत अंक के साथ फाइनल की दौड़ में अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है।

भारत पांचवें स्थान पर है

दो बार डब्ल्यूटीसी फाइनल खेल चुकी भारतीय टीम नौ टेस्ट में चार जीत के बाद 48.15 प्रतिशत अंक प्रतिशत के साथ पांचवें स्थान पर है। उसके ठीक पीछे श्रीलंका 41.67 प्रतिशत अंक प्रतिशत के साथ छठे स्थान पर है। इंग्लैंड (24.36 प्रतिशत), वेस्टइंडीज (15 प्रतिशत) और पाकिस्तान (8.33 प्रतिशत) को फाइनल में पहुंचने के लिए अंक तालिका में लंबी छलांग लगानी होगी।

रिश्तेदारों को घर बुलाओ और 78 हजार रुपए के फ्री वाउचर पाओ

अबूधाबी। युद्ध की मार झेल रहे टूरिज्म सेक्टर को दोबारा खड़ा करने के लिए दुबई सरकार एक शानदार ऑफर लेकर आई है। 'एक दुबई आमंत्रण' प्रोग्राम के तहत यूएई के निवासी अगर अपने विदेशी रिश्तेदारों या दोस्तों को दुबई बुलाते हैं, तो उन्हें 3000 दिरहम (करीब 78 हजार रुपए) से ज्यादा के फ्री वाउचर मिलेंगे। इन रिवॉर्ड्स का इस्तेमाल मुफ्त होटल स्टे, डाइनिंग और टूरिस्ट अट्रैक्शन के लिए किया जा सकता है।

31 अक्टूबर तक आने वाले मेहमानों पर मिलेगा फायदा

दुबई डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमी एंड टूरिज्म के मुताबिक, यह स्कीम उन मेहमानों के लिए है जो 20 जुलाई से 31 अक्टूबर 2026 के बीच दुबई पहुंचेंगे। इसका लाभ उठाने के लिए यूएई के निवासियों को मेहमानों के आने से पहले ऑनलाइन फॉर्म भरकर उन्हें नॉमिनेट करना होगा। एक बार में अधिकतम पांच लोगों के नाम दर्ज किए जा सकते हैं। ज्यादा मेहमान होने पर अलग से फॉर्म सबमिट किया जा सकता है।

इन जरूरी नियमों का भी रखें ध्यान

- एक मेहमान को सिर्फ एक ही बार नॉमिनेट किया जा सकता है। अगर किसी एक ने उसे पहले ही रजिस्टर कर लिया है, तो दूसरी नॉमिनेशन मान्य नहीं होगी।
- मेहमान के दुबई पहुंचने पर पर्यटन विभाग को अलग से जानकारी देने की जरूरत नहीं है, वेरिफिकेशन अपने आप हो जाएगा।
- मेहमान के पहुंचने के 72 घंटे के अंदर निवासी के पास ईमेल आ जाएगा। इन वाउचर्स को अगस्त 2026 से जारी किया जाएगा।

कौन ले सकता है इस ऑफर का फायदा?

18 साल या उससे ज्यादा उम्र के यूएई नागरिक और निवासी, जिनके पास वैध एमिरेट्स आईडी है। जो विदेशी मेहमान वैध टूरिस्ट वीजा या 'वीजा ऑन अराइवल' पर 20 जुलाई से 31 अक्टूबर 2026 के बीच फ्लाइट, सड़क या समुद्र के रास्ते दुबई आ रहे हैं। ध्यान रहे, इस प्रोग्राम में वीजा सुविधा शामिल नहीं है। मेहमानों को अपने वीजा का इंतजाम खुद करना होगा।

78 हजार के पैकेज में क्या-क्या मिलेगा?

इस रिवॉर्ड पैकेज का इस्तेमाल दुबई के नामी होटलों (जैसे- डब्ल्यू दुबई, द वेस्टिन, ले मेरिडियन, मेलिया डेजर्ट पाम और आईएचजी होटल्स), बेहतरीन रेस्टोरेंट्स और टूरिस्ट स्पॉट्स पर किया जा सकता है। इसके अलावा करीम और हला जैसी लाइफस्टाइल सेवाओं में भी ऑफर्स मिलेंगे। इस पूरी स्कीम के दौरान एक निवासी अधिकतम तीन रिवॉर्ड पैकेज ही हासिल कर सकता है।

मंगल ग्रह पर मिला मैग्मा की नदियों का सबूत क्या कभी रहने लायक था रेड प्लेनेट?

वॉशिंगटन। वैज्ञानिक आज तक रिसर्च कर रहे हैं कि क्या धरती के अलावा और कहीं भी जीवन संभव है? वहीं, स्पेस साइंटिस्ट की ओर से की गई रिसर्च से पता चलता है कि मंगल ग्रह की सतह के नीचे एक समय पर कभी मैग्मा की नदियां बह रही थीं। वैज्ञानिकों की ओर से की गई यह रिसर्च इस बात का मजबूत संकेत देती है कि मंगल पर आज से बहुत समय पहले जीवन के लिए अनुकूल परिस्थितियां रही होंगी। इस रिसर्च से उन दूसरे चट्टानी ग्रहों पर भी जीवन होने की नई उम्मीदें जगी हैं, जिन्हें अब तक इसके लिए उपयुक्त नहीं माना जाता था। इस खोज से स्पेस साइंस को नई दिशा मिल सकती है।

सेस्मिक वेव्स को किया रिकॉर्ड

बता दें कि 'ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी' के वैज्ञानिकों की ओर से नासा के इनसाइट लैंडर से कुछ आंकड़े जुटाए गए, जिनका विश्लेषण किया गया. इनसाइट ने उल्कापिंडों की टक्कर और मंगल पर आए भूकंपों से बनने वाली सेस्मिक वेव्स को रिकॉर्ड किया था। वैज्ञानिकों ने इन्हीं आंकड़ों के आधार पर मंगल की सतह से लगभग 24 किलोमीटर नीचे मौजूद एक रहस्यमयी लेयर की रिसर्च की. रिसर्च के नतीजे जर्नल 'नेचर एस्ट्रोनॉमी' नाम के जनरल में पब्लिश हुए हैं।

बढ़ी जीवन की संभावना की उम्मीद

रिसर्च के मुताबिक, ऐसा मैग्मा मकैनिज्म प्लेनेट के टेंपरेचर और जलवायु को बैलेंस रखने में मदद कर सकता था। वहीं, पहले माना जाता था कि केवल प्लेट टेक्टोनिक्स वाले ग्रहों में ही यह क्षमता होती है। अब इस नई स्टडी के बाद उन चट्टानी ग्रहों की भी वापस स्टडी की जाएगी. पहले इन्हें ही जीवन के लिए अनुपयुक्त माना जाता था। इस रिसर्च से स्पेस रिसर्च को नई दिशा मिलने की उम्मीद बढ़ी है। वहीं, भविष्य में भी इससे कई खोजें संभव हो सकती हैं।

सामने आए नतीजे

रिसर्च से पता चलता है कि मंगल पर सिर्फ अलग-अलग मैग्मा चैंबर नहीं थे, बल्कि धरती के नीचे मैग्मा का एक विशालकाय मकैनिज्म आपस में जुड़ा हुआ था। साइंटिस्ट का कहना है कि यह मकैनिज्म इस प्लेनेट के अंदर आवश्यक तत्वों के आदान-प्रदान में सहयोग करता है। साथ ही यह वातावरण और समुद्र बनने जैसे अहम प्रोसेस को मदद पहुंचाने की क्षमता रखता है, जो ग्रह की संरचना और ज्यादा जटिल बना सकती है और डेवलपमेंट प्रोसेस लंबे समय तक चल सकता था।

कुदरत का अनोखा करिश्मा!

महिला ने दिया 4 हमशक्ल बच्चियों को जन्म, अब लोगों के सामने रखी ये शर्त

सिडनी। अगर आपका परिवार एक ही दिन में चार नए नन्हे मेहमानों के आने से सीधे दोगुना हो जाए, तो खुशियों के साथ-साथ जिम्मेदारियों का कितना बड़ा पहाड़ टूट पड़ेगा? ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन में कुछ ऐसा ही हुआ है। 34 वर्षीय जेनिटर नामोआना ने एक बेहद दुर्लभ और कुदरत का करिश्मा माने जाने वाले मामले में एक साथ 4 जुड़वां बच्चियों को जन्म दिया है। इस अनोखे जन्म ने न केवल इस परिवार की दुनिया बदल दी है, बल्कि इनके सामने रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी एक बड़ी व्यावहारिक चुनौती भी खड़ी कर दी है।

15 मिलियन में एक दुर्लभ मामला

डॉक्टरों के मुताबिक, एक ही फर्टिलाइज्ड एग से बिना किसी मेडिकल ट्रीटमेंट के चार एक जैसी बच्चियों का जन्म होना लगभग 1.5 करोड़ मामलों में से एक में होता है। जेनिटर की सिजेरियन डिलीवरी करीब 28 हफ्तों की प्रेग्नेंसी के बाद सफलतापूर्वक हुई। चारों नवजात बहनें एकदम स्वस्थ हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस असाधारण जन्म से पहले कपल के घर में पहले से ही चार छोटे बच्चे थे। चार नन्हीं प्रिंसेस एमिली, हैरियट, कैथरीन और एलेक्सा के आने के बाद अब यह परिवार कुल 10 सदस्यों का बड़ा कुनबा बन चुका है।

10 सीटों वाली वैन खरीदने के लिए मांगा क्राउडफंडिंग से सहारा

परिवार की सबसे बड़ी समस्या अब यात्रा को लेकर आ रही है। उनकी पुरानी कार में 10 लोगों के एक साथ बैठने या सुरक्षित रूप से ट्रैवल करने की जगह ही नहीं है। अस्पताल के चक्कर काटने, बच्चों को स्कूल छोड़ने और परिवार को बाहर ले जाने के लिए अब एक 10 या 12 सीटों वाली बड़ी वैन बेहद जरूरी हो गई है। डायपर, मिल्क फॉर्मूला और अन्य रोजमर्रा के खर्चों के भारी बोझ को देखते हुए, मां ने एक ऑनलाइन क्राउडफंडिंग कैंपेन शुरू किया है। इस अभियान को लोगों का भारी समर्थन मिल रहा है और कई मददगार उनके साथ आ खड़े हुए हैं।

व्हेल का मल पृथ्वी को दे रहा है आधी ऑक्सीजन!

वॉशिंगटन। जलवायु परिवर्तन और गर्म होते महासागरों के कारण पूरी दुनिया के वैज्ञानिक चिंतित हैं कि समुद्री जीवों का भोजन खत्म हो जाएगा। विशालकाय 'साउथर्न राइट व्हेल' को लेकर भी लंबे समय से यही डर जताया जा रहा था। लेकिन, वैज्ञानिकों की एक हालिया रिसर्च ने इस डर को उम्मीद में बदल दिया है। इस रिसर्च में किसी जटिल तकनीक से ज्यादा व्हेल के मल यानी पोटी ने वैज्ञानिकों की मदद की है।

वैज्ञानिकों को क्या पता चला?

समुद्र की गहराइयों में रहने वाली व्हेल मछलियों के खाने की आदतों को ट्रैक करना बेहद मुश्किल होता है। इसलिए, वैज्ञानिकों ने उनके मल के सैंपल्स का अध्ययन किया। अंतरराष्ट्रीय पशु कल्याण कोष के अनुसार, इन सैंपल्स में खाए गए शिकार के अवशेष और रसायनों के सुराग मिलते हैं। इससे पता चला कि जब समुद्र के गर्म होने के कारण उनका पसंदीदा खाना (जैसे क्रिल और कोपेपोड्स) कम हो जाता है, तो व्हेल भूखी रहने के बजाय दूसरा उपलब्ध भोजन खाने लगती हैं।

लचीलापन ही है व्हेल के बचने की कुंजी

साउथर्न राइट व्हेल आमतौर पर छोटे जूप्लांकटन का शिकार करती हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण इन छोटे जीवों की आबादी कम-ज्यादा होती रहती है। रिसर्च से पता चलता है कि व्हेल एक ही प्रकार के शिकार पर निर्भर रहने के बजाय अपनी डाइट का दायरा बढ़ा लेती हैं। इस लचीले व्यवहार की वजह से वे बदलते समुद्री माहौल में भी अपने ऊर्जा स्तर को बनाए रखने में सक्षम हो रही हैं।

हमारी सांसों से व्हेल का क्या संबंध है?

फाइटोप्लांकटन न केवल जूप्लांकटन का भोजन बनते हैं, बल्कि वे कार्बन डाइऑक्साइड को सोखकर पृथ्वी की लगभग आधी ऑक्सीजन भी पैदा करते हैं। इस तरह व्हेल एक प्राकृतिक चक्र चलाती हैं। वे भोजन करती हैं, पोषक तत्व समुद्र की सतह पर लाती हैं, फाइटोप्लांकटन को उपजाऊ बनाती हैं और अप्रत्यक्ष रूप से अपने ही भोजन के चक्र को बनाए रखती हैं।

भविष्य के लिए क्या हैं संकेत?

वैज्ञानिकों का कहना है कि व्हेल में परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की अद्भुत क्षमता है और वे सिर्फ जलवायु परिवर्तन की असहाय शिकार नहीं हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि खतरा टल गया है। यदि महासागर अत्यधिक गर्म हो जाते हैं, तो केवल भोजन बदलने की क्षमता भी व्हेल को नहीं बचा पाएगी।

बहुरूपिया गांव! शादी से पहले चढ़ती है चीनी वाली रोटी

पूर्वी चंपारण। बिहार एक ऐसा प्रदेश है, जहां गांवों की संख्या काफी अधिक है। इनमें से कुछ गांव ऐसे हैं जो अपने खास और अनोखे रिवाजों के लिए जाने जाते हैं। ऐसा ही एक अनोखा गांव है बहुरूपिया। जो पूर्वी चंपारण जिले के सुगौली प्रखंड के अंतर्गत आता है। इस गांव की सबसे बड़ी विशेषता यहां का एक बेहद दिलचस्प रिवाज है। दरअसल, इस गांव में होने वाले हर धार्मिक कार्य या शादी-विवाह जैसे शुभ अवसरों से पहले 'बहुरूपी बाबा' की पूजा की जाती है। जिसका पालन पूरा गांव बेहद श्रद्धा के साथ करता है। अब यह इस गांव की एक अटूट परंपरा बन चुकी है। चाहे हिंदू हों या मुस्लिम, गांव का हर व्यक्ति इस अनूठी परंपरा को पूरी शिद्दत से निभाता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com